वर्ष 73 अंक 149 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 26 फरवरी, 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 09, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

गलतियां इस बात का प्रमाण हैं कि आप कोशिश कर रहे हैं।
-अज्ञात

ऑफ बीट

अब चुगली की तो पांच हजार रुपए जुर्माना

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के मेड़की गांव की ग्राम सभा ने हाल ही में आपसी विवादों को रोकने के लिए एक अनोखा नियम बनाया है। इसके तहत किसी व्यक्ति की चुगली करने या पीठ पीछे बुराई करने पर आरोपी को 5,001 का आर्थिक दंड देना होगा। ग्रामीणों का मानना है कि 'इधर की बात उधर' करने से परिवारों के बीच झगड़े बढ़ते हैं और गांव का माहौल खराब होता है? सामाजिक या धार्मिक कार्यक्रमों में शराब पीकर हंगामा करने पर भी 5,001 का जुर्माना तय किया गया है। गांव में शराब बेचने पर 10 हजार जुर्माना है। एकत्रित जुर्माने की राशि गांव के विकास कार्यों में खर्च की जाएगी। कानूनी तौर पर यदि चुगली झूठी हो और किसी की छवि खराब करती हो, तो बीएनएस की धारा 356 के तहत भी मानहानि का मामला बन सकता है, जिसमें 2 साल तक की कैद या जुर्माना संभव है?

टी-20 वर्ल्ड में आज
सुपर-8 के मुकाबले

द. अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज
समय : दोपहर 3.00 बजे से

भारत बनाम जिम्बाब्वे
समय: शाम 7.00 बजे से

प्रसारण: जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

महिलाओं पर नस्लीय कमेंट, दंपति गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और उसके पति हर्ष सिंह को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी/एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट ने कपल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इससे पहले मंगलवार को हर्ष सिंह ने कहा कि हम शर्मिंदा हैं। ये सबकुछ हीट ऑफ द मोमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के संपर्क में है।

अंतिम संस्कार का अधिकार सम्मान का हिस्सा : कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक बार फिर माना है कि माता-पिता का अंतिम संस्कार करने का अधिकार एक अनिवार्य धार्मिक और नैतिक दायित्व है, और ऐसे मामलों में पैरोल से इनकार करना भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त एक अपराधी के सम्मान के अधिकार का उल्लंघन होगा। यह याचिका बीएनएसएस 2023 की धारा 528 के साथ संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर की गई थी, जिसमें आपातकालीन पैरोल के लिए परमादेश रिट जारी करने की मांग की गई थी। यह आदेश न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने अजमेर सिंह उर्फ पिंका बनाम एनसीटी दिल्ली राज्य के एसएचओ कंझावला के माध्यम से पारित किया था, जिसमें राज्य कोर्ट ने एक अपराधी को चार सप्ताह की पैरोल की अनुमति दी थी, ताकि वह तेहरवी समारोह में शामिल हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की एक किताब के चैप्टर 'ज्यूडीशियल करप्शन' पर जताई नाराजगी

ज्यूडिशिरी को बदनाम करने की इजाजत नहीं दे सकते: सीजेआई

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की आपत्ति के बाद 'ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर वाली एनसीईआरटी किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। एनसीईआरटी के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीईआरटी किताब से विवादित हिस्सा हटाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, एनसीईआरटी ने चैप्टर का सुझाव देने वाले एक्सपर्ट्स और इसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की इंटरनल मीटिंग बुलाई है। किताब को वेबसाइट से भी हटा लिया गया है। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में यह मामला उठाया था। सिब्बल ने सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली, जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच को बताया कि क्लास 8 के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है। यह निंदनीय है। सिंघवी ने कहा कि एनसीईआरटी ने मान लिया है कि राजनीति, ब्यूरोक्रेसी और अन्य संस्थानों में भ्रष्टाचार है ही नहीं। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा-दुनिया में किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यह एक सोची-समझी और गहरी साजिश लगती है। मुझे पता है, इससे कैसे निपटना है। मैं यह केस खुद हैंडल करूंगा। हम इस बारे में और कुछ नहीं कहना चाहते।

तीनों अंगों को जोड़ना चाहिए था: काउंसिल के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, मामला अब कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए वे इस मुद्दे पर कुछ भी नहीं बोलेंगे। सूत्रों ने कहा कि अगर भ्रष्टाचार का मुद्दा शामिल करना था, तो शासन के तीनों अंगों-विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व को भी जोड़ना था। सूत्रों ने कहा, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित आंकड़े संसदीय अभिलेखों और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड में मौजूद हैं, लेकिन फैक्ट्स के क्रॉस वेरिफिकेशन के लिए केंद्र से परामर्श नहीं लिया गया।

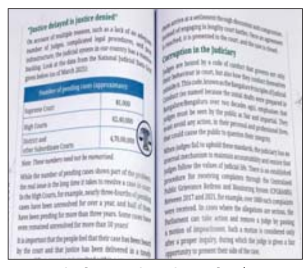

एनसीईआरटी की नई सोशल साइंस टेक्स्टबुक में था चैप्टर

एनसीईआरटी ने 23 फरवरी को क्लास 8 के स्टूडेंट्स के लिए सोशल साइंस की नई टेक्स्टबुक जारी की थी। ये किताब एकेडमिक सेशन 2026-27 से स्कूलों में पढ़ाई जानी थी। इसका पहला पार्ट जुलाई 2025 में रिलीज किया गया था। किताब का नाम 'एक्सप्लोरिंग सोसायटीः इंडिया एंड बियॉन्ड पार्ट 2' है। इसमें 'द रोल ऑफ द ज्यूडीशियरी इन अवर सोसायटी' चैप्टर के अंदर 'करप्शन इन द ज्यूडिशियरी' का टॉपिक जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि भ्रष्टाचार, बड़ी संख्या में पेंडिंग मामले और जजों की भारी कमी ज्यूडिशियल सिस्टम के सामने प्रमुख चुनौतियों में शामिल हैं।

नेता-अफसर समुदाय विशेष को नहीं कर सकते टारगेट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे नेता-अफसर किसी समुदाय को धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर निशाना नहीं बना सकते। ऐसा करना संविधान के खिलाफ है। किसी भी माध्यम से समुदाय को बदनाम नहीं करने दे सकते। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने आगामी नेटफ्लिक्स क्राइम थ्रिलर घूसखोर पंडत पर 19 फरवरी को सुनवाई की थी। ये टिप्पणियां जस्टिस भुइयां ने फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली याचिका पर अपने अलग फैसले में कही थीं। कोर्ट के ऑर्डर की डिटेल कॉपी आने के बाद बुधवार को जानकारी सामने आई है।

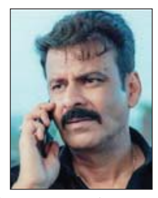

इस दौरान उन्होंने कहा था, संविधान के अनुसार राज्य या गैर-राज्य अभिनेता सहित कोई भी व्यक्ति भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य कला जैसे किसी भी माध्यम से किसी समुदाय को बदनाम या अपमानित नहीं कर सकता। बेंच ने फिल्म निर्माता नीरज पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड में लेकर याचिका खत्म कर दी थी। अदालत ने उम्मीद जताई थी कि विवाद अब खत्म हो जाएगा। जस्टिस भुइयां ने अपने 39 पन्नों के अलग फैसले में कहा कि संविधान की प्रस्तावना में सभी नागरिकों के बीच भाईचारा बढ़ाने और देश की एकता व अखंडता बनाए रखने का वादा किया गया है। मनोज बाजपेयी की फिल्म घूसखोर पंडत का नाम बदल दिया गया है। फिल्ममेकर नीरज पांडेय ने सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट दाखिल करके इसकी जानकारी दी। जिसमें बताया गया कि फिल्म का विवादित टाइटल हटा दिया गया है। अब इसका कहीं इस्तेमाल नहीं होगा। नया नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन जो भी रखा जाएगा, वह पुराने नाम जैसा या उससे मिलता-जुलता नहीं होगा।

क्या हिंदू-मुस्लिम की शादी से टूटता है सामाजिक तानाबाना!

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि फिल्म के नाम में ऐसा कोई शब्द नहीं है, जिससे यादव समाज की छवि खराब होती हो। विश्व यादव परिषद ने याचिका में कहा था कि फिल्म का नाम यादव समाज को गलत तरीके से दिखाता है। साथ ही फिल्म में यादव समाज की एक हिंदू लड़की और एक मुस्लिम लड़के की प्रेम कहानी दिखाई गई है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने सुनवाई के दौरान पूछा, 'क्या किसी हिंदू लड़की की मुस्लिम लड़के से शादी सामाजिक ताना-बाना तोड़ती है?'

कोर्ट ने 'घूसखोर पंडित' मामले से अलग बताया: बेंच ने हाल में फिल्म 'घूसखोर पंडित' से जुड़े आदेश से इस मामले को अलग बताया। कोर्ट ने कहा कि 'घूसखोर' शब्द का अर्थ भ्रष्ट होता है, जो सीधे तौर पर नकारात्मक अर्थ जोड़ता है, जबकि मौजूदा फिल्म के नाम में ऐसा कोई नकारात्मक संकेत नहीं है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि फिल्म खुद को एक सच्ची कहानी पर आधारित बताती है। इस पर कोर्ट ने जवाब दिया, फिल्म बैंडिट क्वीन में भी गुर्जर समुदाय को गलत तरीके से दिखाने की बात उठी थी, तब भी कोर्ट ने बैन से इनकार किया था। वकील ने कहा कि फिल्म अभी रिलीज नहीं हुई है और अगर रिलीज के बादकुछ आपत्तिजनक लगे तो वे फिर कोर्ट आ सकते हैं। इस पर बेंच ने कहा, जरा सहनशील बनिए। यह फिक्शन है। एक हफ्ते में सब खत्म हो जाएगा। आजकल लोग थिएटर नहीं, मोबाइल पर देख रहे हैं। फिल्म यादव जी की लव स्टोरी 27 फरवरी को रिलीज होनी है। इसमें प्रगति तिवारी मुख्य एक्ट्रेस हैं।

पीएम ने इजरायली संसद को किया संबोधित

गाजा पीस प्लान को भारत का समर्थन

तेल अवीव, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन के इजराइल दौरे पर पहुंचे। इस दौरान इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को संबोधित किया। इस दौरान उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया गया। नेसेट को संबोधित करते हुए मोदी ने इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, हम आपके दर्द को समझते हैं, भारत लंबे वक्त से आतंकवाद से पीड़ित है। भारत इजराइल के साथ खड़ा है। वहीं नेतन्याहू ने मोदी को एशिया का शेर और दुनिया का सम्मानित नेता बताया। इसके पहले मोदी नेसेट को संबोधित करने पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। संसद पहुंचने पर सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे भी लगाए। मोदी ने कहा, पिछले कुछ सालों से, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी इकॉनमी रहा है। जल्द ही, हम दुनिया की टॉप तीन इकॉनमी में शामिल होंगे। पिछले कुछ सालों में, भारत ने दूसरे देशों के साथ कई जरूरी ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं...हमारी टीमें एक बड़े फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। मोदी इजरायल के पीएम नेतन्याहू के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। वह राष्ट्रपति आइसेक हरजोग से भी मुलाकात करेंगे। मोदी इजरायली संसद नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय पीएम बन गए। उनके पहुंचने से पहले ही सांसदों ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए, जिससे वहां का माहौल उत्साहपूर्ण हो गया।

रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर जोर

इस यात्रा में रक्षा और सुरक्षा सहयोग अहम मुद्दा है। भारत के स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' और इजरायल की आयरन डोम तकनीक पर संभावित सहयोग पर चर्चा हो सकती है। दोनों देश रक्षा संबंधों को सिर्फ खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि संयुक्त उत्पादन और उन्नत रक्षा प्रणालियों के विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के रिश्तों को 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक अपग्रेड करने पर भी बातचीत हो सकती है। यह दर्जा इजरायल अब तक अमेरिका और जर्मनी जैसे चुनिंदा देशों को ही देता रहा है। आर्थिक सहयोग, निवेश और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर भी जोर रहेगा। पहले से मौजूद द्विपक्षीय निवेश समझौते को आगे बढ़ाने और 'भारत-प.एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे' पर भी चर्चा होने की संभावना है। मोदी यरुशलम में नवाचार से जुड़े कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और याद वाशेम स्मारक का संयुक्त दौरा भी करेंगे।

नेतन्याहू बोले-मोदी मेरे भाई जैसे हैं

मोदी से पहले इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने संबोधन में कहा कि मोदी मेरे भाई जैसे हैं, मेरे दिल में उनके लिए खास जगह है। उन्होंने मोदी को दुनिया का सम्मानित नेता बताया। इससे पहले नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान की धुन के साथ पीएम का स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर ही मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की। इसके बाद वे होटल पहुंचे जहां, प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने परफोर्मेंस भी दी। मोदी का यह 9 साल बाद दूसरा इजराइल दौरा है। इससे पहले वे जुलाई 2017 में तेल अवीव गए थे।

आजीविका मिशन कार्यशाला में शामिल हुईं प्रदेशभर से महिलाएं

आत्मनिर्भर और सशक्त बनाई जा रहीं महिलाएं: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में लखपति दीदी योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा रहा है। पिछले एक वर्ष के दौरान स्व-सहायता समूहों ने विभिन्न कंपनी और मेलों के माध्यम से 310 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। सीएम बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में स्वसहायता समूहों की आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मप्र, देश का सर्वाधिक प्राकृतिक खेती वाला राज्य है। हमारे स्व-सहायता समूहों की 50 हजार बहनें प्राकृतिक खेती में जुटी हैं। सरकार के प्रयासों से प्रदेश की बहनें सशक्त हो रही हैं। 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 65 लाख से अधिक दीदियां जुड़कर सशक्त हुई हैं। इनमें से 12 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। डॉ. यादव ने कहा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला उद्यमिता के इतिहास का आज स्वर्णिम दिन है। आजीविका मिशन द्वारा हमारी बहनों के हाथों से बनी सामग्री को वैश्विक बाजार से जोड़ने की पहल सराहनीय है। भारतीय संस्कृति में ऋतुओं से व्यंजनों तथा अन्य उपयोगी सामग्री बनाने का विशेष संबंध है।

6 जिलों के लिए ग्रामीण एक्सप्रेस को हरी झंडी

सीईओ मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन हर्षिका सिंह ने कहा, यह कार्यशाला विभिन्न जिलों के स्व-सहायता समूहों की दीदियों को उत्पादन और मार्केटिंग में सहायता व मार्गदर्शन प्रदान करेगी। आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना में प्रदेश के 6 जिले-बैतूल, विदिशा, राजगढ़, कटनी, ग्वालियर एवं भोपाल से 7 एजीईवाय गाडियों को हरी झंडी दिखाई गई है, जो दूर-दराज के क्षेत्रों में दीदियों को आवागमन और उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगी। समूह की दीदियों को सीएलएफ के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मप्र में अभी 43 रूरल मार्ट संचालित हैं। कार्यशाला में एसीएस दिपाली रस्तोगी, सचिव कृषि निशांत वरवड़े, चीफ पोस्ट मास्टर जनरल (एमपी सर्कल) विनोद माथुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित स्व-सहायता समूहों की दीदियां बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

भारतीय सोलर पैनल पर अमेरिका में 126% ड्यूटी

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका ने भारत से आने वाले सोलर पैनलों और सेल पर 126 फीसदी की शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग का कहना है कि भारत अपने मैन्युफैक्चरर्स को गलत तरीके से सब्सिडी दे रहा है, जिससे अमेरिकी घरेलू कंपनियों को नुकसान हो रहा है।

चीन के जरिए सस्ते प्रोडक्ट भेजने का आरोप

भारत के अलावा लाओस और इंडोनेशिया पर भी 81 फीसदी से 143 फीसदी तक की लेवी लगाई गई है। शुरुआती जांच के आधार पर यह फैसला लिया गया है। जांच पर अंतिम फैसला 6 जुलाई को आएगा। यानी सब्सिडी की बात साबित हो जाती है, तो यह टैक्स स्थायी हो जाएगा।

इस फैसले से भारतीय सोलर एक्सपोर्टर्स के लिए अमेरिकी बाजार में टिकना मुश्किल हो सकता है। 126 फीसदी ड्यूटी लगने का मतलब है कि इन पैनलों की कीमत अमेरिका में दोगुनी से भी ज्यादा हो जाएगी। ऐसे में अमेरिकी खरीदार भारतीय माल के बजाय लोकल कंपनियों या अन्य देशों से पैनल खरीदना पसंद करेंगे क्योंकि भारतीय प्रोडक्ट अब कॉम्पिटिशन से बाहर हो जाएंगे।

शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य प्राथमिकता से करें: राज्यपाल

मऊगंज जिले के 'धरती आबा' ग्राम सलैया के कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल

जागरण,रीवा। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल बुधवार को मऊगंज दौरे पर रहे। वह बतौर मुख्य अतिथि मऊगंज जिले के हनुमना जनपद अंतर्गत दूरस्थ जनजातीय 'धरती आबा' ग्राम सलैया खास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने पेड़ के नीचे चौपाल लगकर ग्रामीणों की समस्या सुनीं, जिसे खूब सराहा भी गया। कार्यक्रम में उन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ जनजातीय व गरीब वर्ग के लोगों तक प्राथमिकता से पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि ताकि यह वर्ग देश के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर भागीदार बन सके। राज्यपाल ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अल्प आयु में ही देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना आदिवासियों के उत्थान के लिए वरदान साबित होगी। इस योजना के तहत 18 विभागों द्वारा उनकी योजनाओं का लाभ जनजातीय परिवारों को मिलेगा। राज्यपाल ने आदिवासी युवाओं का आह्वान किया कि वह शिक्षित होकर अपने समाज के लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य करें, क्योंकि समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के लिए इस योजना से लाभ लेकर बराबरी का दर्जा प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूह के माध्यम से महिलाएं विकास की राह पकड़ चुकी हैं। उनमें आत्मविश्वास तो बढ़ा ही है साथ ही महिला सशक्तिकरण का भी उदाहरण प्रस्तुत हुआ है। पारम्परिक नृत्य शैला एवं कर्मा से कार्यक्रम में राज्यपाल का स्वागत किया गया। समारोह में सांसद जनार्दन मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, एपीएसयू कुलगुरु डॉ.राजेन्द्र कुड़रिया भी मौजूद रहे।

(विस्तृत खबर पेज 2 पर)

चर्चा में

एक्टर देवरकोंडा-रश्मिका की हुई हल्दी रस्म, म्यूजिक नाइट में किया डांस

आज शादी के बंधन में बंध जाएंगे विजय-रश्मिका

उदयपुर, जेएनएन। एक्टर विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका की शादी की रस्में राजस्थान के उदयपुर स्थित लग्जरी होटल 'मोमेंटोस एकाया' में धूमधाम से शुरू हो गई हैं। बुधवार को दोनों की हल्दी सेरेमनी हुई, जबकि इसके बाद मेहंदी की रस्म आयोजित की गई। गुरुवार को दोनों शादी के बंधन में बंधेंगे। शादी के बाद 3 और 4 मार्च को हैदराबाद में ग्रैंड रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की कई हस्तियां शामिल होंगी।

होटल को पीले फूलों, हल्के हरे शेड्स के पर्दों और खास लाइटिंग से सजाया गया है। टेबल सेटिंग में मोती जैसी फिनिश और ताजे फूलों-फलों से सजे सेंटरपीस आकर्षण का केंद्र हैं। मंगलवार रात आयोजित म्यूजिक नाइट में विजय और रश्मिका एक-दूसरे का हाथ थामकर एंट्री लेते नजर आए।

खास मेहमान पहुंचे

शादी में शामिल होने फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा उदयपुर पहुंचे। उन्होंने विजय के साथ 'अर्जुन रेड्डी' और रश्मिका के साथ 'एनिमल' फिल्म बनाई है। इसके अलावा एक्टर-डायरेक्टर राहुल रविन्द्रन, एक्ट्रेस आशिका रंगनाथ, ईशा रब्बा, डायरेक्टर तरुण भास्कर और स्टाइलिस्ट श्रव्या वर्मा भी शादी में शामिल होने पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दोनों को बधाई संदेश भेजा है।

साउथ इंडियन रीति-रिवाज

शादी की रस्मों के लिए साउथ इंडिया से विशेष पंडित बुलाए गए हैं, जो पारंपरिक विधि-विधान से विवाह संपन्न कराएंगे। समारोह में केवल करीब 200 मेहमान शामिल होंग। जिनमें परिवार, करीबी दोस्त शामिल हैं। हालांकि रिसेप्शन में साउथ फिल्म इंडस्ट्री और बॉलीवुड के कई कलाकार मौजूद रहेंगे।

विजय ने ब्लैक शेरवानी पहनी, जबकि रश्मिका सिल्वर आउटफिट में दिखीं। दोनों ने साउथ और बॉलीवुड गानों पर स्पेशल परफॉर्मेंस दी। वेन्यू के एंट्री गेट पर दोनों की तस्वीरों की एक खास फोटो गैलरी भी लगाई गई थी। परिवार और दोस्तों ने भी जमकर डांस किया।

विजय और रश्मिका 23 फरवरी को ही परिवार के साथ वेडिंग वेन्यू पहुंच गए थे। 23-24 फरवरी को प्री-वेडिंग पार्टियां हुईं। 24 फरवरी को दोनों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच खेला गया, जिसे 'विरोष प्रीमियर लीग' नाम दिया गया। पूल पार्टी और डिनर की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की गईं।

यह शादी है ट्रेंडसेटर

'विरोष' ब्रांडिंग का ट्रेंड: दोनों के नाम को मिलाकर बनाया गया 'विरोष' टैग पूरे समारोह की थीम बना हुआ है। प्री-वेडिंग क्रिकेट मैच को 'विरोष प्रीमियर लीग' नाम देना और गेस्ट बैंड्स पर यही टैग लगाना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है।

मल्टी-कल्चरल वेडिंग कॉन्सेप्ट: शादी साउथ इंडियन रीति-रिवाज से हो रही है, लेकिन मेन्यू में साउथ इंडियन, पंजाबी, जापानी डिशेज शामिल हैं।

इको-फ्रेंडली सजावट: सजावट में अधिकतर ताजे फूल, प्राकृतिक रंग और रिसाइक्लेबल मटेरियल का उपयोग किया गया है। प्लास्टिक डेकोर से बचने की कोशिश की गई है। हाई सिक्योरिटी अरेंजमेंट, डिजिटल कवरेज पर रोक इस शादी को अहम बनाते हैं।

40 हजार करोड़ के फ्रॉड मामले में ईडी की कार्रवाई

अनिल अंबानी का 17 मंजिला घर जब्त, कीमत 3716 करोड़

मुंबई, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित बंगले 'एबोड' को अटैच यानी जब्त कर लिया है। इसकी कीमत करीब 3,716 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून के तहत की गई है। मामला उनकी ग्रुप कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा किए गए कथित बैंक फ्रॉड से जुड़ा है। अनिल अंबानी पर 40 हजार करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में जांच चल रही है। अनिल अंबानी का यह बंगला मुंबई के सबसे पॉश इलाके पाली हिल में स्थित है। 66 मीटर ऊंचे इस बंगले में कुल 17 फ्लोर हैं। यह देश के सबसे महंगे रिहायशी घरों में गिना जाता है। ईडी ने इस संपत्ति को कुर्क करने के लिए एक प्रोविजनल ऑर्डर जारी किया है। बैंक धोखाधड़ी के मामले में लंबे समय से चल रही जांच के बाद केंद्रीय एजेंसी ने यह बड़ा कदम उठाया है। यह पूरी कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशंस और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ चल रही जांच का हिस्सा है। आरोप है कि बैंक से लिए गए लोन की राशि का गलत इस्तेमाल किया गया और उसे अन्य कार्यों में डायवर्ट किया गया। ईडी पिछले काफी समय से अनिल अंबानी और उनके ग्रुप की वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही थी। इससे पहले भी अंबानी से इस मामले में पूछताछ की जा चुकी है। आरकॉम पिछले कई सालों से वित्तीय संकट से जूझ रही है।

सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने जिम्बाब्वे से भिड़ेगा भारत (पेज : 11)

हर धर्म के लिए खास है फरवरी-मार्च

सर्वधर्म सद्भाव के दिन: जैन 8, बहाई 19 व ईसाई 40 दिन रखेंगे उपवास, मुस्लिमों के रोजे 30 दिन तक

पूजा-इबादत के इन दिनों में करेंगे जरूरतमंदों की सेवा

जागरण, रीवा। फरवरी मार्च धर्म और आस्था के लिहाज से बहुत खास हैं। इन दिनों में ईसाई, मुस्लिम, बहाई और जैन समाज के पर्व त्योहार पड़ने से श्रद्धालु उपवास और इबादत में लीन रहेंगे। इधर सनातन धर्मावलंबी भी विभिन्न तिथियों में व्रत-उपवास और पर्वो पर पूजा-अर्चना करेंगे। इसी अवधि में हिंदू धर्म में 3 मार्च को होली, 19 मार्च को गुड़ी पड़वा पर्व मनेंगे। चैत्र नवरात्र शुरू होंगे, जिसमें अनेक श्रद्धालु नौ दिन उपवास रखकर मां भगवती की पूजा-उपासना करेंगे। नवमी पर 27 मार्च को उपवास का समापन होगा। इन दोनों महीनों में धर्म की सरिता प्रभाहित होगी। कुल मिलाकर ये दो महीने सर्वधर्म सद्भाव का संदेश देने वाले होंगे।

मुस्लिमः 30 दिन इबादत के

रमजान के पवित्र महीने में 30 दिन तक रोजे रखे जा रहे हैं। रोजेदार कुरान की तिलावत, नमाज और दुआ के जरिए खुदा की इबादत कर रहे हैं। रोजा इफ्तार और जरूरतमंदों की मदद के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुस्लिम समाज के लोग रोजा रखकर वक्त इबादत में गुजारेंगे।

अनुयायी बहाउल्लाह का स्मरण-प्रार्थनाएं करेंगे

बहाई माह 19 दिन का होता है। उपवास का मुख्य उद्देश्य शारीरिक शुद्धता व आत्मिक विकास है। बहाई समाज 2 से 20 मार्च तक उपवास करेगा और 21 मार्च को नवरोज मनाया जाएगा। इस दौरान बहाई धर्म के अनुयायी बहाउल्लाह का स्मरण करेंगेए प्रार्थनाएं होंगी।

गिरजाघरों में प्रार्थना-विशेष सभाएं होंगी

ईसाई समराज में 18 फरवरी को ऐश वेडनेसडे (राख बुधवार) से शुरू हुआ 40 दिन के उपवास का सिलसिला 4 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान श्रद्धालु प्रभु यीशु का स्मरण कर प्रार्थना करेंगे और चर्च में विशेष सभाएं होंगी। 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे और ईस्टर संडे 5 अप्रैल को मनाया जाएगा।

हिन्दू: होली की उमंग छाएगी, मां की आराधना करेंगे

सनातन धर्मावलंबियों के लिए भी मार्च का महीना बहुत खास रहने वाला है। इस महीने में रंगों का त्योहार होली मनेगा, वहीं गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्र में व्रत रखकर मां दुर्गा की आराधना करेंगे।

जैन समाजः अष्टान्हिका में भगवान महावीर की पूजा

दिगंबर जैन समाज में 24 फरवरी से 3 मार्च तक अष्टान्हिका के व्रत रखे जाएंगे। जैन मंदिरों में तीर्थंकर भगवंतों की पूजा-आराधना होगी। इस दौरान आठ दिवसीय उपवास रखे जाएंगे और तीर्थंकरों की पूजा-अर्चना की जाएगी। इसे भगवान महावीर की आराधना का विशेष पर्व माना जाता है।

रीवा में संदेश देती मुद्राओं की होलिका प्रतिमा का बढ़ा चलन

जागरण, रीवा। रंग, उमंग के पर्व होली को लेकर रीवा में तैयारियां जोरों पर हैं। शहर में विशेष संदेश देते हुए होलिका प्रतिमाओं को लेकर जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है। गली-मोहल्लों से लेकर पॉश कॉलोनियों तक, हर तरफ होलिका स्थापना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अनुमान है कि इस वर्ष शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 4 हजार से अधिक होलिका दहन किया जाएगा। सभी जगह तैयारियां जोरों पर जारी हैं। मूर्तिकार प्रभु सिंह व गीता सिंह ने बताया कि इस साल कुछ बॉलीवुड स्टाइल की प्रतिमाओं के साथ-साथ पौराणिक कथाओं पर आधारित प्रतिमाओं की काफी मांग है। कुछ स्थानों पर भक्त प्रहलाद को गोद में लिए बैठी होलिका के पारंपरिक रूप के दर्शन होंगे, वहीं कई जगहों पर समसामयिक विषयों को जोड़कर आकर्षक प्रतिमाएं तैयार की गई हैं।

दशकों पुरानी परम्परा

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में होलिका दहन की परम्परा दशकों पुरानी है। कुछ मुख्य केंद्रों पर आज भी पारम्परिक रीति-रिवाजों का कड़ाई से पालन किया जाता है। क्षेत्रीय बुजुर्गों की उपस्थिति में मंत्रोच्चार के साथ शुभ मुहूर्त में होलिका दहन संपन्न होता है, जिसमें नई पीढ़ी भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती है। मूर्तिकार आयुष सिंह ने बताया कि बढ़ती महंगाई के बावजूद लोगों के उत्साह में कमी नहीं आई है। बाजार में 500 से लेकर तीन हजार रूपए तक की प्रतिमाएं उपलब्ध हैं। छोटी प्रतिमाएं मुख्य रूप से घरों और सोसायटियों के लिए हैं, जबकि बड़ी और भव्य प्रतिमाएं सार्वजनिक पंडालों की शोभा बढ़ाएंगी।

न्यूज कार्नर

बीहर रिवर फ्रंट शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण करें: उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा शहर में पुनर्धनत्वीकरण योजना की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं, अधोसंरचना उन्नयन तथा सौंदर्यीकरण कार्यों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विशेष रूप से बीहर नदी के रिवर फ्रंट विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि नदी के पूर्वी तट का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि पश्चिमी तट का कार्य शेष है। उन्होंने पश्चिमी तट पर शेष रिवर फ्रंट कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि बीहर नदी के दोनों तटों का समग्र विकास होने से रीवा शहर को विशिष्ट पहचान मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही पुनर्धनत्वीकरण योजना अंतर्गत अन्य प्रस्तावित कार्यों को भी समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाने, आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृतियों को शीघ्र पूर्ण करने तथा समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया गया। उन्होंने केंद्रीय जेल रीवा में पुनर्धनत्वीकरण योजना के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के आयुक्त गौतम सिंह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ऑटो चालकों से अवैध वसूली नहीं रुक रही

रीवा। शहर के प्रमुख चौराहों पर किसी ठेकेदार के कर्मचारी ऑटो, ई-रिक्शा सहित गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों से अवैध वसूली कर रहे हैं। गत वर्ष वाहन चालकों को रसीद तो पांच रुपए की दी जा रही थी, लेकिन वसूले 10 रुपए जाते थे। जिसकी शिकायत के बाद से वाहन चालकों को दी जाने वाली स्लिप से राशि का कॉलम नदारद हो गया। कुछ समय वसूली रोकने के बाद फिर से वसूली चालू हो गई, जिसकी शिकायत के बाद से ठेकेदार पर प्रकरण दर्ज किए जाने की बात सामने आई, लेकिन इसके बाद भी चौराहों पर वाहन चालकों से अवैध वसूली का सिलसिला रुका नहीं। ठेकेदार का कर्मचारी सिरमौर चौराहे से गुजरने वाले वाहन चालकों को दौड़-दौड़कर रोक रहा था और उनसे राशि वसूलने के बाद ही आगे बढ़ने दे रहा था। जब उक्त कर्मचारी से पूछा गया कि किस बात का शुल्क वसूल रहे तो बोला नगर निगम का है। सिरमौर चौराहे सहित ढेकहा, बीड़ा मोड़, जय स्तंभ, बस स्टैंड, खन्ना चौराहा, अस्पताल चौराहा, रतहरा, गुढ़ चौराहा आदि क्षेत्रों में ठेकेदार के कर्मचारी वाहन चालकों से राशि वसूलने में जुटे हुए हैं, किस बात का शुल्क ले रहें हैं, ये दी जाने वाली रसीद में स्पष्ट नहीं है, जो कि जांच का विषय है।

शिक्षा से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है: मंगुभाई पटेल

हनुमना में पारम्परिक नृत्य शैला एवं कर्मा से राज्यपाल का गरिमामयी स्वागत

मऊगंज के प्रथम प्रवास के दौरान वट वृक्ष के नीचे लगाई चौपाल, ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं

जागरण, रीवा

मऊगंज जिले के प्रथम प्रवास के दौरान बुधवार को 'धरती आबा' ग्राम सलैया के कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल ने विशाल वट वृक्ष के नीचे चौपाल लगाई। इस दौरान सरपंच इंदरनिया कोल, समाजसेवी मोती लाल बेग, जगरनाथ कोल, राज कुमार गोड़ और सुदर्शन गोड़ से राज्यपाल ने संवाद किया। राज्यपाल ने ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाना है। उन्होंने अपील की कि लोग स्वयं जागरूक होकर आगे आएं और इन योजनाओं का अधिकतम लाभ लें। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने इसके पूर्व आयोजित कार्यक्रम में कहा कि शिक्षा से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है। पढ़-लिख कर ही आगे बढ़ा जा सकता है। इसलिए शिक्षा के महत्व को समझते हुए प्रत्येक बच्चे को शिक्षा मुहैया कराना आवश्यक है। पटेल ने कहा कि यह उनका मऊगंज जिले का प्रथम प्रवास है। यहां जनजातीय समुदाय के बड़ी संख्या में लोग निवास कर रहे हैं। उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। श्री पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी को साधुवाद दिया जिनके प्रयासों से देश में सिकल सेल उन्मूलन के लिए 15 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सिकल सेल की जांच की जाकर तथा जनजातीय समाज में जागरुकता फैलाकर इसके उन्मूलन के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निक्षय मित्र योजना से टीबी पीड़ित मरीज को पोषण किट का वितरण किया गया है, जिससे वह नियमित दवाई तथा पौष्टिक आहार लेकर टीबी रोग से मुक्ति पा सकेंगे। राजपाल ने कहा कि उज्वला योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ समाज के गरीब वर्ग के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने शासकीय अधिकारियों कर्मचारियों से आह्वान किया कि जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ दिलाने में कृत संकल्पित रहे।

सिंचित होगी मऊगंज की एक-एक इंच भूमि : इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि राज्यपाल मंगू भाई पटेल देश के ऐसे प्रथम व्यक्ति हैं जिन्होंने सिकल सेल बीमारी की पहचान व उसकी जांच के लिए कार्य प्रारंभ किया। वह इसके उन्मूलन के लिए पूरे मनोयोग से जुटे हुए हैं। उनके मार्गदर्शन से इस अनुवांशिक बीमारी को 2047 तक जड़ से खत्म करने में मदद मिलेगी। श्री मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में करोड़ों आदिवासियों की जिंदगी को बचाने का कार्य देश में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मऊगंज जिले की एक-एक इंच भूमि संचित होगी। नलजल योजना से हर घर को स्वच्छ जल मिलेगा। पीएम आवास का हर पात्र व्यक्ति को लाभ मिलेगा और सभी के समन्वित प्रयास से यह जिला आदर्श जिले के तौर पर स्थापित होगा। सांसद श्री मिश्र ने सलैया आदि सेवा केंद्र तक की सड़क निर्माण के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की।

144 ग्रामों में शासन की योजनाओं का मिलेगा लाभः स्वागत उद्बोधन देते हुए विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने कहा कि मऊगंज जिले के हनुमना विकासखंड में बड़ी संख्या में जनजातीय लोग निवास करते हैं। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना से जोड़कर हनुमना जनपद को आकांविकासखंड बनाया गया है। धरती आबा के 144 ग्रामों में शासन की योजनाओं का लाभ दूरस्थ गांव के लोगों को मिलेगा और वह समाज की मुख्य धारा में जुड़ सकेंगे।

जिला पंचायत सदस्य का किया सम्मान : राज्यपाल ने जिला पंचायत सदस्य उर्मिला सिंह का शॉल व श्रीफल से सम्मान किया। कार्यक्रम में कुलगुरु राजेंद्र कुमार कुड़रिया, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, समाजसेवी डॉ. राजेंद्र मिश्र, सरपंच सलैया इंदरनिया कोल, कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर संजय कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकारगण, हितग्राही व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। राज्यपाल को जिला प्रशासन द्वारा सुपारी से बने गणेश जी तथा बहुती प्रपात का चित्र भेंट किया गया। आभार प्रदर्शन अपर कलेक्टर पीके पाण्डेय ने किया।

'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया

राज्यपाल ने स्थानीय स्तर पर चल रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की और कहा कि विकास की धारा हर घर तक पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। राज्यपाल के आगमन पर कलेक्टर संजय जैन एवं पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके पश्चात जिला पुलिस बल द्वारा राज्यपाल को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

पारम्परिक नृत्य शैला एवं कर्मा से स्वागत

कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल का जनजातीय पारंपरिक नृत्य शैला एवं कर्मा से स्वागत हुआ। भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण व उनके चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर राखी द्विवेदी द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान की राज्यपाल ने भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा कहा कि सभी विद्यालयों में राखी द्वारा वंदे मातरम गीत प्रस्तुतीकरण कराएं ताकि बच्चे इसे कंठस्थ कर सकें।

हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उन्होंने एक बगिया मां के नाम योजना के हितग्राही सुशीला कोल, रामरती आदिवासी, श्यामवती कोल को स्वीकृति आदेश प्रदान किए। उन्होंने श्रीनिवास कोल, मंजू कोल, फुलवसिया कोल, रामकली कोल, निर्मला कोल को प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य विभाग अन्तर्गत अमर सिंह गोड़ व रामदेव कोल को फूड बास्केट, महिला एवं बाल विकास विभाग अन्तर्गत लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के श्रेयांशी व कौशल्या सिंह मरकाम तथा रावेन्द्र पाल, ऋतिका विश्वकर्मा, आरएम विश्वकर्मा व अनुराग दाहिया को सिकल सेल कार्ड एवं श्रम विभाग के तहत अनुग्रह सहायता राशि का लाभ हितग्राहियों को वितरित किया गया। मऊगंज जिले में अभिनव पहल करते हुए वर्षा कोल को जल जीवन मिशन के तहत जल परीक्षण किट प्रदान की गई। इस अवसर पर जनजातीय नायकों मोतीलाल बैगा, सुदर्शन सिंह गोड़ व जगन्नाथ कोल का शॉल व श्रीफल से राज्यपाल ने सम्मान किया।

राज्यपाल का एयरपोर्ट पहुंचने पर हुआ आत्मीय स्वागत

राज्यपाल मंगुभाई पटेल अल्प प्रवास पर रीवा पहुंचे। रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर राज्यपाल पटेल का सांसद जनार्दन मिश्र, कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर प्रतिभा पाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल पटेल इसके बाद मऊगंज के सलैया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए।

ग्रामीणों से किया संवाद

राज्यपाल मंगुभाई पटेल मऊगंज जिले में अपने प्रथम प्रवास के तहत हनुमना विकासखंड अंतर्गत ग्राम सलैया खास पहुंचे। यहाँ उन्होंने ग्रामीणों और शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों व स्थानीयजनों से संवाद कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल श्री पटेल सबसे पहले ग्राम पंचायत सलैया खास के आदि सेवा केंद्र पहुंचे। यहाँ उन्होंने आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बच्चों के पोषण स्तर, स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण की प्रगति के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समर्पण भाव से सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का किया अवलोकन : राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और लोगों दी जा रही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, विद्युत विभाग स्वास्थ्य विभाग, अनुसूचित जनजाति, विभाग, शिक्षा विभाग तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने प्रदर्शनी लगाई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, पोषण अभियान, लाडली बहना, योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की जानकारी दी गई। साथ ही शिशुओं और गर्भवती महिलाओं के लिए आवश्यक पौष्टिक आहार की जानकारी देने के लिए स्टॉल में विभिन्न प्रकार के फल, सब्जियां तथा आहार का प्रदर्शन किया गया। विद्युत विभाग द्वारा सोलर रूफटॉप योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और समाधान योजना की जानकारी हितग्राहियों को दी गई। विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि समाधान योजना के तहत बकाया भुगतान बिजली बिल भुगतान पर प्रथम चरण की समय सीमा 28 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। योजना के तहत 80 प्रतिशत सरचार्ज माफ किया जा रहा है जिसका लाभ उपभोक्ता उठा सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में आयुष्मान योजना और सिकल सेल रोग में काउंसलिंग के महत्व की जानकारी दी गई।

राज्यपाल का काफिला गुजरने से पूर्व सक्रिय हुआ उड़नदस्ता

नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ उड़नदस्ता बुधवार को राज्यपाल का काफिला गुजरने से पूर्व ही अचानक लाडली लक्ष्मी पथ के मोड़ से कॉलेज चौराहा की ओर आने वाले रास्ते के किनारे लगे ठेलों को हटवाने लगा। ठेले वालों ने अपना सामान समेटना शुरू कर दिया, थोड़ी ही देर में यहां से राज्यपाल का काफिला गुजर गया, इसके कुछ देर बाद ही फिर से ठेले यथास्थान लग गए। शहर भर में लगने वाले ठेले, दुकान प्रतिदिन लगते हैं जिन्हें निगम का उड़नदस्ता अमला हटा पाने में नाकारा साबित हो रहा है, कई बार उड़नदस्ते को इन्हीं चाय, नाश्ता ठेलों में जलपान करते भी देखा गया है। जिसके चलते सार्वजनिक स्थानों पर स्थाई, अस्थाई कब्जा करने वाले अतिक्रमणकारियों को हौसला मिलता है और वे कहीं पर भी कब्जा करने से बाज नहीं आ रहा। कहने को तो अतिक्रमण हटाने का जिम्मेदार अमला इन मार्गों से प्रतिदिन गुजरता है किन्तु आज जैसी तत्परता उड़नदस्ते में शामिल अधिकारी, कर्मचारियों में दिखाई नहीं देती।

विशेष कर संग्रहण शिविर में 1.16 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली

निगम टाउन हॉल एवं जोन कार्यालयों में आयोजित किये गये विशेष शिविर

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा पिछले एक माह से कर वसूली के लिए चलाये जा रहे शिविरों की श्रृंखला के बीच बुधवार को निगम टाउन हॉल एवं जोन कार्यालयों में आयोजित किये गये विशेष कर संग्रहण शिविर 1.16 करोड़ रुपये से अधिक का टैक्स वसूल किया गया। यह एक दिवसीय विशेष कर संग्रहण शिविर वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति को देखते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर नगर पालिक निगम रीवा द्वारा निगम टाउन हॉल एवं जोन कार्यालयों में आयोजित किया गया। इस शिविर में संपत्तिकर, जलकर, किराया एवं कालोनी वैधीकरण की राशि को मिलाकर एक करोड़ 16 लाख 69929 रुपये जमा कराये गये। विशेष कर संग्रहण शिविरों के माध्यम से सम्पत्तिकर राशि जोनवार जोन क्र. 01 में 20 लाख 76 हजार, जोन क्र. 02 में 19 लाख 16 हजार, जोन क्र. 03 में 47 लाख वहीं जोन क्र. 04 में 18 लाख 39 हजार सहित कुल 1 करोड़ 5 लाख 31 हजार रु. संग्रहित की गई। इसके अतिरिक्त किराया शाखा से 20 लाख 82 हजार रु. निगम कोष में जमा कराया गया। इसके अलावा जलकर राशि 620729 रु. एवं अवैध कॉलोनियों के वैधीकरण प्रक्रिया के तहत राशि 518200 रु. शिविर में जमा कराई गई। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में स्वयं के निवास का संपत्तिकर जमा करने पर वर्तमान वित्तीय वर्ष में 50 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है, जिसके अंतर्गत नगरवासियों द्वारा शिविर का लाभ उठाकर उक्त राशि जमा कराई गई। गौरतलब है कि वर्तमान में भी शिविर का वार्डवार निरंतर आयोजन किया जा रहा है। साथ ही टैक्स सम्बंधित जानकारी कन्ट्रोल रूम के टोल फ्री नम्बर 18008899711, 07662320150, 07662320329 से प्राप्त की जा सकती है। जिसमें नगरवासियों द्वारा बकाया कर की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी, सम्पत्तिकर एवं अन्य कर जमा किया जा सकेगा, रिकॉर्ड में त्रुटियों का सुधार भी कराया जा सकेगा एवं कर संम्बधी सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण प्राप्त किया जा सकेगा।

डॉ. नीरज कुमार दुबे
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ENT)
कान-नाक एवं गला रोग विशेषज्ञ
माइक्रोस्कोपिक एवं एंडोस्कोपिक ई.एन.टी. सर्जन
परामर्श स्थलः अंशिका मेडिकल्स
सभी प्रकार की दवाइयों के विक्रेता 7089196877
पताः- न्यू बस स्टैण्ड के आगे, फूलमती मन्दिर के पहले, पीटीएस रोड, रीवा (म.प्र.)
कान-नाक एवं गले से संबंधित निम्न बीमारियों के समुचित उपचार के लिए संपर्क करें
- कान के पर्दे में छिद्र एवं कान की हड्डी में गलन एवं कान से मवाद आना (CSOM)
- कान में सीटी बजना या सनसनाहट (Tinitus) कम सुनाई देना एवं चक्कर आना (Vertigo)
- पुरानी सर्दी जुकाम, साइनस की बीमारी (SINUSITIS) ज्यादा, बार-बार छींके आना एवं allergy से नाक बहना। (Allergic Rhinitis)
- नाक की हड्डी का टेढ़ापन (DNS), नाक के अंदर गठान, Polyp Mass etc)
- बच्चों में बार-बार गले का इंफेक्शन एवं मुंह खोलकर सांस लेना, खर्राटें लेना (Tonsillitis, Adenoid Hypertrophy)
- कान-नाक एवं गले से संबंधित अन्य कोई बीमारी या गठान की दूरबीन द्वारा जांचे एवं उपचार
- माइक्रोस्कोप एवं एंडोस्कोप (दूरबीन) द्वारा कान,नाक एवं गले से संबंधित ऑपरेशन, (Tympanoplasty, FESS, Septoplasty, Tonsillectomy etc)

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

बाल अपचारी को आजीवन कारावास

जागरण, रीवा। हत्या के मामले में विधि विरुद्ध बालक को भारतीय दंड विधान की धारा 302 सहपठित धारा 149 के तहत आजीवन कारावास एवं अर्थ दंड से दंडित किया गया है। मामले की पैरवी कर रहे अपरलोक अभियोजक एडवोकेट विकास द्विवेदी ने बताया कि घटना 19 सितंबर 2022 को सामने आई थी। शासकीय स्कूल के पास बैकुंठपुर मे छुट्टी के बाद गोविंद विश्वकर्मा अपने साथियों के साथ स्टेडियम में बैठा था जहां पर विधि विरुद्ध बालक अपने अन्य अभियुक्तों के साथ आकर उसके साथ मोबाइल में स्टेटस लगाने के विवाद को लेकर के चाकू से प्राणघातक हमला किया और हत्या करने की नीयत से मृतक गोविंद को उसके पेट में चाकू मारा। घटना में गोविंद की मौत हो गई थी। बैकुंठपुर पुलिस ने मृतक के चाचा सूर्यभान से पूरी घटना की जानकारी ली। जिसके बाद पुलिस ने मामला पंजीबद्ध किया था।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

गौ मांस बरामद कर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

जागरण, रीवा। मऊगंज पुलिस ने गौ मांस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर गौवंश क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने गौवंश का वध कर उसका मांस बेचने एवं खाने के लिए घटना को अंजाम दिया था। मऊगंज पुलिस ने ने मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक मऊगंज के वार्ड नंबर 13 मोहम्मद शरीफ नामक व्यक्ति के द्वारा गोवंश को घर के अंदर टुकड़ों में काटकर बेचने एवं खाने के लिए रखा गया था। मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस ने रेड कार्रवाई की जिसके बाद मांस के टुकड़ों के साथ पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ई-टेंडर से होगा रीवा की 61 और मऊगंज में 16 शराब दुकानों का आवंटन

शराब ठेकेदारों की मोनोपॉली तोड़ने 17 समूहों में होगा ठेका, 20 प्रतिशत अधिक बोली

5 अरब रुपए से अधिक की आय मिलेगी, भरेगी विभाग की झोली

जागरण,रीवा

प्रदेश की नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत रीवा और मऊगंज जिले की 77 कम्पोजिट शराब दुकानों का आवंटन ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जाएगा। प्रकिया टेंडर के तहत 27 फरवरी से शुरू हो जाएगी। पहले चरण में तीन बैच में यह प्रक्रिया 7 मार्च तक चलेगी। शराब के एकाधिकार को रोकने के लिए इस बार जिले में शराब बिक्री का जिम्मा किसी एक ठेकेदार को सौंपने की जगह अलग-अलग लोगों के लिए दिया जाएगा।

नीलामी राशि में पिछले साल से 20 प्रतिशत वृद्धि

जिले की शराब दुकानों को 4 से 5 के छोटे समूहों में बांटकर नीलामी होगी, जिससे बड़े ठेकेदारों का एकाधिकार टूटेगा और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इस तरह के कुल 17 समूह रीवा और मऊगंज जिले में बनाए गए हैं, जहां पिछली बार रीवा में 355 करोड़ में 61 ठेकों की नीलामी हुई थी व मऊगंज जिले में 16 दुकानें 66 करोड़ में निलाम हुईं थीं, इस बार 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इस बार 426 करोड़ में रीवा जिले की 61 दुकानों व 80 करोड़ में मऊगंज जिले की 16 दुकानों की नीलामी शुरू होगी। इससे शराब की कीमतों में प्रभाव पड़ सकता है। वहीं एकाधिकार समाप्त होने से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे शराब की कीमतों में भी भिन्नता होगी और शासन को भी ज्यादा राजस्व प्राप्त हो सकता है।

27 फरवरी से शुरू होगी बोली

ई-टेंडर एवं ई-ऑक्शन प्रथम बैच में 27 फरवरी से 2 मार्च तक होगा। इसके बाद 3 मार्च से 5 मार्च तक दूसरे बैच और फिर पहले चरण के तीसरे बैच की प्रक्रिया 6 और 7 मार्च को पूरी होगी। आबकारी अधिकारियों की मानें तो मध्यप्रदेश राजपत्र क्रमांक 45 में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार एक साथ टेंडर होने की व्यवस्था समाप्त कर इस बार अलग-अलग समूहों में टेंडर जारी होंगे। आवेदकों को ई-आबकारी पोर्टल पर कांट्रेक्टर मॉड्यूल के तहत पंजीकरण अनिवार्य है। इसके लिए पैन कार्ड, जीएसटी, बैंक खाता विवरण, पहचान पत्र और शपथ-पत्र अपलोड कर आवेदन करना होगा।

इन बातों का रखना होगा ध्यान

इस बार दुकानों के अहाते नहीं खोले जाएंगे। दुकानों के नवीनीकरण का विकल्प समाप्त किया गया है। ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के लिए मदिरा दुकानों का आरक्षित मूल्य, वर्तमान वर्ष के मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि कर निर्धारित किया जाएगा। ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के लिए मदिरा दुकानों के समूह बनाए जाएंगे। अधिकतम 5 दुकानों का एक समूह बनाया जा सकेगा। जिले के समूह को तीन-चार बैच में वर्गीकृत किया जाएगा।

नवीनीकरण बंद, पास में अहाते भी नहीं होंगे

इस बार के प्रमुख प्रावधानों में अब कोई भी नई शराब दुकान नहीं खुलेगी, साथ ही पुरानी दुकानों का नवीनीकरण भी नहीं किया जाएगा। सभी दुकानें राज्य स्तर पर का ई-टेंडर से आवंटन में शामिल हैं। शराब दुकानों के परिसर में अहातों पर पूरी तरह प्रतिबंधित लगाया गया है। सुरक्षा राशि के रूप में केवल ई-बैंक गारंटी मान्य होगी, फिक्स्ड डिपॉजिट स्वीकार नहीं की जाएगी।

पिक एंड ड्रॉप के विवाद में भड़के पूर्व विधायक, धरने पर बैठे

घंटो रेलवे स्टेशन परिसर में चला हंगामा, ठेकेदार पर अवैध वसूली का लगातार लग रहा आरोप

जागरण, रीवा। रेलवे स्टेशन रीवा में वाहन पार्किंग के नाम पर ठेकेदार के गुर्गे अवैध वसूली पर आमादा हैं। ड्रॉप एण्ड गो व पिक एण्ड ड्रॉप करने वाले वाहनों से भी पार्किंग कर्मचारी डंडे की दम पर वसूली कर रहे हैं। पिक एंड ड्रॉप के नाम पर हो रही अवैध वसूली के विरोध में बुधवार की सुबह मऊगंज के पूर्व विधायक व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखेंद्र सिंह बन्ना सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में ही पूर्व विधायक सहित उनके समर्थक धरने पर बैठ गए। विरोध प्रदर्शन देख रेलवे के अधिकारी सक्रिय हुए और इसके बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय रेलवे प्रबंधन ने उच्च अधिकारियों से फोन पर पूर्व विधायक की जबलुपर के अधिकारियों से बात करवाई। बताया गया कि इस दौरान रेलवे अधिकारियों ने आगामी 5 दिनों तक पिक एंड ड्रॉप की वसूली पर पूर्णतः रोक लगा दी है और पांच दिवस के अंदर सही समय का निर्धारण कर नियमों से पिक एंड ड्रॉप की वसूली किए जाने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल से रीवा लौटे थे बन्ना

रेलवे स्टेशन के निजी ठेकेदार द्वारा पिक एंड ड्रॉप के नाम पर अवैध वसूली किए जाने की लगातार शिकायतें सामने आ रहीं थीं। बताया गया कि बुधवार की सुबह भोपाल से रीवा पहुंचे मऊगंज के पूर्व विधायक कांग्रेस नेता सुखेंद्र सिंह बन्ना अपने कार्यकर्ताओं के साथ रेलवे स्टैंड पर धरने पर बैठ गए, तब रेलवे प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद निजी ठेकेदार को आगामी 5 दिनों तक पिक एंड ड्रॉप की वसूली बंद करने के निर्देश दिए हैं। पूर्व विधायक ने बताया कि रेलवे अधिकारियों द्वारा उनकी बात जबलपुर में उच्च अधिकारियों से कराई गई है, जिसके बाद उच्च अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि समय का सही निर्धारण करने के बाद ही यहां वसूली कराई जाएगी। पूर्व विधायक ने कहा कि भोपाल के हबीबगंज स्टेशन में पिक एंड ड्रॉप का 20 मिनट का समय निर्धारित किया गया है, जबकि रीवा में 5 मिनट का समय निर्धारित है, इस पर भी अवैध तरीके से लोगों से वसूली की जा रही है, उन्होंने प्रदेश की राजधानी की तर्ज पर रीवा रेलवे स्टेशन में भी नियमों को लागू करने की मांग की है।

रेलवे कर्मचारी भी कर चुके हैं प्रदर्शन

स्थानीय रेलवे स्टेशन में पार्किंग ठेकेदार की मनमानी से रेलवे स्टेशन आने वाले आम लोग तो परेशान हैं ही, यहां के कर्मचारी भी पिछले दिनों पार्किंग में वसूली को लेकर उग्र प्रदर्शन किए थे, जिसके बाद ठेकेदार को समझाइश दी गई थी। बताया जा रहा है कि पार्किंग ठेकेदार द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से तय राशि से अधिक बाइक और चार पहिया वाहनों से वसूली जा रही है, साथ ही समय सीमा पर भी मनमानी जारी है, बरहाल आम लोग इसके चलते आए दिन परेशान नजर आते हैं।

नशीली टेबलेट के साथ आरोपी गिरफ्तार

रीवा। सेमरिया पुलिस ने नशीली गोली के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पकड़े गए आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है। सेमरिया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को दो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी राहुल सिंह उर्फ शैलेन्द्र सिंह पिता प्रद्युम्न सिंह 32 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 13 शिवपुर्वा सेमरिया थाना सेमरिया व संदीप सिंह उर्फ खेमन सिंह पिता तिलकराज सिंह 30 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 10 कस्बा सेमरिया की तलाशी ली, जिनके कब्जे से 1048 नगर नशीली टेबलेट पुलिस ने जब्त की। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को दी एवं आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

भगवान बजरंगबली की प्रतिमा को असमाजिक तत्वों ने किया खंडित

ग्रामीणों में आक्रोश पुलिस से कार्रवाई की मांग

जागरण, रीवा। त्योंथर तहसील के ग्राम पंचायत पैरा इटहवा गांव में असामाजिक तत्वों द्वारा बजरंगबली की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग की है, जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अज्ञात व्यक्तियों ने हनुमान मंदिर परिसर में स्थापित भगवान हनुमान की प्रतिमा को तोड़ते हुए उसमें लगी आंख को नुकसान पहुंचाया, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामवासी एकत्रित हो गए और विरोध जताते हुए सोहागी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की हरकत से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सैनिकों को राहत, सीएसडी कैंटीन में दो बार हुआ कलेक्शन

काउंटर भी बढ़ाए गए, बिलिंग में भी नहीं होती समस्या

जागरण,रीवा। पूर्व सैनिकों को राहत देने सीएसडी कैंटीन में लगातार विस्तार किया जा रहा है। बीते दिनों नए काउंटर की शुरुआत की गई, जिससे बिलिंग में काफी राहत पूर्व सैनिकों व उनके परिवार जनों को हुई। लंबी कतार का सामना अब नहीं करना पड़ता। कैंटीन प्रभारी कैप्टन प्रदीप सिंह व असिस्टेंट मैनेजर अमित सिंह बघेल पूर्व सैनिकों को राहत देने प्रयासरत हैं। कैंटीन में पहले आओ-पहले पाओं की तर्ज पर प्रवेश दिया जा रहा है। जिसमें किसी प्रकार की कोई रिआयत नहीं दी जा रही। फरवरी माह से दो बार सामान के कलेक्शन की सुविधा भी शुरु कर दी गई है। त्योंहार के पूर्व पूर्व सैनिकों के लिए यह बड़ी सौगात है, अंत में जिन सैनिकों को ग्रोसरी नहीं मिल सकी थी वह त्योंहार के पहले ग्रोसरी ले सकेंगे। अभी तक एक बार ही कलेक्शन किया जाता था जिससे कुछ दिनों में कैंटीन छोटी होने के कारण पूरा ग्रोसरी सहित लिक्वर समाप्त हो जाती थी लेकिन अब दो बार कलेक्शन होने से पूर्व सैनिकों व उनके परिवार जनों को राहत मिलेगी। इस संबंध में कैंटीन मैनेजर प्रदीप सिंह ने बताया कि सामान की निरंतर उपलब्धता को बनाए रखने के लिए फरवरी माह से दो बार कलेक्शन किया गया है। उन्होंने बताया कि हमारे सैनिकों के सुझाव आ रहे हैं उन सुझावों पर हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं। अभी सीएसडी का पूरा स्टाफ अपने निर्धारित कार्यालयीन समय से परे जाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को समान मिले, इसके लिए निरंतर प्रयासरत है। पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर नंबर लगाने के बाद सीएसडी में प्रवेश दिया जा रहा है। भविष्य में और सुविधाएं बढ़ाए जाने के लिए प्रबंधन प्रयासरत है। सैनिकों की मांग को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जा रहा है।

अस्पताल से अचानक लापता हुआ मासूम मिला

जागरण, रीवा। गांधी मेमोरियल अस्पताल में बुधवार को उस वक्त हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई जब ढाई साल का बच्चा अचानक वार्ड से लापता हो गया। घटना के बाद एक ओर जहां मां बेटे की तलाश में इधर-उधर भटक रही थी वहीं दूसरी ओर अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों को मासूम बच्चा अस्पताल के बाहर चौराहे के समीप भटकता हुआ मिल गया, जिसे सुरक्षाकर्मी अस्पताल पुलिस चौकी पहुंचाए। इसके बाद परिजन भी चौकी पहुंच गए और बच्चों को पाकर चैन की सांस ली। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक गांधी मेमोरियल अस्पताल में उत्तर प्रदेश के सोनभद्र निवासी सुनीता नामक महिला अपनी बेटी जूही को उपचार के लिए भर्ती कराई थी। बताया गया है कि सुबह वह बेटी के साथ अपने ढाई वर्षीय बेटे रेवांश को छोड़कर दवा लेने चली गई थी, इस दौरान अचानक बेटा कहीं चला गया। मां जब वापस लौटकर बेटी के पास आई तो देखा कि बेटा गायब है, जिसके बाद उसने बेटे की तलाश शुरू की लेकिन वह नहीं मिला। वहीं अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों ने अस्पताल चौराहे के समीप ढाई वर्षीय मासूम रेवांश को अकेले भटकते हुए पाया , जिसे वह अस्पताल पुलिस चौकी लेकर पहुंचे। इधर बेटे की तलाश में मां भी अस्पताल पुलिस चौकी पहुंच गई जहां मां और बेटे का मिलन हो गया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

कुछ समय के लिए परेशान रहे परिजन

बिना हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट के हजारों दोपहिया-चौपहिया वाहन सड़कों पर दौड़ रहे

जागरण, रीवा। साल 2019 के पूर्व के रजिस्टर्ड वाहनों में हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट अनिवार्य कर दी गई है। लेकिन जिले में अब भी हजारों दोपहिया व चौपहिया वाहन बिना हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट के सड़क पर दौड़ रहे हैं। जिससे अपराध भी बढ़ रहे हैं। पुलिस व परिवहन विभाग को संयुक्त रूप से जांच अभियान चलाने की जरूरत है। गौरतलब है कि एक अप्रैल 2019 के बाद रजिस्टर्ड होने वाले नए वाहनों में परिवहन विभाग हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगा रहा है। इसके पूर्व रजिस्टर्ड वाहनों में हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अनिवार्य की गई है। वाहनों के डीलर्स के माध्यम से पुराने वाहनों में भी हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट लगाने का काम किया जा रहा है। परिवहन विभाग की सख्ती के बाद भी जिले में हजारों वाहन बिना हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट के सडकों पर दौड़ रहे हैं। जिसके चलते सड़क हादसे, अपराध में भी कमी नहीं आ रही है।

परिवहन विभाग और पुलिस को चलाना होगा संयुक्त अभियान

नम्बर प्लेट से यह है फायदा : वाहनों में एचएसआरपी लगाये जाने से वाहन की नम्बर प्लेट में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी और अपराध किये जाने पर रोक लगाने में काफी मदद मिलेगी। वाहन चोरी होने की दशा में उसे ट्रेस करना आसान होगा।

शेयर मार्केट कंपनी में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरोह पकड़ाया

चोरहटा पुलिस ने 31 लाख 36 हजार रुपये के फ्रॉड का किया खुलासा

जागरण, रीवा। शेयर मार्केट कंपनी में निवेश कर लोगों से धोखधड़ी करने वाला गिरोह चोरहटा पुलिस के हाथ लगा है। पैसा निवेश कर करोड़पति बनाने का सब्जबाग दिखाकर आरोपी अपने जाल में फंसाते थे। गुजरात और इंदौर के कुल 9 आरोपी पुलिस के हाथ लगे हैं। साइबर सेल की मदद से चोरहटा पुलिस आरोपियों तक पहुंची, जिसके बाद पूरी घटना का खुलासा किया गया। शेयर मार्केट मे निवेश के नाम पर धोखाधड़ी की शिकायत गत 23 फरवरी को कौशल प्रसाद तिवारी 49 वर्ष निवासी ग्राम बहुरीबांध ने चोरहटा थाना में दर्ज करवाई थी। पीड़ित से आरोपी ने एक शेयर मार्केट कंपनी में निवेश करने का झांसा देकर धोखाधड़ी कर कुल 31 लाख 36 हजार 478 रुपये अलग अलग बैंक खातों एवं नकदी जमा करवा ली थी। पुलिस ने शिकायत के बाद अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। शिकायत पर एक्शन लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में साइबर सेल रीवा एवं थाना चोरहटा की संयुक्त टीम गठित कर रीवा एवं इन्दौर में दबिश देकर कुल 09 आरोपियों को 24 घंटे के अंदर मामले में गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से टाटा नेक्सॉन कार, टीव्हीएस ज्यूपीटर स्कूटी, 51 हजार 300 रुपये नकद, 14 नग मोबाइल फोन व कुल तीन नग नोट गिनने की मशीन जब्त की हैं।

ये आरोपी पकड़ाए

चोरहटा पुलिस ने मामले में आरोपी अशोक भाई पटेल पिता बिट्ठल भाई पटेल 47 वर्ष निवासी कहोडा सिटी युनजा जिला महसाना गुजरात, निकुन्ज भाई ओझा पिता स्व. अशोक भाई ओझा 26 वर्ष निवासी ग्राम सुडिया थाना बडनगर जिला महसाडा गुजरात, प्रवीण भाई पटेल पिता स्व. मफत लाल पटेल उम्र 51 वर्ष निवासी कामली थाना ऊंजा जिला महसाडा गुजरात, विजय कुमार नाई पिता पिथू भाई उम्र 33 वर्ष निवासी गैरिता जिला महसाना गुजरात, निकुल कुमार पिता दशरथ भाई पटेल उम्र 35 वर्ष निवासी गिरिता ओलवाडा गुजरात, प्रीतपाल सिंह धालीवाल पिता हरभजन सिंह धालीवाल उम्र 45 वर्ष निवासी सिख मोहल्ला कोठारी मार्केट के पास इन्दौर, विनोद यादव पिता स्व सुरेश यादव उम्र 35 वर्ष निवासी संगम नगर मकान नंबर 54 थाना एरोड्म इन्दौर मप्र, शुभम कनौजिया पिता अनिल कुमार कनौजिया उम्र 25 वर्ष निवासी 420/3 गोविन्द कॉलोनी इन्दौर मप्र, देवेन्द्र सिंह पिता प्रहलाद सिंह उम्र 27 वर्ष निवासी गोविन्द कालोनी इन्दौर को गिरफ्तार किया है।

टी-20 वर्ल्ड कप... क्रिकेट सटोरिए सक्रिय, पुलिस को भनक तक नहीं

सटोरियों ने ऑनलाइन ऐप के जरिए कारोबार शुरू किया

जागरण,रीवा। टी-20 वर्ल्ड कप शुरू होने के साथ ही शहर में क्रिकेट सट्टा कारोबारी एक बार फिर सक्रिय होने की चर्चा है। सटोरी मैच में चौके-छक्के और हर विकेट पर दांव लगा रहें हैं। क्रिकेट सट्टा कारोबारी और उनके पंटर सट्टे के शौकीनों को बड़े पैमाने पर आईडी बांट रहे हैं। इस ऑनलाइन क्रिकेट बेटिंग ऐप की लिंक/आईडी के माध्यम से सट्टेबाज लाखों रुपए के दांव लगा रहे हैं लेकिन अभी तक पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। बताया जा रहा है कि ऑनलाइन प्लेटफार्म और फर्जी आईडी के जरिए सेशन, फैंसी, ओवर अंडर पर दांव लगा रहे हैं। मैच के शुरू होते ही रेट बदलते हैं और पंटर मोबाइल पर मैसेज के जरिए ग्राहकों को अपडेट देते हैं। शहर के कई युवा क्रिकेट सट्टे से कम समय में लाखों रुपए कमाने के लालच में हर मैच में बड़ी रकम गंवा रहे हैं। सटोरियों पर कार्रवाई न होना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है।

ऐसे चल रहा बैटिंग नेटवर्क

ऑनलाइन बैटिंग नेटवर्क मोबाइल ऐप के जरिए संचालित किया जा रहा है। उक्त ऐप की लिंक सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से सटोरियों को दी जाती है। सट्टे के शौकीन यूजर आईडी और पासवर्ड से मैच में दांव लगा सकते हैं। ऐप के माध्यम से खिलाड़ी हर गेंद, ओवर, चौक, छक्के, मैच के स्कोर पर लाखों रुपए लगा सकते हैं।

शहर के पुराने चेहरे हुए एक्टिव : क्रिकेट सीजन शुरु होते ही सट्टा-पट्टी, जुआ समेत अवैध कारोबार में सक्रिय बदमाश शहर में एक बार फिर एक्टिव हो गए हैं। इन कारोबारियों ने अपने पंटरों को आईडी और पासवर्ड दे रखा है, जिसका कंट्रोल बड़े कारोबारियों के पास होता है। खिलाड़ी ऐप में रकम जमा कर दांव लगा रहे हैं।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

सबसे सुरक्षित सफर अब जोखिम भरा क्यों?

विमान हादसों और तकनीकी खामियों का बढ़ता सिलसिला चिंताजनक है। सुरक्षा में कोताही और मशीनी खराबी हवाई सफर को जोखिम भरा बना रही है। हाल ही में झारखंड में चतरा जिले के कर्माटांड जंगल में सोमवार शाम एक चार्टर्ड एयर एंबुलेंस के हादसे का शिकार होने और उसमें सभी सात लोगों की मौत ने एक बार फिर इस सवाल को गहरा किया है कि क्या दिनोंदिन विमान सेवाएं असुरक्षित होती जा रही हैं।

गौरतलब है कि एक मरीज और उनके परिजनों को दिल्ली ले जा रही एयर एंबुलेंस मौसम खराब होने की वजह से मार्ग बदलने की कोशिश कर रही थी। मगर थोड़ी देर बाद यह विमान रडार से गायब हो गया और कुछ समय बाद उसका मलबा घने जंगल में मिला। यह हादसा पिछले कुछ समय से लगातार सामने आ रही वैसी घटनाओं की एक कड़ी है, जिनसे विमान यात्रा के पूरी तरह सुरक्षित होने की धारणा कमजोर होती है। झारखंड में हुए हादसे के अगले ही दिन मंगलवार को दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान को अचानक आई तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारना पड़ा।

इसके अलावा, सरकारी कंपनी पवन हंस के एक हेलिकाप्टर को अंडमान क्षेत्र में उड़ान के दौरान तकनीकी कारणों से समुद्र में आपात अवस्था में उतारना पड़ा। गनीमत रही कि इसमें सवार सभी सात लोगों को बचा लिया गया। दो दिन के भीतर होने वाली ये घटनाएं बताती हैं कि हाल के वर्षों में यात्रा के एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही विमान सेवा अब कई स्तर पर जोखिम से गुजर रही है। जबकि विमान यात्रा को सबसे आने-जाने का सबसे सुरक्षित जरिया माना जाता रहा है। आखिर क्या वजह है कि पिछले कुछ समय से लगातार विमानों के हादसे का शिकार होने से लेकर उड़ान के बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारने की घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है? विमान सेवाओं के मामले में एक आम स्थिति यह है कि समय-समय पर तकनीकी स्तर पर हर पहलू से उच्च स्तरीय जांच होती है और हर कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही उसे उड़ान के लिए तैयार माना जाता है।

हर उड़ान के पहले सुरक्षा जांच की एक सघन प्रक्रिया पूरी की जाती है, ताकि बीच रास्ते में कोई अड़चन न आए। मगर हाल के समय में कई विमानों की उड़ान के बाद रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने पर वापस उतारने की घटनाओं यह बताती हैं कि या तो तकनीकी स्तर पर उसमें कोई खराबी थी या फिर सुरक्षा जांच में किसी स्तर पर कमी की गई। इसी महीने के शुरू में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि भारतीय विमान सेवा के जिन विमानों की तकनीकी की जांच हुई, उनमें से लगभग आधे में बार-बार खराबी पाई गई।

इस क्रम में पिछले वर्ष जनवरी से छह बड़ी एयरलाइंस के 754 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 377 में बार-बार खामी आने की बात सामने आई। सवाल है कि इन विमानों में जो गड़बड़ियां पाई गईं, वे कितनी संवेदनशील थीं और उनसे पैदा होने वाले जोखिम का स्तर क्या था। अगर किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज करके या उसे सुरक्षा से संबंधित नहीं मान कर उड़ान की इजाजत दी जाती है, तो अक्सर ऐसी घटनाएं क्यों सामने आ रही हैं कि किसी तकनीकी खराबी की वजह से विमान को बीच सफर से आपात स्थिति में वापस उतारा गया?

विमान यात्रा को सबसे सुरक्षित जरूर माना जाता है, लेकिन इसकी सुरक्षा से जुड़े हर पहलू बेहद संवेदनशील भी होते हैं। इसमें किसी भी स्तर पर अनदेखी, कोताही या खराबी की आशंका के बावजूद उड़ान की इजाजत देने के गंभीर और त्रासद नतीजे सामने आ सकते हैं।

एआई नवाचार

हम डिजिटल उपनिवेशीकरण के मूक दर्शक नहीं बने रह सकते

एआई के लिए सही नियमों की जरूरत

डा. अश्विनी महाजन

रोजगार एआई का एक बड़ा शिकार है, और सभी क्षेत्रों में नौकरियों का सफाया एक सच्चाई बन चुकी है। मीडिया, मनोरंजन, कॉल सेंटर और यहां तक कि सॉफ्टवेयर क्षेत्र भी एआई का असर झेलने लगा है। बड़ी फैक्ट्रियां एआई समर्थित कंप्यूटर प्रोग्रामों की मदद से सामान बनाती हैं, जिससे भारी बेरोजगारी हो रही है।

हाल में दिल्ली में एआई इम्पैक्ट सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पूरी दुनिया एआई के असर से हिल गई है। इस मुद्दे पर बहुत मंथन हो रहा है, क्योंकि एक तरफ एआई जिंदगी को आसान बना रहा है, फैसले लेने की रफ्तार तेज कर रहा है, बिजनेस विश्लेषण को ज्यादा सटीक बना रहा है, मेडिकल डायग्नोसिस को बेहतर और किफायती बना रहा है, ज्यादा डिजिटल उत्पाद बनाना मुमकिन बना रहा है, एक नई इकॉनमी को बढ़ावा दे रहा है, जिसे आम तौर पर 'अटेंशन इकॉनमी' कहा जाता है, वहीं हमारी आबादी पर भारी बेरोजगारी का खतरा मंडरा रहा है, जो पहले से ही हमारे युवाओं के लिए रोजगार के मौकों की कमी से जूझ रही है। जबकि, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले औद्योगिक क्रांति जैसे प्रौद्योगिकीय बदलाव को नजरअंदाज नहीं कर सकता, लेकिन एआई टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर कुछ बड़ी कंपनियों के पास होने के साथ, डेटा, जो इन एआई बड़ी कंपनियों को मजबूत बना रहा है, वह सब हमारे जैसे विकासशील देशों से मिल रहा है। ऐसे में हम डिजिटल उपनिवेशीकरण के मूक दर्शक बने नहीं रह सकते। हालांकि एआई टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का नियंत्रण बना हुआ है, भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के निर्माण और बड़े पैमाने पर पहचान-प्रमाणीकरण में एआई/डेटा तकनीकों के उपयोग में विश्व स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाई है। जैम ट्रिनिटी, यानी जन धन बैंक अकाउंट, आधार और मोबाइल बैंकिंग की मदद से, सरकार कल्याणकारी योजनाओं, जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), गरीबों के लिए घर और कई दूसरी योजनाओं को बनाने और लागू करने में मदद कर रही है, और भ्रष्टाचार को लगभग खत्म करने और सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने में सफल रही है। हमें नए कानून भी मिले हैं, जैसे विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण), विकसित भारत-जी राम जी एक्ट 2025, जो एआई इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सरकारी योजना में भ्रष्टाचार कम करने में मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में एआई एक्सरे, स्कैन और रिपोर्ट के

विश्लेषण में तेजी से मदद कर रहा है। जानलेवा बीमारियों का जल्दी पता लगाना और उनका अनुमान लगाना भी एआई की वजह से मुमकिन हुआ है। हम एआई समर्थित ऐप्स का इस्तेमाल करके अपनी रोजाना की शारीरिक गतिविधि को चला सकते हैं, जिसमें चलना, रक्तचाप और डायबिटीज की निगरानी वगैरह शामिल हैं।

बेरोजगारी और असमानता

रोजगार एआई का एक बड़ा शिकार है, और सभी क्षेत्रों में नौकरियों का सफाया एक सच्चाई बन चुकी है। मीडिया, मनोरंजन, कॉल सेंटर और यहां तक कि सॉफ्टवेयर क्षेत्र भी एआई का असर झेलने लगा है। बड़ी फैक्ट्रियां एआई समर्थित कंप्यूटर प्रोग्रामों की मदद से सामान बनाती हैं, जिससे भारी बेरोजगारी हो रही है। एआई ने लोगों या बिजनेस का काम करने वाले निजी सहायक की भी जगह लेना शुरू कर दिया है। इससे समाज में यह डर पैदा हो रहा है कि भविष्य में और भी बड़ी नौकरियां जा सकती हैं। भारत सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में बताया गया है कि भारत के आकार और प्रति व्यक्ति आय उसके मुकाबले कम होने की वजह से, भारतीय श्रम बाजार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का असर ज्यादा होगा। इसमें चेतावनी दी गई है कि कंपनियों द्वारा एआई को बिना सोचे-समझे अपनाने से सभी की हालत खराब हो जाएगी और देश की ग्रोथ क्षमता को नुकसान होगा। सर्वेक्षण में कहा गया है, 'सरकार को श्रम के उपयोग को टेक्नोलॉजी से बदलने से होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगाना होगा।' ताकि एआई से उत्पादकता बढ़े और ज्यादा से ज्यादा फैले। इसलिए, नई टेक्नोलॉजी को बिना सोचे-समझे नहीं अपनाना चाहिए।

इस स्थिति में एआई का इस्तेमाल सबसे जिम्मेदार तरीके से करने और एआई के लिए सही विनियमन करने की जरूरत है। चूंकि स्वामित्व की दृष्टि से एआई पर अमरीका और चीन का दबदबा है, इसलिए ज्यादातर उपयोगकर्ता तो भारत समेत विकासशील देश हैं, साथ ही वे इन एआई प्लेटफॉर्म द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे डेटा का स्रोत भी हैं। हमारे जैसे देश, विदेशी मालिकाना हक वाले एआई प्लेटफॉर्म पर निर्भर बने हुए हैं।

हम पॉलिसी बनाने में बड़ी टेक कंपनियों का बेजा असर भी देखते हैं। लेकिन एआई की अहमियत को देखते हुए, इसे रोका नहीं जा सकता या रोका नहीं जाना चाहिए, लेकिन इसके विनियमन की अहमियत को नकारा नहीं जा सकता। हमें इस टेक्नोलॉजी को समझदारी से बढ़ावा देने की जरूरत है। एक तरफ एआई मौजूदा नौकरियों में बेरोजगारी पैदा कर सकता है, वहीं इसके फायदे और बोझ भी बराबर नहीं बंटते। एआई मौजूदा गैर-बराबरी को भी बढ़ा सकता है, अमीर और गरीब, कुशल और अकुशल, बड़ी कंपनियां और छोटे खिलाड़ी, और विकसित एवं विकासशील देशों के बीच, और नई गैर-बराबरी भी पैदा कर सकता है।

किसे हो रहा है फायदा

गूगल और दूसरी बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां, जो ज्यादातर अमरीका और चीन की हैं, एआई के लिए जरूरी ज्यादातर डेटा को नियंत्रित करती हैं। ओपनएआई के पीछे, जिसके पास चैटजीपीटी, जीपीटी मॉडल जैसे प्लेटफॉर्म हैं, डाल -ई माइक्रोसॉफ्ट का है। जेमिनी (पहले बार्ड) का मालिकाना हक गूगल के पास है, माइक्रोसॉफ्ट के पास कॉपिलॉट, अजुरे एआई है, जो ओपनएआई के साथ साझेदारी में है। मेटा (फेसबुक) के पास लामा (ओपन-वेट मॉडल), सोशल मीडिया और एडवरटाइजिंग के लिए एआई है। आमेजन के पास एडबल्यूएस, बेडरॉक, एंथ्रोपिक पार्टनरशिप का मालिकाना हक है। चीन के बैदू के पास अर्नी बॉट जैसे प्लेटफॉर्म हैं। कई और बड़े प्लेटफॉर्म हैं जिनके मालिकाना हक फिर से अमरीका और चीन की बड़ी कंपनियों के पास हैं। ऐसी स्थिति छोटे प्लेयर्स के लिए एंट्री में बड़ी रुकावटें पैदा करती है।

नीति निर्माताओं के सामने चुनौती यह है कि एआई कैसे समानता के साथ मानवता की सेवा कर सकता है। इसके लिए देश में एक मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) की आवश्यकता है, जिसके माध्यम से आम लोगों के लिए, समानता के आधार पर एआई तकनीकों का विकास और उपयोग सुगम बनाया जा सके। डेटा के निर्बाध प्रवाह को सुगम बनाने के लिए, हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, एआई विकास की पहली पूर्व शर्त है। अच्छी खबर यह है कि संचार क्रांति के कारण, भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल नेटवर्क है। स्वदेशी 4-जी नेटवर्क लगभग पूरे देश में विस्तारित किया गया है और देश ने अपना स्वदेशी 5-जीआई नेटवर्क भी विकसित कर लिया है। भारत को सबसे सस्ते डेटा की भूमि होने का गौरव भी प्राप्त है।

खुला मंच

महाभारत से नये भारत तक के श्वान

आलोक पुराणिक

हमें प्यार करने के लिए भी एक ऐसा प्राणी चाहिए, जिसकी बैटरी खत्म हो जाए तो हम उसे प्लग में लगा दें। महाभारत में युधिष्ठिर के कुत्ते का जिक्र आता है। यह कुत्ता परम वफादार कुत्ता था और युधिष्ठिर ने उसके बिना स्वर्ग में दाखिल होने से इनकार कर दिया था। युधिष्ठिर के कुत्ते की प्रसिद्धि अब तक है। विकट प्रसिद्धि एक कुत्ते को भी मिली, हाल में दिल्ली में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन में। रोबोट टाइप यह कुत्ता बहुत चर्चित हुआ, इसके मूल पर सवाल हुआ कि यह चीन का है या देसी है। कुत्तों का विभाजन इस आधार पर होता रहा है कि यह बुलडॉग है या शेफर्ड है। पर एआई कुत्ता, चाईनीज कुत्ता, इस तरह के विभाजन अब सामने आ रहे हैं।

कुत्तों की किस्मत का पहिया निश्चित रूप से गोल घूम चुका है। इतिहास गवाह है कि जब पांडव स्वर्ग की चढ़ाई चढ़ रहे थे, तो एक-एक करके सब साथ छोड़ गए। बचा तो सिर्फ एक कुत्ता। वह कुत्ता, जो युधिष्ठिर के साथ स्वर्ग के दरवाजे तक गया। जब इंद्र ने कहा कि 'महाराज, आप तो आ जाइए, पर इस पूंछ हिलाते प्राणी को बाहर छोड़िए', तब युधिष्ठिर अड़ गये कि कुत्ते के साथ ही जाऊंगा। पुराना वक्त था, इंसान कुत्ते के प्रति भी वफादारी निभाता था।

आजकल तो कुत्तों की नस्ल से इंसान की औकात नापी जाती है। कुत्तों की कीमत से उनके मालिकों की हैसियत का आकलन होता है। युधिष्ठिर के कुत्ते की परीक्षा स्वर्ग के द्वार पर हुई थी। आज का एआई कुत्ता हमारी 'इंटेलिजेंस' की परीक्षा ले रहा है। जो कुत्ता पहले रोटी के टुकड़े के लिए पूंछ हिलाता था, वह अब 'प्रोसेसर' की गर्मी से पूंछ हिला रहा है। पुराना कुत्ता अटेंशन चाहता था एआई कुत्ते की ऐसी कोई जरूरत नहीं है, न वह भाव लेता न भाव देता। राजनीति के चश्मे से देखें, तो 'कुत्ता' शब्द एक गाली भी है और एक अलंकार भी। जब कोई नेता अपनी पार्टी बदलता है, तो लोग उसे 'वफादार' नहीं कहते, बल्कि दूसरे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। आजकल की राजनीति में अब 'श्वान-नीति' भी आ गई है। युधिष्ठिर का कुत्ता धर्म का प्रतीक था, और आज के 'सिस्टम' का कुत्ता वह है जो सत्ता की थाली के पास बैठा रहता है।

हमें कुत्ता चाहिए, पर उसकी गंदगी नहीं चाहिए। हमें वफादारी चाहिए, पर उसकी जिम्मेदारी नहीं चाहिए। इसीलिए हमने एआई कुत्ता बनाया। युधिष्ठिर का कुत्ता इसलिए महान था क्योंकि वह 'मौन' रहकर भी सत्य के साथ खड़ा था। तारीफ की बात तो यह है कि कुत्ता तो कुत्ता ही रहा, इंसान बदल गया।

प्रसंगवश

आतंकवाद की स्पष्ट परिभाषा बताना जरूरी

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफनाक हैं। यह हमारी सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें।

बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है-'प्रहार।' अर्थात् प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टु एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी 'आतंकवाद' माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष सम्प्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है। दरअसल ये शब्द सरकार की तरफ से असंख्य बार बोले जा चुके हैं। खासतौर पर आतंकी हमले के बाद ऐसे वक्तव्य सामने आते रहे हैं। बुनियादी और मौजू सवाल, 'प्रहार' की घोषणा के बावजूद, यह है कि आतंकवाद की परिभाषा क्या है? संयुक्त राष्ट्र भी आज तक यह परिभाषा स्पष्ट नहीं कर सका है। यदि भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है, तो आतंकवाद की परिभाषा भी स्पष्टतः बतानी चाहिए, क्योंकि देश को एक निश्चित 'सुरक्षा सिद्धांत' की जरूरत है। परिभाषा के अभाव में 'प्रहार' महज एक नीतिगत वक्तव्य से अधिक कुछ नहीं लगता। सवाल राष्ट्रीय नीति और उसकी स्वीकार्यता का है। देशवासी जानना चाहेंगे कि आतंकवाद का खतरा बाहर और भीतर से कितना है और सरकारी एजेंसियां किस तरह इन खतरों से निपट रही हैं?

पर्यावरण नीति

कानून बनाने की हिम्मत तो है, मगर उन्हें लागू करने का साहस नहीं

अंतरराष्ट्रीय दबाव में लिए जा रहे पर्यावरणीय फैसले

कुमार सिद्धार्थ

आज की दुनिया ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां जलवायु संकट मानव सभ्यता के भविष्य को तय करने वाला बड़ा प्रश्न बन चुका है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कोयला, तेल और गैस पर हमारी निर्भरता जल्द कम नहीं हुई तो धरती का तापमान ऐसे स्तर तक पहुँच जाएगा, जहाँ जीवन की वर्तमान संरचनाएँ टिक नहीं पाएँगी। इसके बावजूद वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा आज भी जीवाश्म ईंधनों के इर्द-गिर्द घूम रहा है। इस पूरी व्यवस्था की भयावह बात यह है कि जब कोई सरकार पर्यावरण और जनता के हित में कदम उठाने की कोशिश करती है, तो उसे 'न्याय' के नाम पर दंडित किया जाता है।

पिछले कुछ दशकों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश समझौतों के ज़रिये एक ऐसा कानूनी ढांचा खड़ा किया गया है, जिसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ सरकारों पर मुकदमा कर सकती हैं। इसे 'निवेशक-राज्य विवाद निपटान प्रणाली' (आईएसडीएस) कहा जाता है। इसके तहत यदि कोई सरकार पर्यावरण, स्वास्थ्य या सामाजिक हित में ऐसा निर्णय लेती है, जिससे किसी कंपनी के मुनाफे पर असर पड़ता है, तो वह कंपनी सरकार से न केवल अपने निवेश की भरपाई, बल्कि 'संभावित भविष्य के मुनाफे' का भी दावा कर सकती है। ये मुकदमे सामान्य अदालतों में नहीं, बल्कि गुप्त ट्रिब्यूनलों में चलते हैं, जहाँ न पारदर्शिता होती है, न जनता की भागीदारी और न ही लोकतांत्रिक जवाबदेही।

यह व्यवस्था अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक गहरा खतरा है। सरकारें जनता द्वारा चुनी जाती हैं, ताकि वे जनता और पर्यावरण के हित में फैसले लें। लेकिन आईएसडीएस जैसे प्रावधानों के कारण वही सरकारें कंपनियों के डर से पीछे हटने लगती हैं। आईएसडीएस की मार सबसे पहले उन देशों पर पड़ी

है, जिन्होंने पर्यावरण और जनता के हित में साहसिक फैसले लिए। जर्मनी ने जब परमाणु ऊर्जा से बाहर निकलने का निर्णय किया तो ऊर्जा कंपनी वाटनफॉल ने उस पर अरबों यूरो का दावा ठोक दिया। पाकिस्तान ने एक खनन परियोजना को पर्यावरणीय कारणों से रोका तो उस पर छह अरब डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाया गया, जो उसके पूरे शिक्षा और स्वास्थ्य बजट से भी ज्यादा था। स्लोवेनिया में एक ब्रिटिश कंपनी को केवल यह कहने पर कि फ्रैकिंग से पहले पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन ज़रूरी है, सरकार पर 120 मिलियन यूरो का मुकदमा कर दिया गया और अंततः सरकार को झुकना पड़ा। कोलंबिया में आदिवासी समुदायों के संघर्ष से एक कोयला खदान परियोजना रुकी, लेकिन कंपनियों ने ब्रिटेन-कोलंबिया संधि के तहत सरकार से मुआवज़ा वसूल लिया।

इन उदाहरणों का खतरनाक असर यह है कि सरकारें पर्यावरण बचाने से पहले अब यह सोचने लगती हैं कि कहीं उन्हें अंतरराष्ट्रीय अदालतों में अरबों डॉलर का हर्जाना न भरना पड़ जाए। इसे 'रेगुलेटरी चिल' कहा जाता है, यानी कानून बनाने की हिम्मत तो रहती है, मगर उन्हें लागू करने का साहस नहीं बचता। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री जोसेफ स्टिग्लिट्ज़ ने इस व्यवस्था को 'कानूनी आतंकवाद' निरूपित किया है, क्योंकि यह सरकारों को डराकर लोकतांत्रिक फैसलों को पलटने का हथियार बन चुका है।

अब सवाल यह है कि भारत इस पूरी तस्वीर में कहाँ खड़ा है? क्या हम खुद को इस खतरे से सुरक्षित मान सकते हैं? शायद नहीं। भारत आज तेज़ी से वैश्विक पूंजी और निवेश के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। कोयला खनन, तटीय औद्योगिक परियोजनाएँ, परमाणु संयंत्र, बड़े बाँध, तेल और गैस की खोज ये सभी क्षेत्र पहले से ही पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। यदि भविष्य में भारत ऐसे निवेश समझौतों का हिस्सा बनता है, जिनमें आईएसडीएस जैसे प्रावधान होंगे, तो हमारी सरकारों पर भी वही दबाव आएगा, जो आज कई अन्य देशों पर है।

भारत में पर्यावरणीय मंज़ूरी की प्रक्रियाओं को 'विकास में बाधा' बताकर कमजोर किया जा रहा है। कई बार परियोजनाओं को तेजी से मंज़ूरी देने के लिए नियमों में ढील दी जाती है, जनसुनवाई को औपचारिकता बना दिया जाता है और स्थानीय लोगों की आपत्तियों को अनदेखा कर दिया जाता है। यदि इसके ऊपर अंतराष्ट्रीय मुकदमों का डर भी जुड़ गया, तो पर्यावरण संरक्षण लगभग असंभव हो जाएगा। तब सरकारें जनता और प्रकृति के नहीं, बल्कि निवेशकों और कंपनियों के प्रति जवाबदेह होंगी।

भारत जैसे देश के लिए यह विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यहाँ विकास की कीमत पहले गरीब, आदिवासी और हाशिए पर पड़े समुदाय चुकाते हैं। जंगलों से विस्थापन, खनन से प्रदूषण, नदियों के सूखने और ज़मीन के बंजर होने से उनकी आजीविका छिन जाती है।

यदि सरकारें अंतराष्ट्रीय दबाव में आकर पर्यावरणीय फैसलों से पीछे हटने लगेंगी, तो इन समुदायों के अधिकार पूरी तरह कुचल दिए जाएँगे।

एक तरफ़ कहा जाता है कि दुनिया को जलवायु संकट से बचाना है, दूसरी तरफ़ उन कंपनियों को कानूनी और राजनीतिक संरक्षण दिया जाता है जिनका अस्तित्व ही इस संकट को गहराने पर टिका है।

भारत को इस पूरे परिदृश्य से गंभीर सबक लेना चाहिए। हमें ऐसे किसी भी अंतराष्ट्रीय समझौते से सावधान रहना होगा जो हमारी लोकतांत्रिक संप्रभुता और पर्यावरण संरक्षण की क्षमता को कमजोर करता हो।

भारत को अंतराष्ट्रीय मंचों पर यह संदेश देना चाहिए कि जलवायु कार्रवाई को 'निवेशकों के अधिकार' के नाम पर कुचला नहीं जा सकता। पर्यावरण रक्षा कोई आर्थिक बाधा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि सरकारें डर और दबाव में आकर सही फैसले नहीं ले पाएँगी, तो लोकतंत्र केवल एक खोखला ढांचा बनकर रह जाएगा। भारत जैसे देशों के लिए यह समय चेतना का है। विकास का अर्थ केवल जीडीपी बढ़ना नहीं, बल्कि जीवन, पर्यावरण और लोकतंत्र की रक्षा करना भी है।

जीवन दर्शन

मन के खालीपन को आध्यात्मिकता से भरें

अक्सर ऐसा होता है कि इंसान के पास सबकुछ होता है लेकिन फिर भी उनके जीवन में खालीपन होता है। खालीपन के कारण व्यक्ति न केवल नकारात्मक विचारों में उलझे रहते हैं, बल्कि उनके अन्दर

यह खाली या सूनापन फिर ना तो रिश्ते भर पाते हैं ना ही भौतिक सुख। यह अनुभव केवल भौतिक कमी से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक असंतुलन से जुड़ा होता है।

जीवन का खालीपन कोई स्थायी स्थिति नहीं, बल्कि आत्मा का संकेत है कि उसे सच्चे मार्ग की तलाश है। जब हम आत्मा और परमात्मा के संबंध को समझते हैं, तो अंदर का खालीपन धीरे-धीरे भरने लगता है। जब हम इस संसार के भौतिक सुखों में उलझे होते हैं, तो हमें लगता है कि इस संसार में हमारे लिए बहुत कुछ होता है। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि सबकुछ होते हुए भी हमारे अन्दर खालीपन होता है। ऐसे में कुछ लोग नकारात्मक विचारधारा के शिकार हो जाते हैं। आध्यात्मिक गुरुओं का मानना है कि अगर इस खालीपन को सकारात्मक दिशा दी जाए, तो आपके भीतर शून्यता को बाहर निकालकर उसमें आध्यात्मिक रोशनी भरी जा सकती है।

हम अक्सर रिश्तों, काम, धन और मोह में उलझे रहते हैं और अपने आत्मा के पोषण पर ध्यान नहीं देते। ऐसी स्थिति में लोग अपने भीतर के ईश्वर से जुड़ाव को भूल जाते हैं। यह खालीपन तब तक बना रहता है जब तक हम अपने जीवन को किसी उच्च उद्देश्य से नहीं जोड़ते।

खालीपन को आध्यात्मिक दिशा कैसे दें? जिंदगी में खालीपन महसूस होना कोई दुर्लभ बात नहीं है। यह अस्थिर रिश्तों, मोह, स्वार्थ और बाहरी उम्मीदों का परिणाम है। लेकिन जीवन का खालीपन कोई स्थायी स्थिति नहीं, बल्कि आत्मा का संकेत है कि उसे सच्चे मार्ग की तलाश है। आध्यात्मिक गुरुओं के अनुसार, असली सुख भीतर है, बाहर नहीं। लोग अपने जीवन को केवल भौतिक उपलब्धियों से जोड़ते हैं लेकिन जब वे खुद को ईश्वर या गुरु से जुड़ते हैं, तो उन्हें समझ आता है कि असली पूर्णता भीतर है। भक्ति, ध्यान और सत्संग से आत्मा को पोषण मिलता है और जीवन में अर्थ आता है। अध्यात्म उन्हें जीवन का सच समझने में मदद करता है कि सभी रिश्ते, शरीर, धन और सुख सब अस्थायी हैं। मृत्यु के समय कोई भी हमारे साथ स्थायी रूप से नहीं रहेगा। इसलिए, केवल ईश्वर ही सच्चे रूप में अपना है क्योंकि वही जीवन का शाश्वत आधार है। जब हम बाहरी संबंधों और वस्तुओं में अपनापन ढूंढते हैं, तो हम भ्रम में रहते हैं। लेकिन जब हम आत्मा और परमात्मा के संबंध को समझते हैं, तो अंदर का खालीपन धीरे-धीरे भरने लगता है। गुरुओं के अनुसार, आत्म-विश्लेषण, सत्संग, नाम जप, भक्ति और मनन, इन सबका अभ्यास व्यक्ति को अपने भीतर की शून्यता से बाहर निकाल सकता है। जब हम अपने मन की भावनाओं को ईश्वर-भक्ति, आत्म-जागरूकता और सत्य के साथ संतुलित करते हैं, तब ही असली सुख और शांति मिलती है।

चंदा कुमारी

॥ गीता ज्ञान ॥

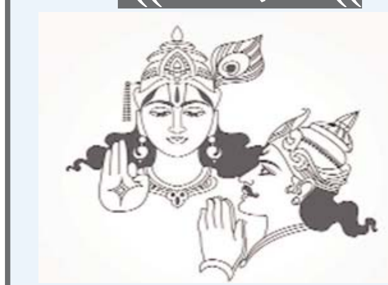

श्लोक

मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु।
मामेवैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायणः॥

भावार्थ

श्री कृष्ण कहते हैं- मुझे मन से स्मरण करो, मेरे भक्त बनो, मेरी पूजा करो और मुझे प्रणाम करो। इस प्रकार आत्मा को मुझमें समर्पित करके तुम निश्चित रूप से मुझमें ही आओगे।

युवा संगम कार्यक्रम में उमड़ी बेरोजगारों की भीड़

775 युवाओं ने किया आवेदन, 484 को मिला रोजगार

34 कंपनियों ने किया साक्षात्कार, दिए ज्वाइनिंग लेटर

जागरण,रीवा

युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का प्रतिमाह आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में टी.आर.एस. कॉलेज में वृहद रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले में 775 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 34 कंपनियों ने 484 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में विन्ध्या टेलीलिंक लिमिटेड चोरहटा रीवा में 7, आमधनी आपोलो टायर्स लि. बड़ोदरा गुजरात में 17, बजाज ऑटो लिमि. चाकन/औरंगाबाद में 16, डार्लिंग पम्प प्रा. लि. इंदौर में 6, डी एण्ड एच सेचरान इंदौर में 7, आयशर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार इंदौर में 9, एससीएन ग्लोबल प्रा. लि. दिल्ली में 30, साईं कॉल नेट प्रा. लि. नोयडा उत्तरप्रदेश में 3, टाटा मोटर ऑटो मोबाइल कंपनी अहमदाबाद गुजरात में 15, मर्दसन ऑटोमोटिव लाईटिंग प्रा. लि. गुजरात में 28, भगवती प्रोडक्टस लि. गुडगांव में 2, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा में 24, सीआईआई-एमसीसी गुजरात में 7, महेन्द्रा एण्ड महेंद्रा प्रा. लि. पुणे महाराष्ट्र में 10, खन्ना पॉलीविअर प्रा.लि. रीवा में 33, ओएसआरएम टेक पैक प्रा.लि. चोरहटा रीवा में 5, केन्द्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सिपेट) भोपाल में 5, भारतीय जीवन बीमा निगम रीवा में 2, जैबिल सर्किट इंडिया लि. रंजनगांव में 4, रायकैम ऑटो प्रा.लि. अहमदाबाद गुजरात में 9, ऑटोलाइन प्रा. लि. अहमदाबाद गुजरात में 5, बजाज लाइफ इश्योरेन्स लिमिटेड रीवा में 33, सिटी कार प्रा. लि. सतना में 28, पीजी इलेक्ट्रो प्लांट इंडिया लि. पुणे में 17, एनआरबी वायरिंग लि. महाराष्ट्र में 3, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा में 30, बिरला केबिल प्रा. लि. रीवा में 8, जे.के. टायर्स, मुरैना में 13, वीई कमर्शियल व्हीकल्स वोल्वो ग्रुप प्रा.लि. देवास में 7, उन्नति एग्रोटेक रामवन सज्जनपुर सतना में 17, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा में 9, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लि. रीवा में 28, प्राकृतशील बॉयोटेक प्रा.लि. सवेरा होटल के पास सतना में 27 तथा अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़ में 20 युवाओं का चयन किया गया।

रोजगार मेले के सफल आयोजन में जिला रोजगार कार्यालय, टीआरएस कॉलेज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मिष्ठान भंडार की हालत देख अधिकारियों के उड़े होश

अनहाइजीनिक परिस्थितियों में बन रही थी मिठाई और नाश्ता

खाद्य विभाग की टीम ने कई जगहों पर की छापेमार कार्यवाही, लिए गए सैंपल

जागरण,रीवा। मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा होली के त्योहार के दृष्टिगत मिष्ठान विक्रेताओं की जाँच के संबंध में विशेष अभियान आरंभ किया गया। जांच के दौरान न्यू बस स्टैंड स्थित मिष्ठान विक्रेताओं की जाँच की गई। जाँच के दौरान शिवा मिष्ठान भंडार में अत्याधिक गंदगी पाई गई एवं अनहाइजीनिक परिस्थितियों में मिष्ठान एवं नाश्ता बनाते विक्रय करते पाए गए। प्रतिष्ठान के किचेन में फ्लोर अत्यधिक गंदा पाया गया, मिठाइयां एवं समोसे इत्यादि खुले में रोड के किनारे विक्रय किया जा रहा था, जिसमें मक्खियां बैठ रहीं थीं एवं रोड की धूल मिट्टी से खाद्य सामग्री संदूषित हो रही थी। प्रतिष्ठान से गुणवत्ता की शंका के आधार पर मिल्क केक एवं बर्फी के नमूने जाँच हेतु लिया गया। जाँच के दौरान टीम द्वारा फॉरेवर स्वीट्स की जाँच की गई। प्रतिष्ठान प्रभारी को किचन में स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में निर्देश दिए गए।

मधुरम रेस्टोरेंट में लिए सैंपल

टीम द्वारा जाँच के दौरान मधुरम रेस्टोरेंट से मिलावट की शंका के आधार पर बर्फी, मगज लड्डू, नमकीन के नमूने जाँच हेतु लिए गए। टीम में संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी अमरीश दुबे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शाबिर अली, शकुंतला मिश्रा, रश्मि शुक्ला सम्मिलित रहे।

सैंपल तक सीमित टीम

खाद्य विभाग की टीम के कार्यवाही के बीच यह बात लोगों द्वारा कही जा रही थी कि त्योहार के दौरान टीम जांच करने निकलती तो है लेकिन यह जांच खानापूर्ति तक सीमित रहती है, क्योंकि टीम द्वारा जो सैंपल भेजे जाते हैं उनकी रिपोर्ट त्योहार बीत जाने के कई माह बाद आती है, जिससे जहां सामग्री बन रही होती है, उसका विक्रय किया जा चुका होता है। वहीं यह भी कहा जा रहा था कि खानापूर्ति के लिए ही कुछ छोटी दुकानों में टीम पहुंचती है, जबकि जहां सबसे अधिक विक्रय होता है, वहां कभी टीम दबिश नहीं देती है।

मूल्यांकन में थोड़ी गति, मंडल के निर्देशों का पालन शुरू

87 शिक्षकों ने तीसरे दिन जांची 3935 कॉपियां

जागरण,रीवा। बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ कॉपियों का मूल्यांकन भी शुरु हो गया है। एक्सीलेंस विद्यालय में कॉपियों की जांच की जा रही है। दो दिन धीमी गति से चले मूल्यांकन कार्य के बाद तीसरे दिन शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य में थोड़ा गति दी है, इतना ही नहीं, तीसरे दिन शिक्षकों ने मंडल के निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन भी किया। बताया गया कि मंगलवार को कुल 87 शिक्षकों ने 3935 कॉपियों की जांच की है, यानी कि प्रति शिक्षक ने औसत 45 कॉपियां जांची हैं, बता दें कि इस वर्ष शिक्षकों को कम से कम 45 व अधिकतम 60 कॉपियों की जांच करने के निर्देश हैं। दो दिनों तक शिक्षक काफी धीमी गति से मूल्यांकन कर रहे थे लेकिन तीसरे दिन मूल्यांकन को थोड़ा गति दी गई है। बता दें कि 12वीं कक्षा के अंग्रेजी, इकोनॉमिक्स व फिजिक्स की 29160 कॉपियां जांच के लिए प्रथम चरण में दी गई थीं, जिसमें 25225 कॉपियां अभी जांची जाने के लिए शेष हैं।

गणित में 41 छात्र अनुपस्थित : बता दें कि बुधवार को 12वीं कक्षा के गणित विषय की परीक्षा रही, जिसमें 41 छात्र परीक्षा में अनुपस्थित रहे। बताया गया कि कुल 4669 छात्रों में से 4628 छात्र परीक्षा देने पहुंचे। निरीक्षण दल में डीईओ ने देवतालाब में विभिन्न स्कूलों में निरीक्षण किया। वहीं सहायक संचालक राजेश मिश्रा के दल ने सिरमौर, पनवार व डभौरा में परीक्षाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा शांति पूर्वक संचालित मिली हैं।

ऑनलाइन एडुटेक कंपनी के जरिए पीएचडी नहीं होगी मान्य

यूजीसी और एआईसीटीई ने दी पीएचडी करने वालों के लिए चेतावनी

जागरण, रीवा। पीएचडी करने वालों के लिए यूजीसी और एआईसीटीई ने जरूरी अलर्ट जारी किया है। इस चेतावनी को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक छोटी सी गलती से पीएचडी करने के इच्छुक व्यक्ति का करियर बर्बाद हो सकता है। क्योकि पीएचडी कर लेने के बाद भी ऐसी डिग्री भारत में कहीं मान्य ही नहीं होगी। यूजीसी और एआईसीटीई ने चेतावनी दी है कि किसी भी ऑनलाइन एडुटेक कंपनी के जरिए पीएचडी न करें। चाहे वो किसी विदेशी यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर ही डिग्री क्यों न दे रहे हों। ऐसी पीएचडी डिग्री मान्य नहीं है। इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपनी वेबसाइट पर नोटिस भी जारी किया है। इसके साथ ही अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट भी किया है। इसमें कहा है कि फॉरेन यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर किसी भी ईडीयू टेक कंपनी के आन लाइन पीएचडी प्रोग्राम के विज्ञापन को देखकर लालच में न आएं। ऐसे कोर्स और इसकी डिग्री को यूजीसी मान्यता नहीं देता है। एआईसीटीई ने भी ऐसा ही नोटिस जारी किया है। चेतावनी के साथ-साथ यूजीसी ने कैंडिडेट्स को भी सलाह दी है कि किसी भी पीएचडी कोर्स में एडमिशन लेने से पहले उसकी वैधता अच्छी तरह जांच लें। इसके लिए यूजीसी पीएचडी रेगुलेशन 2016 अच्छी तरह पढ़ लें। इसमें संपूर्ण जानकारी दी गई है। इस मामले में पीएचडी डिस्टेंस लर्निंग को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले यूजीसी और ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल इंस्टीट्यूशंस ने एडुटेक कंपनियों द्वारा ऑफर किए जाने वाले ऑनलाइन और डिस्टेंस लर्निंग पीएचडी कोर्सेस के झांसे में न आएं। नियमों के तहत ऐसे किसी फ्रेंचाइज एग्रीमेंट को स्वीकृति नहीं मिली है। कहीं भी दाखिला लेने से पहले यूजीसी मिनिमम स्टैंडर्ड्स एंड प्रोसीजर फॉर अवॉर्ड ऑफ एमफिल, पीएचडी डिग्री रेगुलेशन 2016 चेक जरूर कर लें। अगर ऐसे किसी विज्ञापन के झांसे में आकर कोई ऑनलाइन पीएचडी कोर्स करते भी हैं, तो उसका कोई फायदा नहीं होगा। कही भी ऐसी डिग्री मानी ही नहीं जाएगी। इसलिए नियमों का पूरा ध्यान रखें और लेटेस्ट अपडेट्स के लिए यूजीसी एवं एआईसीटीई की वेबसाइट से जासनकारी प्राप्त करते रहें।

बोर्ड पैटर्न पर आधारित 5वीं की परीक्षा का हुआ समापन

8वीं की परीक्षा का आगामी 28 फरवरी को होगा समापन

जागरण,रीवा। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार जिले में कक्षा 5वीं की बोर्ड पैटर्न पर आधारित वार्षिक परीक्षाएं 20 फरवरी से प्रारंभ होकर 25 फरवरी तक आयोजित की गईं। कक्षा 8 की परीक्षाएं 28 फरवरी तक संचालित होंगी। डीपीसी रीवा राजेश तिवारी एवं डीईओ रीवा आरएल दीपांकर के नेतृत्व में जिला स्तरीय, विकासखंड स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय निरीक्षण दलों ने सघन निरीक्षण किया। जिला स्तरीय दल सहायक संचालक राजेश मिश्रा द्वारा पटेहरा स्कूल जवा में निरीक्षण किया गया। परीक्षा शांति पूर्वक संचालित पाई गई। विकासखंड स्तरीय पैनल द्वारा बोर्ड परीक्षा आधारित वार्षिक परीक्षाओं के परीक्षा केंद्र पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गायत्री कान्वेंट स्कूल एवं ब्राइट फ्यूचर एकेडमी रीवा का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में सतीश पांडे, मोहनी सिंह, विशाल शुक्ला, संतोष मिश्रा ने विद्यालयों का गहन निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित पाई गईं। बुधवार को पांचवी की परीक्षा में 10145 विद्यार्थी एवं कक्षा 8 की परीक्षा में 9280 विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का दिया संदेश

जागरण,रीवा। किरण सेवा संस्थान द्वारा सिकल सेल जागरुकता एवं निःशुल्क सिकलिंग टेस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि किरण सेवा संस्थान समाजहित में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में संस्थान को जो भी आवश्यकता होगी, उसे हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं नागरिकों को सिकल सेल बीमारी के लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही निःशुल्क स्कीनिंग टेस्ट कर आमजन को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में संस्थान की प्रबंधन टीम से श्री शैलेश मिश्रा, श्री अजय मिश्रा, श्रीमती जया चतुर्वेदी, श्रीमती प्रियंका सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्री संतोष मिश्रा एवं प्रतीक्षा सिंह पटेल ने सक्रिय भूमिका के साथ व्यवस्था को सफल बनाया।

कृषकों को विभागीय योजनाओं की दी जानकारी

कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित हुआ कृषक प्रशिक्षण

जागरण,रीवा। राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में किया गया। विकासखण्ड रीवा के कृषकों को वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया, डॉ ए. के. पाण्डेय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा कृषकों को खेत में नरवाई नहीं जलाने हेतु सलाह दी गई। बताया गया कि नरवाई नहीं जलाने से मित्र कीटों की सुरक्षा, मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि, जल धारण क्षमता में सुधार होता है।

प्राचार्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान कुठुलिया द्वारा कृषकों को ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई के महत्व के बारे में कृषकों को जानकारी दी गई, गर्मियों में गहरी जुताई से मिट्टी में छिपे हानिकारक कीट दीमक उनके अंडे एवं फफूंद के जीवाणु तेज धूप में नष्ट हो जाते हैं। डॉ बी.पी. सिंह सहायक संचालक कृषि रीवा, द्वारा कृषकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। वर्ष 2026 कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस संबंध में गतिविधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यू.पी. बागरी उप संचालक कृषि, संजय श्रीवास्तव प्राचार्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान, डॉ. ए. के. पाण्डेय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, डॉ बी.पी. सिंह सहायक संचालक कृषि, रुचिका मिश्रा अनुविभागीय कृषि अधिकारी, डॉ संजय सिंह, डॉ सी. जे. सिंह, संदीप शर्मा, साक्षी द्विवेदी, वर्षा पटेल, पुनीतचन्द्र मिश्रा एवं विभिन्न ग्रामों के महिला पुरूष कृषक उपस्थित रहे।

समय पर ऋण स्वीकृत करते हुए उनका करें वितरण

रीवा। जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि हितग्राहीमूलक योजनाओं का नियत समय पर ऋण स्वीकृत करते हुए उनका वितरण सुनिश्चित करें। बैंकर्स व विभागीय अधिकारी समन्वय के साथ केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित स्वयोजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाएं। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित डीएलसीसी की बैठक में सीडी रेशियो में कम प्रगति होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी लक्ष्य 10 मार्च तक पूरा करें। इस अवसर पर वार्षिक क्रेडिट प्लान को बेहतर बनाने तथा अधिक से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए जाने की बात बैंकर्स से कही गई। कलेक्टर ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना शासन की प्राथमिकता में है इसमें 10 मार्च तक लक्ष्य पूर्ण नहीं हुआ तो कार्यवाही की जायेगी। बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि रामनागर, एलडीएम जगमोहन, डीडीएम नाबार्ड सरोज जेना सहित बैंकर्स व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बृज की लट्ठमार होली अब 7 मार्च को

रीवा। आगामी 8 मार्च को घोषित हिन्दू धर्म परिषद द्वारा बृज की लट्ठमार होली का कार्यक्रम अब 7 मार्च को सायं 5 बजे बजे से साईं मंदिर के प्रांगण में सम्पन्न होगा। पूर्व घोषित कार्यक्रम में दिन क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मैच होने की दशा में कलाकारों एवं सह्योगियों के अनुरोध पर तिथि परिवर्तन की गयी है। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक एवं कार्यक्रम संयोजक नारायण डिगवानी, साईं संस्थान के प्रमुख राजेश साह्नी, रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी ने नगर के सभी कलाकारों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों सेलट्ठमार होली में शामिल होने का आग्रह किया है। आयोजन को भव्य रूप प्रदान करने तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह के द्वारा प्रतिदिन नियमित OPD रीवा में

रीवाः अहमदाबाद के प्रख्यात हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह, MBBS, MS (ऑर्थोपेडिक्स) FIJR, OIJR (अहमदाबाद) फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट। कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा। ऑर्थोस्कोपिक सर्जन, पूर्व सर्जन गवर्मेन्ट मेडिकल कॉलेज सागर, हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ के द्वार कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी डे- केयर क्लीनिक/डायग्नोस्टिक× विजन हार्ट सेंटर), A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, प्रतिदिन नियमित सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक एवं शाम 04 से 06 बजे तक हड्डी व जोड़ रोग से सम्बंधित समस्त फ्रैक्चर एवं ट्रॉमा उपचार, घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण TKR, THR, ऑर्थोस्कोपी (दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी), डिजिटल एक्स-रे, प्लास्टर POP एवं स्पिलटिंग, घुटनो में दर्द/ सूजन, कंधे का जकड़ना/ दर्द होना, कमर व कूल्हों के जोड़ों का दर्द, साईटिका/ गठियावात, कंधे के मांस का कटना, घुटने का न मुड़ना, चलने में लड़खड़ाना, जमीन पर न बैठ पाना, गाउट एवं रूमेटाइड ऑर्थराइटिस का उपचार, जोड़ो में इंजेक्शन द्वारा उपचार (इंटर-आर्टिकुलर इंजेक्शन), CTEV (क्लबफुट) जन्मजात टेढ़े मेढ़े पाँव का उपचार, रीड़ की हड्डी से सम्बंधित समस्याएं, सामान्य एवं जटिल फैक्चर, आधुनिक तकनीक द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण, बच्चों के हाथ व पैरों की विकृतिया, पुराने फैक्चरों का न जुड़ना, हड्डी में पस पड़ना आदि बीमारियों का परामर्श/ऑपरेशन द्वारा इलाज किया जाता है, डॉ शांतनु को दुरबीन विधि से सम्बंधित सभी प्रकार के आपरेशन में महारथ हासिल है, अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा में संपर्क करें। -Advt.

प्रख्यात ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग विशेषज्ञ डॉ सचिन सिंह 08 मार्च रविवार को रीवा में

रीवाः-राष्ट्रपति पदक से सम्मानित प्रख्यात ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग सुपर स्पेशलिस्ट एंडोस्कोपिक सर्जन डॉ सचिन सिंह MBBS, MS, MCh (न्यूरो) PGI नई दिल्ली, निर्देशक-लाइफ लाइन हॉस्पिटल प्रयागराज, के द्वारा, दिनांक 08 मार्च 2026 को (प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को) सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक, कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी क्लीनिक/डाइग्नोस्टिक×विजन हार्ट सेंटर)- A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो से सम्बंधित सभी प्रकार की बीमारियां जैसे रीड़ की हड्डी की चोट/दर्द, गर्दन, कमर व घुटने का दर्द, लकवा, सिर का दर्द(माइग्रेन की समस्या), मिर्गी रोग, बेहोसी व चक्कर आना, अंगों में कंपन-झुनझुनी-शून्यता, मांसपेशियों/नसों में कमजोरी, मस्तिष्क ज्वर, ब्रेन हैमरेज, सर्वाइकल स्पोंडलाइटिस, स्नायु रोग, साइटिका, रीड़ की हड्डी की टी.बी., एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी आदि न्यूरो से संबंधित सभी प्रकार के रोगों का परामर्श देकर इलाज किया जाएगा, डॉ सचिन सिंह लगभग 20000 (बीस हजार) से ज्यादा ब्रेन, सर्वाइकल एवं स्पाइन से संबंधित सर्जरी सफलता पूर्वक कर चुके है, डॉ सचिन को न्यूरो से सम्बंधित सभी प्रकार की सर्जरी में महारथ हासिल है, डॉ सचिन के द्वारा प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को विगत सात (10) वर्षों से कमाता मेडिकल में मरींजों को OPD परामर्श दिया जा रहा है। क्लीनिक में सोनोग्राफी, इकोकार्डियोग्राफी, TMT, ECG, होल्टर, ABPM, पैथोलॉजी, डिजिटल एक्सरे, यूरोफ्लोमेट्री आदि जांचों की सुविधा उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा मोबाइल नं 9399312433 में संपर्क करें। -Advt.

विद्यालय के सामने खुला ट्रांसफार्मर बच्चों के लिए खतरा

खेलते-खेलते बच्चे ट्रांसफार्मर के समीप पहुंच जाते हैं

जागरण, रीवा। शहर के वार्ड 12 स्थित प्राथमिक विद्यालय के मैन गेट के सामने खुला ट्रांसफार्मर यहां पढ़ने वाले बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है। ट्रांसफार्मर खुला होने के साथ ही उसमें से कई तार झूल रहे हैं, जिनके खतरे से अनभिज्ञ बच्चे खेलते-खेलते उसके पास पहुंच जाते हैं जो बच्चों के हित में नहीं। बच्चों को छोड़ने आए अभिभावकों ने बताया कि ये ट्रांसफार्मर आज से नहीं काफी समय पूर्व से खुला पड़ा है, तार भी झूल रहे हैं। शिक्षकों को तो कई बार बोल चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी कोई सुधार देखने को नहीं मिला। बरसात के दौरान आए दिन यहां फाल्ट होता रहता है, जिससे चिंगारी निकलती है, किन्तु सुधार करने आए अधिकारी, कर्मचारी भी खुले ट्रांसफार्मर को बंद करने को तैयार नहीं हैं। बच्चों को बहुत समझाबुझाकर स्कूल भेजते हैं, किन्तु खेलते समय बच्चे अभिभावकों की सीख भूल जाते हैं।

'कृष्णायन' पुनः होगी प्रकाशित

जागरण,रीवा। मध्यप्रदेश की राजनीति में लौहपुरुष के नाम से प्रसिद्ध रहे महाकौशल के अग्रणी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन में पत्रकारिता के माध्यम से पहुंचाने वाले पत्रकार, गद्य व पद्य में समान पकड़ रखने वाले सुप्रसिद्ध साहित्यकार पं. द्वारिकाप्रसाद मिश्र ने भारत छोड़ो आंदोलन के समय जबलपुर जेल में रहते हुए अवधी भाषा में 'कृष्णायन' महाकाव्य की रचना की थी। उक्त रचना में पं. मिश्र ने कृष्ण को ईश्वरीय शक्ति के साथ-साथ दार्शनिक के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने कृष्ण के दर्शन को कृष्ण-मार्ग के रूप में गूढ़ार्थ-भाव के साथ कविता के माध्यम से बहुत-ही बोधगम्य शैली में पेश किया है। पूर्व विधायक राजेंद्र कुमार मिश्रा ने विधानसभा की लायब्रेरी में बड़ी मुश्किल से 'कृष्णायन' की एक प्रति को प्राप्त किया। लाइब्रेरी के प्रभारी ने एक ही प्रति होने के कारण उसे पढ़ने हेतु देने से मना कर दिया। पुर्नप्रकाशित करने का प्रयास शुरू कर दिया। श्री मिश्रा मध्यप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मिले तथा उन्हें अपनी ओर से पत्र देकर मांग की कि वे पं.द्वारिका प्रसाद मिश्र द्वारा रचित 'कृष्णायन' को पुर्नप्रकाशित कर उसकी उपलब्धता सुनिश्चित करें।

डॉ. चंद्र का कलम परिवार ने किया सार्वजनिक सम्मान

रीवा। शिक्षा महाविद्यालय सभागार में बघेली साहित्य मंच के तत्वाधान में विन्ध्य साहित्य जगत के प्रकाश स्तंभ वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. चन्द्रिका प्रसाद चंद्र की 'पुस्तक डायरी की कवितायें' के लोकार्पण अवसर पर विन्ध्य काव्य साहित्य परिषद कलम परिवार के पदाधिकारियों संस्थापक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा मणि, संरक्षक डॉ. गीता शुक्ला गीत, उपाध्यक्ष श्रीमती इंदिरा अग्निहोत्री, कार्यकारिणी सदस्य सीमारानी झा, स्नेहा त्रिपाठी ने एक साथ मिलकर डॉ. चंद्र का शाल श्रीफल एवं माल्यार्पण से सार्वजनिक सम्मान एवं अभिनंदन किया जिसका उपस्थित जनसमुदाय ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। इस अवसर पर हिन्दू धर्म परिषद के संरक्षक अवधेश श्रीवास्तव द्वारा रामनामी पट्टा पहना कर सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि डॉ. चंद लंबे समय से हिन्दी और बघेली भाषा में अपने लेखन से साहित्य जगत के मील का पत्थर बन चुके हैं। डॉ. चंद्र को सम्मानित किये जाने पर विन्ध्य के रचनाकारों ने हर्ष व्यक्त किया है।

कल्याण सिंह अतिविशिष्ट कैंसर संस्थान
सी.जी. सिटी, सुल्तानपुर रोड, लखनऊ-226002
वेबसाइट: https://cancerinstitute.edu.in, ई-मेल: jdmm.sscih@gmail.com

जेम बिड सूचना

सूचित किया जाता है कि जेम बिड्स संदर्भ संख्या नं.0 निम्नवत् है-

Sr. No.	Name of Service	Bid No. & Date	Pre-bid Meeting Date & Time
1.	Operation And Maintenance of Fire Fighting System-Complete System	GEM/2026/B/7289402 Dated 25.02.2026	27.02.2026 15:00 P.M.

उपरोक्त बिड जेम पोर्टल पर अपलोड की गई है। सभी इच्छुक सेवाप्रदाताओं से निविदा की शर्तो के अनुसार जेम पोर्टल पर बिड आमंत्रित की जाती है। निदेशक, के.एस.एस.एस. सी.आई., लखनऊ बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिडो को किसी भी स्तर पर स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते है।

निविदा दस्तावेज संस्थान की वेबसाइट www.cancerinstitute.edu.in पर उपलब्ध है।

Advt No:- KSSSCI/Tender-27/2025-26 निदेशक

एमपी ट्रांसको ने 220 केवी सिस्टम पर किया लाइन मेंटेनेंस

बिना शटडाउन मेंटेनेंस से रीवा शहर, रामपुर बघेलान, ब्योहारी, रामपुर नैकिन, रेलवे ट्रैक्शन, जे पी सीमेंट में भी रही निर्बाध बिजली आपूर्ति

जागरण,रीवा। रम्स में उत्पादित होने वाले सोलर एनर्जी की निकासी के साथ संभागीय मुख्यालय रीवा एवं अन्य क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार का व्यवधान न हो, इसके लिए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने रीवा स्थित 220 केवी सबस्टेशन सिल्परा में चालू 2 लाख 20 हजार वोल्ट सिस्टम पर बेयर हैंड तकनीक से सफलतापूर्वक लाइव लाइन मेंटेनेंस कर एक उल्लेखनीय कार्य किया है। यह कार्य 220 केवी मेन बस पर 220 केवी सिरमौर के बस आइसोलेटर में उत्पन्न हॉट प्वाइंट को दूर करने हेतु हॉट लाइन मेंटेनेंस के माध्यम से किया गया। इसके लिए ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस की जबलपुर एवं कटनी की विशेषज्ञ टीम ने बेयर हैंड तकनीक का उपयोग करते हुए पूरी सावधानी एवं सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए पूरी दक्षता के साथ जोखिम भरा सुधार कार्य पूर्ण किया। एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता एम पी पटेल ने बताया कि सामान्यतः इस प्रकार के मेंटेनेंस कार्य के लिए पूरे सबस्टेशन का शटडाउन लेना आवश्यक होता, लेकिन शटडाउन लेने से रम्स में उत्पादित होने वाले सोलर एनर्जी की निकासी में रूकावट के साथ संभागीय मुख्यालय रीवा शहर, रामुपर बघेलान, व्योहारी, रामपुर नैकिन, रेलवे ट्रैक्शन, जे पी सीमेंट में बिजली आपूर्ति घंटो प्रभावित रहती। सोलर एनर्जी की निकासी में किसी प्रकार के व्यवधान को रोकने एवं विद्युत उपभोक्ताओं को असुविधा से बचाने के उद्देश्य से ट्रांसको प्रबंधन ने लाइव लाइन मेंटेनेंस कराने का निर्णय लिया। रीवा में इस महत्वपूर्ण लाइव लाइन मेंटेनेंस को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में कार्यपालन अभियंता ए.पी.एस चौहान, अभय सक्सेना, कनिष्ठ अभियंता राजू चौहान के मार्गदर्शन में बेयर हैंड तकनीक के माध्यम से हॉट लाइन मेंटेनेंस में दक्ष टीम ज्ञानेश्वर, कमलेश मरावी, होल्कर सिंह एवं जगदीश ठाकुर का योगदान रहा। एमपी ट्रांसको की इस तकनीकी दक्षता और त्वरित निर्णय से रीवा क्षेत्र में सोलर एनर्जी उत्पादन, निकासी एवं क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह निर्बाध बनी रही।

पटवारी को तीन दिन में निलंबित कर देने का इंतजारः वीरेन्द्र सिंह

रीवा। अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह बघेल ने जारी बयान में कहा है कि सरकार की योजनाएं जनहित की न होकर अधिकांश अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए लूट का अड्डा और सुरक्षित चारागाह हो कर रह गई हैं। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता के सामने संबंधित विभाग का प्रमुख अपने मातहत कर्मचारियों को डालते हुए शिकायत का अविलंब समाधानकारक निराकरण करने की हिदायत देता है तो शिकायत करने वाले के घाव पर मरहम तो जरूर लग जाता है पर पीड़ित को न्याय नहीं मिलता तब संदेह होता है कि अधिकारीगण की अपने मातहत कर्मचारी के लिए दी गई इस तरह की घुड़की क्या वास्तविक रूप से शिकायत के निराकरण के लिए होती है अथवा कर्मचारी को लूट करने के लिए, यह आज तक लोगों के समझ मे नहीं आ सका, राज ही बना हुआ है। कमिश्नर रीवा ने भी जन सुनवाई करते समय विभागीय अधिकारीगण को समाधानकारक कार्यवाई के निर्देश दिए हैं और कहा है कि तीन दिन मे सीमांकन न होने पर पटवारी को निलंबित करें, कमिश्नर के इस तरह के निर्देश पर जिले और संभाग के लोगों को इन्तजार है कि कमिश्नर के कहे का कितना असर होता, मातहतों पर और सरकारी कर्मचारियों पर।

रिमारी में सड़क खोद कर रोक दिया निर्माण कार्य

रास्ता खुद जाने से परेशान गांव की जनता ने की कलेक्टर से शिकायत

जागरण, रीवा। लोक निर्माण विभाग द्वारा निमार्णाधीन सड़क को खोद कर रास्ता अवरुद्ध कर दिये जाने से परेशान गांव के लोगों ने कलेक्टर से शिकायत कर रास्ता खुलवाये जाने की मांग की है। कलेक्टर से की गई शिकायत में रिमारी ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि सुखलाल प्रजापति सहित सैकड़ा भर लोगों ने हस्ताक्षर किये है। रिमारी पंचायत में हरिजन बस्ती के लिए 1997-98 में आम सहमति से सडक का निर्माण किया गया था। वर्तमान में उक्त सड़क नये सिरे से निर्माण कार्य किया जा रहा है लेकिन श्रीराम द्विवेदी पिता रामसिया द्विवेदी द्वारा सड़क को खोद कर निर्माण कार्या रोक दिया गया है जिससे आगे का रास्ता अवरुद्ध हो गया है। बताया गया है कि जहां पर सड़क खोदी गई है वहां पर आराजी नंबर 673/3 में पूर्व से 6 डिसमिल रकवा खसरे में रास्ता दर्ज है। इस सड़क पर ही पूर्व माध्यमिक विद्यालय रिमारी एवं शासकीय प्राथमिक पाठशाला भी मौजूद है। इन स्कूलों में मतदान केन्द्र भी है। रास्ता खोद दिये जाने से लगभग 3000 लोगों का आवागमन बंद हो गया है। जहां सड़क खोदी गई है वहां पर गहरी नाली हो गई है जिससे कोई भी वाहन उससे पार नही हो सकता है। सरपंच प्रतिनिधि सुखलाल प्रजापति सहित गांव के रोहणी प्रसाद द्विवेदी, संजीव तिवारी, कुदल द्विवेदी, राजीव लोचन तिवारी, इंन्द्रधर द्विवेदी आदि ने बताया कि इस समस्या को लेकर विगत 16 फरवरी को अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर एवं थाना बैकुण्ठपुर में भी शिकायत की गई थी लेकिन कोई कार्यवाही नहीं किये जाने के कारण कलेक्टर से शिकायत की जाकर समस्या के निराकरण की मांग की गई है।

पुराने न्यायालय भवन में कब से शुरू होंगी अदालतें: शिव सिंह

रीवा। कोठी कंपाउंड के पास स्थित पुराना न्यायालय भवन जहां कभी विंध्य प्रदेश का हाई कोर्ट भी संचालित होता था आज वही ऐतिहासिक इमारत जब से इंजीनियरिंग कॉलेज के पास नवीन न्यायालय भवन संचालित होने लगा, तब से वीरान पड़ी है। अधिवक्ता शिव सिंह ने कहा कि रीवा जिला न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने एनजीटी, लेबर कोर्ट ,औद्योगिक न्यायालय, श्रम पदाधिकारी न्यायालय, एवं किशोर न्यायालय की अदालतें पुराने न्यायालय भवन में संचालित कराने विगत दो माह पूर्व डिप्टी सीएम को ज्ञापन दिया था। कुछ ही दिन बाद उन्हीं अधिवक्ताओं ने पत्रकार वार्ता कर डिप्टी सीएम को इस आशय की बधाई भी दे डाली कि मंत्री जी की कृपा से शीघ्र उक्त अदालतें पुराने न्यायालय भवन में संचालित होंगी, लेकिन अधिवक्ताओं और जनमानस को बातें हजम नहीं हुई थीं कि डिप्टी सीएम के वर्तमान दिली करीबी भाजपा नेता पूर्व मंत्री महाराजा पुष्पराज सिंह ने भी पत्रकार वार्ता कर डिप्टी सीएम एवं सरकार को बधाई देते हुए उच्च न्यायालय की खंडपीठ भी बढ़ाए जाने की बात कह डाली। अधिवक्ता शिव सिंह ने कहा कि जिस तरह से जिनकी-जिनकी साजिश से पुराना न्यायालय भवन हटाया गया, रीवा के अधिवक्ता एवं नागरिक उक्त बातें सुनकर सदमे में हैं, उन्हें ये बातें आज भी हजम नहीं हो पा रहीं, इसलिए डिप्टी सीएम स्पष्ट करें कि उक्त अदालतें पुराने न्यायालय भवन में कब से और कब तक के लिए संचालित होंगी।

बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

रीवा। नई दिल्ली के अशोका होटल में आयोजित कार्यक्रम बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स 2026 में मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना को प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, गौरतलब है की यह अवार्ड सोशल इंपैक्ट एक्सीलेंस ऑफ द ईयर की श्रेणी में दिया गया है। यह परियोजना बुरहानपुर शहर में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित की गई है और विश्व बैंक के सहयोग से विकसित की गई प्रमुख शहरी अवसंरचना योजनाओं में शामिल है। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की विशेष उपस्थिति में जल शक्ति मंत्री सी आर पाटील द्वारा यह पुरस्कार दिया गया,इस अवसर पर केन्द्रीय पत्तन ,पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंदा सोनोबाल, केन्द्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाईक, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के पूर्व सचिव डी एस मिश्रा, और मध्यप्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस राघव चंद्रा भी मौजूद रहे। कम्पनी के प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे और अतिरिक्त प्रबंध संचालक दिव्यांक सिंह इस उपलब्धि पर कम्पनी को बधाई दी है। एमपीयूडीसी की ओर से मुख्य अभियंता शैलेन्द्र शुक्ला के साथ तकनीकी अधिकारी कमलेश भटनागर ने यह सम्मान ग्रहण किया। गौरतलब है कि बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना के तहत एनीकट, इंटेकवेल और 50 एमएलडी क्षमता का अत्याधुनिक जलशोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। जल शोधन संयंत्र में पानी को फिल्ट्रेशन क्लोरीनेशन और अन्य वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से शुद्ध किया जाता है जिससे यह न केवल सुरक्षित बल्कि स्वास्थ्य के लिए लाभदायक बन जाता है। पानी को वैज्ञानिक पद्धति से शुद्ध कर स्काडा प्रणाली के माध्यम से गुणवत्ता और आपूर्ति की निरंतर निगरानी की जाती है। पानी की क्वालिटी की रोज़ाना मॉनिटरिंग के लिए डब्ल्यूटीपी में एक हाई-लेवल वॉटर टेस्टिंग लैब भी लगाई गई है। शुद्ध जल को 8 नए ओवरहेड टैंकों और मजबूत पाइप नेटवर्क से शहर के प्रत्येक हिस्से तक पहुंचाया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पुराने और क्षतिग्रस्त पाइपों को हटाकर नया वितरण नेटवर्क बिछाया गया है तथा लगभग 41,000 घरों में मीटरयुक्त नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इससे लीकेज पर नियंत्रण हुआ है, जल के अपव्यय में कमी आई है और जल वितरण व्यवस्था अधिक सुचारु बनी है। वर्तमान में नगरवासियों को प्रति व्यक्ति लगभग 135 लीटर शुद्ध पेयजल प्रतिदिन मिल रहा है, जिससे नियमित और समान जलापूर्ति सुनिश्चित हो रही है। मुख्य अभियंता शैलेन्द्र शुक्ला ने बताया कि परियोजना के माध्यम से शहर में दीर्घकालिक जल उपलब्धता सुनिश्चित करने, वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रबंधन और प्रभावी क्रियान्वयन के कारण इस योजना को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। यह उपलब्धि मध्य प्रदेश में शहरी आधारभूत संरचना के क्षेत्र में हो रहे नवाचार, प्रभावी परियोजना प्रबंधन और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना को मिला यह सम्मान राज्य की जल प्रबंधन पहलों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

टेढ़े खंभे व झूलते तार कभी भी हो सकते हैं जानलेवा

हर साल मेंटेनेंस के नाम पर घंटों गुल हो जाती है बिजली, फिर भी सुधार नहीं

जागरण, रीवा। शहर के कई क्षेत्रों में लगे बिजली के खंभे टेढ़े हो चुके हैं तो कहीं सर्विस तार नीचे तक झूल रहे हैं, जो शहरवासियों के लिए कभी भी जानलेवा साबित हो सकते हैं। शहर के वार्ड 12 में स्थित एक बिजली का खंभा पूरी तरह से टेढ़ा हो चुका है जो चारों से पेड़ से घिरा है, टेढ़े खंभे से डाली गई सर्विस लाइन के तार बेतरतीब तरीके से जुड़े हैं, जिनमें से कई नीचे तक झूल आए हैं, ये तार और टेढ़ा खंभ यहां के रहवासियों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। वार्ड के रहवासियों ने बताया कि ये खंभा काफी समय से टेढ़ा है, जिसे बदलने के प्रयास नहीं किए जा रहे, अभी तो ठीक है, वर्षाकाल के दौरान चलने वाली आंधी, तूफान से इस खंभे के पास से निकलने में भय बना रहता है। ये तो महज उदाहरण है, शहर भर में कई स्थान जैसे बाणसागर कॉलोनी, समीपस्थ ग्राम करहिया, मैदानी, आदि क्षेत्रों में टेढ़े, झुके खंभे पर जगह-जगह नीचे जक झूलते तार सहजता से देखे जा सकते हैं।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

राम श्याम वर वधु केन्द्र

डायरेक्टर-अम्बरीश उपाध्याय

मोबा. 7021777625, 9987606771 हमारे यहाँ सभी प्रकार के रिश्ते कराये जाते हैं-तलाकसुदा, विधुर, सर्विसमेन, बिजनेसमेन, गर्वमेन्ट, एम्प्लायी, मांगलिक, नॉन मांगलिक, कुण्डली मिला के करवाये जाते हैं। पता-वार्ड नं. 4, निर्मल नगर के सामने, मंगलम् मैरिज गार्डन के बगल में चोरहटा रीवा (म.प्र.) 486006 RN-83161(28/2)

4 किलो गांजा व 120 शीशी नशीली कफ सिरप जप्त, आरोपी गिरफ्तार

सतना। 4 किलो गांजा व 120 शीशी नशीली कफ सिरप के साथ आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है यह कार्यवाही आपरेशन प्रहार 2.0 के तहत आईजी गौरव राजपूत के निर्देश , एसपी मैहर अवधेश प्रताप सिंह , एएसपी डॉ चंचल नागर एसडीओपी ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में रामनगर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी द्वारा की गई है।

ये है विवरण : 24 फरवरी को थाना मैहर में एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई कार्रवाई के आरोपी सुरेन्द्र पटेल से पूछताछ में जानकारी प्राप्त हुई कि 04.05 दिन पूर्व ग्राम अमिलिया निवासी शंभू पटेल के यहां गांजा एवं कोरेक्स आनरेक्स कफ सिरप की बड़ी खेप पहुंचाई गई है।

Presiding Officer:
श्रीमती पल्लवी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000077/2022)
कृष्णकांत पाठक .... वादी
VS
शारदा प्रसाद पाठक .... प्रतिवादी
Process Id:-/2026
पेशी दिनांक – 25/03/2026

प्रेषिती–
(1) श्रीमती ममता दुबे पिता स्व. रामविजय पाठक पता–नाइट्रोजन प्लांट आफिस के पास सलीहा पारा भानुप्रतापपुर छत्तीसगढ़ (2) श्रीमती अलका अवस्थी पिता स्व. रामविजय पाठक पता–सी/ओ रेवाशंकर अवस्थी एडव्होकेट उपरेटी बाजपेयी टोला रीवा मध्य प्रदेश।

यह कि प्रार्थी कृष्णकांत पाठक ने आपके विरूद्ध वाद ए के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात/हाजिर होने के लिए सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर /अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज को लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होते तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उनका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करायें।

यह आज तारीख 20 फरवरी 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

यदि किसी कारणवस उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

(मुद्रा) (श्रीमती पल्लवी)
सप्तम व्यवहार न्यायाधीश
RN-83776 वरिष्ठ खण्ड खंडवा (म.प्र.)

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)
फोन : 9425601511/9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत जिला मऊगंज एवं सतना में विभिन्न निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 31/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2025_MPPHC_485012 & 485024_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 14.03.2026 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/124627/2026 **परियोजना यंत्री**

उत्तर मध्य रेलवे
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबंधक /कार्य/ झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।
ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी- 2026-34
कार्य का नाम : झाँसी डिवीज़न - प्रोवीजन फॉर गैंग्स टूल्स कम रेस्ट रूम इन बीना - झाँसी सेक्शन अंडर एडीईएन / ललितपुर जूरिडिक्शन ।
अनुमानित लागत रू.: 15203456.85 | **अमानत राशि :** 226000.00
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह
निविदा बन्द होने की तिथि : 23/03/2026 at 15:00 hrs.
ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी- 2026-35
कार्य का नाम : झाँसी डिवीज़न-प्रोवीजन फॉर गैंग्स टूल्स कम रेस्ट रूम इन परौना कानपुर सेक्शन अंडर एडीईएन /कानपुर जूरिडिक्शन
अनुमानित लागत रू.: 31000299.85 | **अमानत राशि :** 305000.00
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह
निविदा बन्द होने की तिथि : 23/03/2026 at 15:00 hrs.
- निविदा दिनांक **23/03/2026** को **15:00 बजे** तक आन लाईन जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **424/26 (D)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं0: JHS/Br/L/2025-26/17 **दिनांक:** 23.02.2026
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना
उप मुख्य इन्जी/ब्रिज/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 24.03.2026 को 15.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-
निविदा नं.: Br-JHS-2025-17 | **अनुमानित मूल्य (रू):** ₹ 4,42,11,012.76
कार्य का विवरणः VGLJ-BINA खंड के अंतर्गत जाखलोन (JLN) स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की कमी को पूरा करने के लिए रैंप सहित 3 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज का प्रावधान।
बयाने की रकम (रू): ₹ 3,71,100.00 | **निविदा बंद की तिथिः 24.03.2026**
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः स्टील पुलों/फुट ओवर ब्रिज का फैब्रिकेशन एवं इरेक्शन/लांचिग का कार्य।
कार्य समापन की अवधिः 10 महीना। **नोटः- (1)** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेब साइट पर **समय 15.00 बजे** तक निविदा बंद की तिथि **दिनाक 24.03.2026** तक उपलब्ध है। **(2)** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि सलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **(4)** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। **(5)** बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेट वे भुगतान या बैंक गारण्टी के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। **(6)** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **(7)** आनलाइन निविदा **दिनांक 24.03.2026 15:00 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। **421/26 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

Notice Inviting Tenders
Government of Madhya Pradesh
Office of the Executive Engineer
P.H.E. Division Rewa (M.P.)
NITNo.26/EE/PHED/2025-26/Rewa Dated 18.02.2026

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria :

e-tender No.	Name of Work	District	Probable Amount of Contract	Earnest Money Deposit (EMD) (in Rupees)	Cost of Bid Document (in Rupees)	Period of Completion (in Months)
483400	Providing Laboratory Items, for District & Sub Divisional Water Testing Laboratories and Consultancy for Upgradation of Existing ISO/IEC17025:2017, Accredited District Water Testing Laboratory of PHE Division Rewa District-Rewa M.P.	Rewa	1501000.00	30020.00	2000/-	1 Month i/c rainy season

Note:-
1. On Line Tender Documents Purchase date 20.02.2026 to 06.03.2026
2. On Line Bid Submission date 20.02.2026 to 06.03.2026
3. Bid Opening Date 09.03.2026

Executive Engineer
P.H.E. Division, Rewa
Rewa (M.P.)

G-26437/25

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: JHS-N-GSU-05-26 **दिनांकः** 16.02.2026
ई टेन्डरिंग निविदा सूचना
उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (गति शक्ति यूनिट) उत्तर मध्य रेल झाँसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।
कार्य का नामः प्रोविजन ऑफ सिग्नलिंग एण्ड टेलीकॉम वर्क फॉर एडिशनल लूप लाइन एट सरकनपुर एण्ड ईशानगर स्टेशन ऑन ललितपुर-खजुराहो सेक्शन ऑफ झाँसी डिविजन।
कार्य लागत लगभगः ₹ 18522155.45 | **धरोहर राशिः** ₹ 242600.00
निविदा प्रपत्र का मूल्यः Nil | **निविदा खुलने की तिथिः 10.03.2026 Time 15:00**
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 12 माह।
- निविदा **दिनांक 10.03.2026 को 15:00 बजे** तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in (JHANSI DIVISION-GATI SHAKTI, NORTH CENTRAL RLY)** पर देखें। **437/26 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सं0: JHSW-MNP-26-03 **दिनांकः** 24.02.2026
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य कारखाना प्रबंधक वैगन रिपेयर झाँसी, उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा वैगन रिपेयर कारखाना झाँसी में निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन (ई-टेंडर) आमंत्रित करते हैं।
निविदा संख्याः JHSW-MNP-26-03 | **कार्य पूर्ण होने की अवधिः** 36 माह
कार्य का नामः झांसी कारखाना में 28 नग ईओटी क्रेंस का व्यापक ए एम सी
अनुमानित लागतः ₹ 2,56,43,158.20 (रूपये दो करोड़ छप्पन लाख तैतालिस हजार एक सौ अठावन एवं बीस पैसा केवल)
धरोहर राशिः ₹ 2,78,200/- (रुपये दो लाख अठत्तर हजार दो सौ केवल)
निविदा बंद होने की तिथिः 23.03.2026 समय 15:00 बजे
(1) निविदा की सम्पूर्ण जानकारी के लिए भारतीय रेलवे की ई- टेंडर बेवसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें । **429/26 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय नगर परिषद त्योंथर जिला रीवा (म.प्र.)
No/2308/NIT/teonthar/2026/ Date 25.02.2026
प्रथम निविदा
सेक्सन-1
ई निविदा आमंत्रण सूचना

नगर परिषद त्योथर द्वारा अर्थवर्ष 2026-27 में अर्थात् 01.04.2026 से 31.03.2027 तक के लिये ऑनलाईन निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से इच्छुक संविदाकारों / व्यक्तियों / फर्मो से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र क्रय डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर Urban Administration Development Department से एवं कार्यालय नगर परिषद चाकघाट से प्राप्त की जा सकती हैं। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा। विवरण निम्नानुसार है।

टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (रू. में)	धरोहर राशि (रू.में)	निविदा फार्म का शुल्क
2026_UAD_485065_1	अस्थायी दखल उपविधि के तहत बाजार फीस वसूली कार्य	606870.00	6068.00	2000.00

उक्त कार्य हेतु निविदा प्रपत्र दिनांक 25.02.2026 सुबह 05.30 बजे से दिनांक 12.03.2026 सायं 5.30 बजे तक वेबसाईट पर लागू प्रोसेसिंग शुल्क के ऑन लाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकेगें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद त्योंथर, जिला रीवा (म.प्र.)

लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल (म.प्र.)
ई. मेल. आई.डी.-phyedu.dpi@gmail.com
क्र.शा.शि./सी/245/सीहोर/प्रवेश/2026/204 भोपाल दिनांक 16.02.2026
शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान सीहोर मध्य प्रदेश में वर्ष 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं से 12वी तक
(केवल बालकों के लिए) प्रवेश हेतु विज्ञापन (विज्ञप्ति)

लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश भोपाल के अधीनस्थ संचालित शासकीय आवासीय खेलकूद विद्यालय सीहोर में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षावार संभावित रिक्त स्थान एवं चयन परीक्षा की निर्धारित तिथि निम्नानुसार प्रस्तावित है:-

क्र.	प्रवेश हेतु कक्षा	कुल स्थान	अनु. जाति	अनु. ज.जा.	पिछड़ा वर्ग	अना.	EWS
1	09वी	50	08	10	14	13	05
2	10वी	03	01	02	00	00	00
3	11वी	03	02	01	00	00	00
4	12वीं	03	00	03	00	00	00

1. रिक्त स्थान की संख्या में आवश्यकता अनुसार कमी अथवा वृद्धि की जा सकती है।
2. अभ्यार्थी अपने आवेदन आनलाईन https://www.educationportal.mp.gov.in/Sports.aspx लिंक पर दिनांक 06.03.2026 तक कर सकेंगे।
3. चयन प्रक्रिया दिनांक 12.03.2026 से 14.03.2026 तक शासकीय आवासीय खेलकूद विद्यालय सीहोर में की जावेगी।
4. परीक्षा एवं चयन प्रक्रिया के संबंध में पूर्ण जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
5. प्रवेश उपरान्त यदि किसी कारणवश छात्र के शाला त्यागने से निर्धारित स्थान शेष रहता है तो प्राचार्य द्वारा प्रतीक्षा सूची से रिक्त स्थान पर अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जावेगा।

(आलोक खरे)
संयुक्त संचालक
लोक शिक्षण मध्यप्रदेश

G-26407/25

संक्षिप्त खबरें

कृषि सम्मेलन में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी की हार्टअटैक से मौत

ब्यावरा। बुधवार को मोहनपुरा डेम स्थित कृषि धाम पर आयोजित तीन दिवसीय कृषि विज्ञान मेले के समापन के दौरान कृषि विभाग में भृत्य पद पर पदस्थ कर्मचारी राम प्रसाद भील (52) की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कृषि विभाग के सहायक संचालक पहलाद सिंह बारेला के अनुसार राम प्रसाद भील की ड्यूटी मेले में विभागीय स्टॉल पर लगी थी। वे स्टॉल पर खड़े थे, तभी अचानक घबराहट महसूस होने पर गिर पड़े। साथ में मौजूद कर्मचारी धनश्याम शहरिया ने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने उन्हें सीपीआर भी दिया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। सिविल सर्जन डॉ. रजनीश शर्मा ने बताया कि मृत्यु पर प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक की आशंका जताई है।

गणित के पेपर के दौरान बेहोश हुई छात्रा, मौत

जागरण, मुरैना। जिले में 10वीं बोर्ड की छात्रा पेपर के दौरान बेहोश हो गई। गणित की परीक्षा देते समय अचानक गिर पड़ी और आनन-फानन में अस्पताल ले जाते समय उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। परिजनों ने समय पर एंबुलेंस न मिलने और देरी से इलाज का आरोप लगाया है। कलेक्टर ने मामले में जांच के निर्देश दिए है। दरअसल यह मामला मुरैना जिले के बानमोर स्थित पंडित नेहरू कॉलेज परीक्षा केंद्र का है। 10वीं की छात्रा वर्षा कुशवाह (16) मंगलवार को गणित का पेपर देने पहुंची थी। परीक्षा देते समय वह अचानक गिर पड़ी। यह देख क्लास में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में वर्षा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

कूप स्वीकृति के लिए रिश्वत लेते सरपंच गिरफ्तार

जागरण, पन्ना। लोकायुक्त पुलिस सागर संभाग ने बुधवार को ग्राम पंचायत चौपरा के सरपंच जगत आदिवासी को 5,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। ग्राम चौपरा के निवासी नंदलाल राठौर ने अपनी एक हेक्टेयर कृषि भूमि पर सिंचाई के लिए कपिलधारा योजना के तहत कुएं का निर्माण करवाने आवेदन किया था। कुएं के निर्माण को जनपद पंचायत शाहनगर से स्वीकृति मिल चुकी थी और कार्य मनरेगा के तहत होना था। नंदलाल राठौर का आरोप है कि सरपंच ने कार्य शुरू करने की अनुमति देने के बदले 11 हजार की रिश्वत मांगी। इसकी शिकायत नंदलाल ने लोकायुक्त पुलिस से की। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने एक योजनाबद्ध जाल बिछाया। जैसे ही आवेदक ने सरपंच को पहली किस्त के रूप में 5,000 रुपए दिए, लोकायुक्त पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। इस घटना के बाद जनपद कार्यालय में हड़कंप मच गया।

ध्यानाकर्षण में कांग्रेस-भाजपा विधायकों ने गोवंश संरक्षण को लेकर दिए सुझाव, मंत्री पर सदन को भटकाने का आरोप

सड़क पर गोवंश से परेशानी, किसानों की फसलें हो रहीं बर्बाद, मिलकर निकालना होगा समाधान

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र में बुधवार को गोवंश संरक्षण को लेकर पक्ष विपक्ष के बीच जमकर तकरार हुई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर सदन को भटकाने का आरोप लगाया। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक अजय सिंह राहुल के ध्यानाकर्षण पर चर्चा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सड़कों पर गोवंश होने से सभी को परेशानी होती है। गो संवर्धन किसी एक पक्ष का विषय नहीं है, यह किसानों से भी जुड़ा है। ऐसे में इस गंभीर विषय पर सभी को मिलकर समाधान निकालना होगा। विधायक सिंह ने कहा कि निराश्रित गोवंश से किसानों की फसलें नष्ट हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आखिर किसान करें तो क्या करें, वह अपनी फसल की रखवाली करें या फिर निराश्रित गोवंश को ढूंढते फिरें। किसान रात-रात भर टॉर्च की रोशनी लेकर खेतों से गोवंश को भगाते-भगाते परेशान हो जाते हैं। संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि गौशालाएं यदि सही तरीके से संचालित होंगी, तो इसका सकारात्मक असर दिखेगा। ऐसे लोग जो गोवंश को सड़क पर छोड़ देते हैं, उन्हें भी सरकार यदि 40 रुपए प्रति गोवंश के हिसाब से राशि उपलब्ध कराए, तो गोवंश को सड़कों पर आने से रोका जा सकता है। विजयवर्गीय ने कहा कि इस दिशा में पिछले दो साल से सरकार बेहतर काम कर रही है। कई अच्छी योजनाओं की शुरआत हुई है। ऐसे में हमें यह उम्मीद है कि आने वाले एक दो सालों में गोवंश संरक्षण के मामले में मध्यप्रदेश देश के लिए उदाहरण बनेगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वर्तमान में सरकार को जीपीएस सिस्टम से निगरानी करानी चाहिए। कांग्रेस विधायक हेमंत काटरे ने कहा कि गोवंश संरक्षण को लेकर सदन में दिन भर चर्चा होनी चाहिए। मेरी चिंता यह है कि जब आवारा कुत्तों पर चर्चा होती, तो 47 मिनट यह सदन दे सकता है। जब हमारी मां समान गौ-माता का विषय है, हमारे किसानों का विषय है, तो इस सदन को इतनी जल्दी क्यों है, मैं तो कहता हूं कि इस पर पूरा दिन चर्चा क्यों नहीं हो सकती। इस पर संसदीय कार्यमंत्री विजयवर्गीय ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह परंपरा रही है कि अगर कोई सदस्य ध्यानाकर्षण लगाता है तो वह सदस्य दो प्रश्न पूछ सकता है। उन्होंने आसंदी से कहा कि आपने उस परपंरा को तोड़कर कितने सारे लोगों को मौका दिया है। इसके बाद भी यह एप्रिसिएट नहीं कर रहे हैं और उस पर आपको कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। मुझे इस बात का बहुत अफसोस है। इस पर कांग्रेस विधायक सोहन बाल्मीक ने कहा कि संसदीय कार्यमंत्री ऐसी कोई बात बोलते हैं, जिससे सदन भटक जाता है, आप सदन को भटकाने वाली बात करते हैं। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि मेरा दल, मेरे विधायक स्पीकर का सम्मान करते हैं, लेकिन बार-बार विषय भटकाने का काम चलता है। भाजपा विधायकों ने एतराज जताया और दोनों पक्षों के बीच बहस तेज हो गई।

सिंगरौली वन भूमि पर पेड़ों की कटाई को लेकर विस परिसर में कांग्रेस विधायकों ने प्रदर्शन किया।

आदिवासियों का हक छीन रही भाजपा

सदन में सिंगरौली में कोल माइंस के लिए पेड़ काटे जाने का मामला भी उठा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा और सरकार आदिवासियों का हक छीनने की कोशिश कर रही है। विधायक जयवर्धन सिंह ने आरोप लगाया कि जब भी कांग्रेस आदिवासियों की जमीन हड़पने या पेड़-पौधे काटने का आरोप लगाती है,भाजपा नेताओं को बैचेनी होने लगती है और उनके द्वारा आपत्ति लगाई जाने लगती है। इस पर सिंगरौली के भाजपा विधायक रामनिवास शाह ने कहा कि पेड़ कटाई से सिंगरौली को एक पैसे का भी नुकसान नहीं हुआ है। कोल माइंस के लिए पेड़ काटना जरूरी है, क्योंकि ऐसा नहीं होगा, तो माइंस से कोयले का खनन कैसे हो पाएगा। शाह ने कहा कि पेड़ कटाई की जगह यदि विस्थापन और मुआवजे की बात सदन में की जाएगी,तो इससे आदिवासियों का फायदा होगा। असली समस्या जमीन,विस्थापन और मुआवजे की है,जिस पर सरकार गंभीर है और इस दिशा में लगातार काम भी कर रही है।

मॉडल फायर एक्ट पर काम जारी, जल्द होगा लागू

विधानसभा में भाजपा विधायक डॉ.अभिलाष पांडे के ध्यानाकर्षण का जवाब देते हुए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि राज्य में मॉडल फायर एक्ट के आधार पर कानून बनाने की दिशा में काम चल रहा है। तीन महीने पहले इसे लेकर बैठक हुई थी और अगले तीन महीने में निर्णय की स्थिति बन जाएगी। उन्होंने कहा कि आग लगने केवल घर और प्रतिष्ठान ही नहीं, बल्कि लोगों का विश्वास, सपना और जीवन भी प्रभावित होता है। इस दिशा में सरकार पूरी तरह से गंभीर है। इससे पहले डॉ. पांडेय ने ध्यानाकर्षण पर चर्चा के दौरान दूर -दराज क्षेत्रों में नए फायर स्टेशन बनाए जाने की मांग की थी।

झगड़े की वजह से भोपाल व इंदौर का मास्टर प्लान रुका

सदन में चर्चा के दौरान प्रदेश के इंदौर भोपाल सहित दूसरे शहरों के मास्टर प्लान नहीं जारी होने पर भी हंगामे की स्थिति निर्मित हुई। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि यह कितने दुर्भाग्य की बात है कि विभाग का मंत्री कह रहा है कि हमने मास्टर प्लान बना लिया है और मुख्यमंत्री के पास लंबित है। दोनों के झगड़े के कारण इंदौर जैसे ऐतिहासिक शहर का मास्टर प्लान अटका हुआ है। इस पर सदन के बाहर नेता प्रतिपक्ष ने भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह कितने दुर्भाग्य की बात है कि मुख्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास मंत्री को फ्री हैंड नहीं दे रहे हैं, जिससे इंदौर भोपाल जैसे बड़े शहरों के मास्टर प्लान रुके हुए हैं।

अच्छी सड़कों का दिखाया सपना, गड्ढों से परेशानी

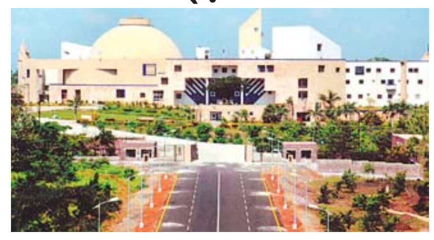

भोपाल। विधानसभा में बजट सत्र के आठवें दिन पीडब्ल्यूडी की मांग अनुदान पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि बजट में लोगों को बेहतर सड़कें होने की सपना दिखाया गया है, जबकि हकीकत यह है कि जमीन (सड़कों) पर गड्ढे लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि पिछले बजट में भी बहुत सारी घोषणाएं की गई थीं, लेकिन उनका क्या हुआ। भोपाल नेशल हाईवे 45 पर आरओबी गिरने के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा कि वे विकास के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि भ्रष्टाचार का विरोध कर रहे हैं। वरिष्ठ विधायक राजेन्द्र कुमार सिंह ने रोड सेफ्टी का मामला उठाते हुए कहा कि सत्ता पक्ष के विधायक कांग्रेस के जमाने की सड़कों को लेकर सवाल उठाते रहते हैं, लेकिन यह अर्धसत्य है। मैं मानता हूं कि कुछ सड़कें खराब थीं, लेकिन पूरी थी ऐसा नहीं है। उस समय परिस्थितियां कुछ और थीं, तब प्रदेश का बजट क्या था, उससे पहले पटवा सरकार में राज्य का बजट कितना था और उसके उपरांत बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान और अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार का बजट कितना है, यह अलग-अलग परिस्थितियों के चलते निर्मित हो रहा है।

भोपाल में मेट्रो लाइन पर डबल डेकर पुल बनाने की मांग: विधायक रामेश्वर शर्मा ने विभाग के कार्यो की तारीफ करते हुए कहा कि तेजी से प्रदेश का विकास हो रहा है। भाजपा के संकल्प पत्र में एक लाख किलोमीटर सड़कों के निर्माण और 500 से अधिक फ्लाईओवर बनाने का लक्ष्य रखा गया था, जिस पर प्रदेश में तेजी से काम जारी है। उन्होंने भोपाल में मेट्रो लाइन पर ही डबल डेकर पुल बनाए जाने की मांग की, जिससे शहर में नागरिकों को चौड़ी और व्यवस्थित सड़क मिल सके और एक ही लाइन में बीच में मेट्रो चले और ऊपर से वाहन निकल सकें, जबकि सड़कों पर आम यातायात हो।

संविदा स्वास्थ्यकर्मियों ने पक्की नौकरी के लिए किया प्रदर्शन

कई संगठनों ने मिलकर उठाई मांग, प्रदर्शन में एक महिला बेहोश, पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

नगर संवाददाता, भोपाल। नियमितीकरण सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधीन काम करने वाले हजारों संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने बुधवार को भोपाल में आंदोलन किया। बुधवार से शुरू हुआ यह प्रदेशव्यापी आंदोलन भोपाल में 'न्याय यात्रा' और सामूहिक हड़ताल के साथ तेज हो गया है। इससे जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। भोपाल के जेपी अस्पताल परिसर में करीब 3 हजार कर्मचारी प्रदर्शन के लिए जुटे। प्रदर्शनकारी जेपी अस्पताल के परिसर में स्थित स्वास्थ्य संचालनालय के सामने प्रदर्शन करते रहे। इस बीच भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारी यहां से सीएम हाउस जाने की भी जिद कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसमें धक्का मुक्की हुई और कई प्रदर्शनकारी नीचे भी गिरे। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कर्मचारी बेहोश होकर गिर पड़ी। वह अपने ढाई साल के बच्चे के साथ प्रदर्शन में शामिल होने पहुंची थीं। बच्चे को साथी कर्मचारियों ने संभाला। प्रदर्शन में एड्स कंट्रोल एम्प्लॉइज यूनियन, जॉइंट डेंगू-मलेरिया एम्प्लॉइज यूनियन, ऑल हेल्थ ऑफिसर्स एम्प्लॉइज फेडरेशन, कॉन्ट्रैक्ट आउटसोर्स्ड हेल्थ वर्कर्स यूनियन और नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि 2 फरवरी से संविदा कर्मचारी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहे। इसी वजह से पिछले दो दिनों से कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे थे। आज संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं से न्याय यात्रा निकालकर राजधानी में विरोध दर्ज कराया गया है, ताकि उनकी मांगें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच सकें।

कई साल से नहीं बढ़ाया अलाउंस: मध्य प्रदेश रेडियोलॉजी टेक्नीशियन एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र राजपूत ने कहा कि सरकारी रेडियोलॉजी टेक्नीशियन को पिछले 35 सालों से रेडिएशन अलाउंस के तौर पर सिर्फ 50 रुपए मिल रहे हैं। इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र समेत दूसरे राज्यों में अलाउंस 1,500 से 2,500 रुपये तक है। यह तब है जब लंबे समय तक रेडिएशन के संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। अब तक हमारे 20 साथियों की कैंसर से मौत हो चुकी है, और छह मरीजों का अभी भी इलाज चल रहा है।

100 लाख हैक्टेयर रकबे में सिंचाई लक्ष्य जल्द करेंगे हासिल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है कि राज्य की 100 लाख हैक्टेयर रकबा सिंचित हो सके। किसान कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की समृद्धि के लिए उनके खेतों में सिंचाई की भरपूर व्यवस्था की जाएगी, जिससे वे वर्ष भर फसलें ले सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में किसानों के हितों पर बात नहीं की गई। उनके शासन में प्रदेश की औद्योगिक ईकाइयों पर ताले लग गए थे। विधानसभा में पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिना अध्ययन अनर्गल आरोप लगाते हैं। बाबा महाकाल उन्हें सद्बुद्धि दें। राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए कि आजादी के बाद लंबे समय तक उनके दल की सरकार रही है,जिनका उनके पूर्वजों द्वारा नेतृत्व किया गया। अब उनकी पार्टी किसानों की आड़ में अपने स्वार्थ के लिए संभावनाओं के द्वार तलाश रहीं हैं। हालांकि उन्हें इसका लाभ मिलने वाला नहीं है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के समग्र विकास में किसानों के हितोंऔर

उनकी प्राथमिकताओं को हमेशा सर्वोपरि रखा हैं। प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रहित और वैश्विक स्तर पर राष्ट्र की प्रतिष्ठा ही सर्वोच्च महत्व का विषय हैं। कल्याणकारी नीतियों के आधार पर सरकार,किसान और खेतों के बीच एक अनुकूल वातावरण बना हैं। मध्यप्रदेश सरकार भी किसानों के साथ सदैव खड़ी है। सीएम ने कहा कि देश में पहली बार केन-बेतवा लिंक परियोजना आकार ले रही है। इससे पूरे बुंदेलखण्ड की तस्वीर बदलेंगी। सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। परियोजना के लिए 90 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है जबकि 10 प्रतिशत भार राज्य सरकार पर आएगा।

हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश, ढाई माह में 8 बाघों की हुई मौत

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के निर्देश पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर की ओर से बाघों की मौत को लेकर स्टेट्स रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि ढाई माह (21 नवंबर से 2 फरवरी तक) के अंतराल में 8 बाघों की मौत हुई है। इनमें से 4 की मौत टाइगर रिजर्व के अंदर हुई है तथा 4 की मौत सामान्य वन्य क्षेत्र में हुई है। टाइगर रिजर्व के अंदर चारों टाइगरों की मौत का कारण प्राकृतिक था, जबकि सामान्य वन्य क्षेत्र में चारों बाघों की मौत करंट से हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि मृतक बाघों के अवशेष पूरी तरह सुरक्षित थे। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को स्टेट्स रिपोर्ट पर जवाब पेश करने के निर्देश जारी करते हुए अगली सुनवाई 25 मार्च को निर्धारित की है। रिपोर्ट में कोर व बफर क्षेत्र में स्थित विद्युत लाइन के संबंध में बताया गया कि टाइगर रिजर्व के संवेदनशील क्षेत्रों में बिजली लाइन की सुदृढीकरण व वन्यजीव सुरक्षा मानकों के पालन हेतु विद्युत विभाग को पत्र लिखे हैं। भोपाल निवासी वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे की ओर से जनहित याचिका दायर कर कहा गया था कि टागईर स्टेट होने के बावजूद भी साल 2025 में मध्य प्रदेश में 54 टाइगर की मौत हुई है। वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने बताया कि प्रदेश में साल 2022 में 43 मौतें, साल 2023 में 45 मौतें, साल 2024 में 46 मौतें हुई थी। देश में टाइगर प्रोजेक्ट की शुरुआत साल 1973 में मौत हुई थी। प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद प्रदेश में सबसे अधिक टाइगरों की मौत साल 2025 में हुई है।

4 लाख 42 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये अब तक 4 लाख 42 हजार 288 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। किसान 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय में पंजीयन जरूर करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केंद्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रुपये अधिक है।

सिंघार बोले-बड़ी कुर्सी पर नजर, यहीं रहने दो: शाह

बिना भेदभाव के आदिवासी विधायकों के क्षेत्रों में 10-10 करोड़ के विकास कार्य कराए जाएंगे

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा में बुधवार को जनजातीय कार्य विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा हुई। इस दौरान मंत्री विजय शाह ने एलान किया कि बिना भेदभाव किए राज्य के सभी आदिवासी विधायकों के क्षेत्रों में 10-10 करोड़ के विकास कार्य कराए जाएंगे। शाह ने कहा कि विधायकों ने जो सुझाव दिए हैं, उसी आधार पर विभाग काम करेगा। हम आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता पहले आदिवासी क्षेत्रों की है। इस पर कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि इतनी देर से मंत्री का जवाब सुनने जो विधायक सदन में बैठे हैं, क्या वह सब पागल हैं, इस पर मंत्री ने कहा कि सभी के यहां काम करेंगे, लेकिन पहले आदिवासी विधायकों के यहां फोकस रहेगा। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मंत्री के भाषण से ऐसा लगता है कि उनकी निगाहें बड़ी कुर्सी पर हैं। इस पर मंत्री शाह ने हंसते हुए कहा भैया यहीं रहने दो। उल्लेखीय है कि पिछले दिनों कांग्रेस ने सेना के महिला अधिकारी के बयान मामले पर मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की मांग की थी।

स्पीकर बोले- कलेक्टरों को दो निर्देश

विधानसभा में जिला खनिज फंड (डीएमएफ) का मामला उठा। चर्चा के बीच विधानसभाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने विभागीय मंत्री को निर्देशित किया कि वे कलेक्टरों से कहें कि समय पर बैठक कर डीएमएफ की राशि जारी करें। दरअसल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी द्वारा यह मामला सदन में उठाया गया था। उनके द्वारा इस मद में 3 वर्षो में कितनी राशि वितरित हुई जानकारी मांगी गई, लेकिन जवाब में उन्हें वर्ष 2003 की जानकारी दी गई। इस पर विधायक ने एतराज जताया। उन्होंने कहा कि जब क्षेत्र से भी खनिज मद में राशि संग्रहित होती है,तो बराबर हिस्सा मिलना चाहिए तथा विकास कार्यो को स्वीकृति दी जानी चाहिए। जवाब में चेतन्य कश्यप ने बताया कि शाजापुर में बैठक हुई थी, जिसमें 46 लाख रुपए जिला स्तर पर खर्च हुए और 6 करोड़ राज्य मद से विभिन्न क्षेत्रों में व्यय किए गए। वे कलेक्टर को निर्देशित करेंगे कि एक या दो माह में बैठक कर लें, जिसमें विधायक अपने प्रस्ताव रख दें,उनकी जो प्राथमिकताएं हैं उसके अनुसार कार्यो को स्वीकृत कर देंगे।

परेशानी — प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति में अधिकारियों-कर्मचारियों को वेतन के लाले

ओएसडी के अभाव में अटके भुगतान, इंटरनेट बंद

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति में ओएसडी के अभाव में प्रशासनिक समस्याएं आ रही हैं। यहां तक फीस कमेटी अध्यक्ष तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उन्होंने नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए। इससे फीस कमेटी की आर्थिक स्थिति खड़खड़ा गई है। बिल का भुगतान नहीं होने पर इंटरनेट कनेक्शन काट दिए गए हैं। टेलीफोन के कनेक्शन भी भुगतान नहीं होने की दशा में बंद कर दिए गए हैं। ओएसडी के अभाव में कमेटी के सामने कालेजों की फीस प्रस्तुत करने वाला कोई समक्ष अधिकारी मौजूद नहीं हैं। इसके बाद भी कमेटी अक्षम व्यक्ति से प्रस्ताव प्रस्तुत कराकर फीस निर्धारित करने का कार्य कर रही है, जिसका विरोध हो सकता है। ओएसडी आलोक

चौबे को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय महात्मा के कुलगुरु नियुक्त हो गया है। चार माह से ओएसडी की कुर्सी रिक्त बनी हुई है। इसके चलते फीस कमेटी के दिसंबर ओर जनवरी माह के बिजली के बिल, टेलीफोन के बिल, आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं हो सका है। भुगतान के अभाव में फीस कमेटी का इंटरनेट कनेक्शन कट कर दिया गया है। तकनीकी शिक्षा विभाग तीन माह में एक ओएसडी की तलाश कर फीस कमेटी में नियुक्त नहीं कर पाया है। फरवरी माह भी समाप्त हो रहा है। इससे कर्मचारी और अधिकारियों को अपने वेतन का भुगतान नहीं होने का भय भी सता रहा है। फीस कमेटी के अध्यक्ष रविंद्र रामचंद्र कान्हेरे कई बार विभागीय मंत्री इंदर सिंह परमार से ओएसडी नियुक्त करने के लिए कह चुके हैं। यहां तक उनके बंगले पर पहुंचकर मौजूदा स्थिति तक से अवगत करा दिया था। इसके बाद भी ओएसडी की नियुक्ति नही को सकी है। जानकारी के मुताबिक ओएसडी नियुक्ति संबंधी फाइल को विभाग के पास भेज दिया गया है, लेकिन फाइल पर अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। इससे ओएसडी की नियुक्ति रुकी हुई है।

जोर लगा रहे प्रोफेसर

फीस कमेटी में ओएसडी प्रोफेसर जोर लगा रहे हैं। यहां तक आधा दर्जन प्रोफेसर फीस कमेटी में अपने बायोडाटा तक प्रस्तुत कर चुके हैं, जो शासन के पास भेज दिए गए हैं। वर्तमान में फीस कमेटी ने प्रदेशभर के सभी कोर्स की आगामी तीन सत्रों की फीस निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव जमा कराना शुरू कर दिया है। ओएसडी के अभाव में सभी कार्य लंबित हो रहे हैं।

> ओएसडी नियुक्त करने के लिए शासन स्तर पर चर्चा हो चुकी है, लेकिन नियुक्ति नहीं हो सकी है।
>
> **रविंद्र रामचंद्र कान्हेरे अध्यक्ष,** फीस कमेटी

सीएम आज भीलवाड़ा में निवेशकों से करेंगे चर्चा

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 फरवरी को भीलवाड़ा के प्रवास पर रहेंगे, जहां मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं पर आयोजित इंटरैक्टिव सेशन' शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा के 'द ऑरियम रिसॉर्ट्स एंड इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर' में 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' पहल के अंतर्गत इंटरैक्टिव सेशन किया जा रहा है, जिसमें उद्योग जगत के प्रतिनिधि, प्रमुख औद्योगिक समूह और निवेशक भाग लेंगे। जिसमें डॉ. यादव इंटरैक्टिव सेशन में निवेशकों से संवाद करेंगे और राज्य की औद्योगिक नीतियों, निवेश-अनुकूल वातावरण तथा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति देंगे। सेशन में एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप एवं मेवाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित प्रमुख उद्योगपति भी विचार साझा करेंगे।

आयुर्वेद यूजी का कैलेंडर हुआ जारी, अप्रैल में होंगी परीक्षाएं

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रदेश समेत देशभर के आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों के लिए शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया गया है। जानकारी अनुसार सत्र 2025-26 में नीट आधार पर प्रदेश समेत देशभर के आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों में साढ़े पांच वर्षीय यूजी डिग्री बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एण्ड सर्जरी (आयुवेर्दाचार्य बीएएमएस) में प्रवेश हो चुके हैं। एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार फर्स्ट प्रॉफ के प्रथम टर्म एग्जाम अप्रैल 2026 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में होंगे। सेकेण्ड टर्म परीक्षा अक्टूबर 2026 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में होंगे। मुख्य विश्वविद्यालय परीक्षा मार्च 2027 के तीसरे सप्ताह में होगी। परीक्षा परिणाम 30 अप्रैल 2027 के पूर्व जारी करना होगा। सेकेण्ड प्रॉफ का फर्स्ट टर्म परीक्षा अक्टूबर 2027 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में, सेकंड टर्म अप्रैल 2028 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में होगा। मुख्य विश्वविद्यालय परीक्षा सितंबर 2028 माह के तीसरे सप्ताह में होगी। परिणाम 31 अक्टूबर 2028 के पूर्व जारी करना होगा।

एक वर्ष की होगी इंटर्नशिप: थर्ड प्रॉफ की फर्स्ट टर्म परीक्षा अप्रैल 2029 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में, सेकेण्ड टर्म परीक्षा अक्टूबर 2029 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में होगी। मुख्य यूनिवर्सिटी परीक्षा मार्च 2030 माह के तीसरे सप्ताह में होंगी। परिणाम 30 अप्रैल 2030 के पूर्व जारी करना होगा। 2025-26 बैच की अनिवार्य एक वर्ष की इंटर्नशिप एक मई 2030 से प्रारंभ होगी।

सेना में मेजर, पेशे से डिजाइनर: भारत में छाया थाई प्रिंसेस का मॉडर्न साड़ी लुक

नई दिल्ली, जेएनएन। थाइलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारिराताना जब चार दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचीं, तो उन्होंने महज कूटनीतिक रिश्तों को ही नहीं, बल्कि फैशन की दुनिया को भी नया अंदाज दे दिया। थाईलैंड की यह 39 वर्षीय राजकुमारी सेना में मेजर होने के साथ-साथ एक जानी-मानी फैशन डिजाइनर भी हैं। भारत में उन्होंने साड़ी को मॉडर्न ट्विस्ट देकर ऐसा शाही लुक पेश किया, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। राजकुमारी का यह दौरा भारत-थाईलैंड सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए था, लेकिन उनका स्टाइल स्टेटमेंट भी चर्चा में रहा। पारंपरिक साड़ी को नए अंदाज में पहनकर उन्होंने दिखाया कि फैशन के जरिए भी सांस्कृतिक जुड़ाव को खास बनाया जा सकता है।

ब्लू साड़ी में फ्यूजन अंदाज

राजकुमारी ने रॉयल ब्लू रंग की साड़ी पहनी, जिस पर येलो और गोल्डन प्रिंटेड पैटर्न थे। शीयर फैब्रिक वाली इस साड़ी को उन्होंने पारंपरिक प्लीट्स की जगह रैप-स्कर्ट स्टाइल में ड्रेप किया। पल्लू को कंधे पर प्लीट्स में लेकर पीछे से दूसरे कंधे पर पिनअप किया गया, जिससे साइड लॉन्ग ट्रेल जैसा इफेक्ट दिखा। मांग टीका, स्टेटमेंट इयररिंग्स और रेड लिप्स ने लुक को और उभार दिया।

गाउन में भी देसी टच

राजकुमारी ने साड़ी से प्रेरित गाउन भी पहने। एक व्हाइट साटन वन-शोल्डर गाउन के बॉर्डर पर लेस फ्लोरल पैटर्न देकर पल्लू जैसा फील दिया गया। वहीं गोल्डन-बेज टेक्सचर्ड गाउन में वेस्ट पर बो डिटेलिंग और वी-कट हेमलाइन ने इसे मॉडर्न-देसी ब्लेंड बना दिया। डायमंड जूलरी और सॉफ्ट ग्लैम मेकअप ने उनके लुक को और निखारा।

शर्ट ब्लाउज के साथ ग्रीन बनारसी

ग्रीन बनारसी साड़ी में भी उन्होंने नया प्रयोग किया। सुनहरे जरी बॉर्डर और फ्लोरल पैटर्न वाली साड़ी को उन्होंने पारंपरिक ब्लाउज की बजाय कॉलर डिटेलिंग वाले शर्ट-स्टाइल ब्लाउज के साथ पेयर किया। ऑफ-व्हाइट शेड के इस ब्लाउज में ग्रीन ब्रेड लटकन का डिटेलिंग लुक को खास बना गया। डायमंड और एमराल्ड जूलरी के साथ उनका यह अंदाज क्लास और रॉयल्टी का बेहतरीन मिश्रण लगा।

संक्षिप्त समाचार

स्टाफ मीटिंग में एपस्टीन पर बिल ने ली जिम्मेदारी

वॉशिंगटन, जेएनएन। बिल गेट्स ने अपनी परोपकारी संस्था के कर्मचारियों के साथ हुई एक आंतरिक बैठक में जेफ्री एपस्टीन से जुड़े अपने संबंधों की लेकर 'जिम्मेदारी' ली। यह जानकारी गेट्स फाउंडेशन ने एक आधिकारिक बयान में दी है। फाउंडेशन के अनुसार, यह निर्धारित 'टाउन हॉल' मीटिंग थी, जो साल में दो बार आयोजित की जाती है। बयान में कहा गया, 'बिल ने खुले तौर पर बातचीत की, कई सवालों का विस्तार से जवाब दिया और अपने कार्यों की जिम्मेदारी ली।' मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गेट्स ने कर्मचारियों से माफी मांगते हुए कहा कि एपस्टीन के साथ समय बिताना 'एक बहुत बड़ी गलती' थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा, 'मैंने कुछ भी अवैध नहीं किया। मैंने कुछ भी अवैध होते नहीं देखा।' रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि गेट्स ने दो रूसी महिलाओं के साथ संबंधों का जिक्र किया, जिनकी जानकारी बाद में एपस्टीन को हो गई थी। हालांकि, गेट्स पर एपस्टीन के किसी भी पीड़ित द्वारा कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

एसआईआर पर सुको का आदेश

पहचान के लिए एडमिट कार्ड अकेले मान्य नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड अकेले पहचान के रूप में मान्य नहीं होगा। अदालत ने कहा कि एडमिट कार्ड केवल एक सहायक (पूरक) दस्तावेज है और इसे तभी स्वीकार किया जाएगा जब उसके साथ संबंधित मार्कशीट भी प्रस्तुत की जाए। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाला बागची की बेंच ने की। सीनियर एडवोकेट डीएस नायडू ने अदालत से पूछा था कि क्या कक्षा 8वीं का एडमिट कार्ड अपने आप में पहचान पत्र के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस पर बेंच ने कहा कि कक्षा 8वीं की मार्कशीट पहचान सत्यापन के लिए मान्य दस्तावेजों में शामिल है, जबकि एडमिट कार्ड केवल उसकी पुष्टि के लिए जोड़ा जा सकता है। अदालत ने दो टूक कहा कि एडमिट कार्ड 'अकेले पहचान का आधार नहीं बन सकता।'

बॉयफ्रेंड के सामने 7 लोगों ने किया महिला से गैंगरेप

गुवाहाटी/सिलचर, जेएनएन। असम के सिलचर (कछार जिला) के पास 28 वर्षीय महिला के साथ उसके बॉयफ्रेंड के सामने 7 लोगों द्वारा गैंगरेप का मामला सामने आया है। शिकायत 19 फरवरी को दर्ज कराई गई। पुलिस ने अब तक 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 5 फरार हैं। परिजनों के अनुसार, महिला अपने बॉयफ्रेंड के साथ सिलचर शहर से कुछ किलोमीटर दूर बाईपास रोड पर कार में थी। तभी एक एसयूवी में सवार कुछ लोग वहां पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने पहले कपल से ठिकाने के बारे में पूछा और फिर अचानक दोनों पर हमला कर दिया। पीड़िता के बयान के मुताबिक, वहां मौजूद करीब 7 लोगों ने उसके दोस्त को काबू में कर लिया और उसके सामने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। पुलिस ने बताया कि दुष्कर्म के बाद एक आरोपी ने महिला से उसके खाते में 10,000 रुपए ट्रांसफर कराए। मामले में लूट और धमकी के आरोप भी जोड़े गए हैं। पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने 2 आरोपियों की पहचान की, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी 5 की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

दूसरे 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ने किए बड़े दावे

भारत-पाक की जंग रुकवाई: ट्रंप विपक्ष बोला- बढ़ा चढ़ाकर बता रहे

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अमेरिकी संसद में अपना दूसरा 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन दिया। करीब 1 घंटा 50 मिनट चले भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा पर कई बड़े दावे किए। ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध टाल दिया। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से दावा किया कि संभावित परमाणु संघर्ष में 3.5 करोड़ (35 मिलियन) लोगों की मौत हो सकती थी। हालांकि भारत पहले भी इस दावे को खारिज करता रहा है। ट्रम्प यह बात सार्वजनिक मंचों पर 100 से ज्यादा बार दोहरा चुके हैं।

ट्रंप ने गाजा में इजराइल-हमास के बीच हुए संघर्ष विराम को अपनी कूटनीतिक सफलता बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से सभी इजराइली बंधकों की रिहाई संभव हुई और क्षेत्र में अस्थायी शांति आई।

ईरान को लेकर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल जुलाई में कार्रवाई कर उसका परमाणु कार्यक्रम 'तबाह' कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच महंगाई विरोधी प्रदर्शनों में ईरान में 32,000 लोगों की मौत हुई। साथ ही चेतावनी दी कि ईरान यूरोप और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने वाली मिसाइल क्षमता रखता है।

वेनेजुएला 'नया दोस्त', तेल उत्पादन बढ़ा

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका में तेल उत्पादन रोजाना 6 लाख बैरल से अधिक बढ़ा है। उन्होंने वेनेजुएला को अमेरिका का 'नया दोस्त' बताते हुए वहां ऊर्जा सहयोग बढ़ाने की बात कही। ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए 15 फीसदी नए वैश्विक टैरिफ लागू करने की मंशा जताई। उन्होंने कहा कि उनकी नीतियों से महंगाई में गिरावट आ रही है और डेमोक्रेट्स को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया।

भाषण के दौरान हंगामा

- डेमोक्रेटिक सांसद एल ग्रीन को विरोध के दौरान हाउस चैंबर से बाहर कर दिया गया।
- सोमाली-अमेरिकी सांसद इल्हान उमर ने ट्रंप पर तीखी टिप्पणी की, जिस पर ट्रंप ने पलटवार किया।
- कुछ सांसदों ने 'फाइलें जारी करो' जैसे बैज पहनकर विरोध जताया।

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए वर्जीनिया की गवर्नर एबिगेल स्पानबर्गर ने कहा कि राष्ट्रपति ने उपलब्धियों का बढ़ा-चढ़ाकर बखान किया, लेकिन रूस और चीन के मुद्दे पर ठोस रणनीति पेश नहीं की। उन्होंने ट्रंप पर झूठ बोलने और देश की समस्याओं से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया।

ब्राजील में रिकॉर्ड बारिश से बाढ़ और भूस्खलन: 25 की मौत, सैकड़ों बेघर

ब्राजील के जुइज दे फोरा में बुधवार को भूस्खलन से हुई तबाही का मंजर।

ब्रासीलिया/मिनास गेरैस। ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी राज्य मिनास गेरैस में रिकॉर्ड मूसलाधार बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार शाम शुरू हुई तेज बारिश के बाद सबसे ज्यादा तबाही जुइज दे फोरा और उबा में दर्ज की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जुइज दे फोरा में 18 और उबा में 7 लोगों की जान गई। कई घर और इमारतें ढह गईं, जबकि दर्जनों लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीमें मलबे में फंसे लोगों की तलाश में लगातार अभियान चला रही हैं। सिर्फ जुइज दे फोरा शहर में ही करीब 440 लोग बेघर हो गए हैं। प्रशासन ने अस्थायी शेल्टर बनाए हैं और राहत सामग्री की अपील की है। शहर के मेयर ने तीन दिन का शोक घोषित किया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डिसिल्वा ने जुइज दे फोरा में 'स्टेट ऑफ कैलामिटी' घोषित किया है। उन्होंने मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया। संघीय एजेंसियां स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत कार्य में जुटी हैं। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि यह फरवरी जुइज दे फोरा के इतिहास की सबसे ज्यादा बारिश वाली रही है। मौसम विभाग ने मिनास गेरैस और रियो डि जेनेरो समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

अमेरिका में भीषण बर्फीला तूफान, बोस्टन में 153 साल में पहली बार नहीं छपा अखबार

वॉशिंगटन डीसी/न्यूयॉर्क, जेएनएन। अमेरिका के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में आए भीषण बर्फीले तूफान ने जनजीवन को ठप कर दिया है। रविवार से मंगलवार के बीच देशभर में 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही 5,600-5,700 फ्लाइट कैंसिल हुईं, जो कुल उड़ानों का लगभग 20 फीसदी थीं। बर्फबारी का असर मीडिया संस्थानों पर भी पड़ा। हालात यह हैं कि बोस्टन का प्रतिष्ठित अखबार द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार प्रिंट संस्करण नहीं निकाल सका, क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए।

37 इंच तक बर्फ, रिकॉर्ड टूटा

- रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में 37 इंच तक बर्फ गिरी।
- न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में 20 इंच बर्फ दर्ज हुई।
- लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप इलाके में 22 इंच से ज्यादा बर्फ पड़ी।
- प्रोविडेंस (रोड आइलैंड) में 32.8 इंच बर्फबारी हुई, जिसने 1978 का 28.6 इंच का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वरमाला के दौरान दुल्हन को गोली मारकर आरोपी फरार

बक्सर (बिहार), जेएनएन। बिहार के बक्सर जिले में चौसा पंचायत के मल्लाह टोला में वरमाला की रस्म के दौरान दुल्हन को गोली मार दी गई। वारदात के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल दुल्हन को पहले सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। वहां उसका ऑपरेशन जारी है।

जानकारी के अनुसार, नंद मल्लाह की 18 वर्षीय बेटी आरती की शादी थी। बारात के स्वागत और रस्मों के बाद वरमाला के लिए स्टेज सजाया गया था। इसी दौरान एक युवक चेहरे पर नकाब बांधकर शादी समारोह में घुसा। वह लड़कियों के बीच से होते हुए स्टेज के सामने पहुंचा और अचानक पिस्टल निकालकर दुल्हन की ओर फायर कर दिया। गोली दुल्हन के पेट में लगी। तेज डीजे और शादी के शोर में फायरिंग की आवाज दब गई, लेकिन कुछ ही सेकेंड में दुल्हन स्टेज पर गिर पड़ी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक युवती दूल्हा-दुल्हन की आरती उतार रही है और उसी समय आरोपी सामने से गोली चलाता दिखाई देता है।

दुल्हन ने लिया आरोपी का नाम: परिजन दुल्हन को अस्पताल लेकर भागे। रास्ते में आरती ने बताया कि उसे दीनबंधु ने गोली मारी है। आरोपी युवक पड़ोसी है और लड़की से एकतरफा प्रेम करता था। लड़के पक्ष ने कहा कि उन्हें किसी प्रेम प्रसंग की जानकारी नहीं थी। घटना के बाद बारात लौट गई।

आरोपी के पिता हिरासत में: पुलिस ने आरोपी के पिता रमाशंकर चौधरी को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें बेटे के प्रेम संबंध की जानकारी नहीं थी। पता होता तो समाज और प्रशासन के सामने बात रखकर शादी कराने की कोशिश करते।

इंडिगो फ्लाइट में 200 से ज्यादा यात्री 4 घंटे फंसे

नई दिल्ली, जेएनएन। चेन्नई से सिंगापुर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई1025 24 फरवरी को तकनीकी कारणों से करीब 5 घंटे लेट हो गई। इससे विमान में बैठे 200 से ज्यादा यात्री रनवे पर फंसे रहे। उन्होंने जानकारी के अभाव और एयर कंडीशनिंग की समस्या को लेकर भी नाराजगी जताई। घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में यात्री क्रू से टेक-ऑफ में देरी का कारण पूछते दिख रहे हैं। एक यात्री ने आरोप लगाया कि विमान के अंदर एयर कंडीशनिंग बार-बार बंद हो रही है, जिससे सांस लेने में दिक्कत हो रही है। एक अन्य यात्री ने कहा कि वे सुबह 7 बजे से इंतजार कर रहे हैं और उन्हें कोई जानकारी नहीं दी जा रही। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में दावा किया गया कि यात्री 4 घंटे से अधिक समय तक विमान में बिना वेंटिलेशन और खाना के बैठे रहे। यात्रियों ने यह भी दावा किया कि फ्लाइट पहले तकनीकी खराबी के कारण लेट हुई। इसके बाद ड्यूटी टाइम खत्म होने का हवाला देते हुए पायलट भी विमान से उतर गया। दूसरा पायलट लगभग 11 बजे पहुंचा। इसके बाद दोपहर में विमान ने उड़ान भरी। इंडिगो के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि फ्लाइट एक छोटी तकनीकी खराबी के कारण बे (पार्किंग) पर लौट आई थी।

3,005 युवाओं के सर्वे में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

55 फीसदी ग्रामीण युवा रोज कर रहे एआई का इस्तेमाल

देश के ग्रामीण इलाकों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यूथ एआई एस्पेरेशन एंड एडॉप्शन रिपोर्ट के अनुसार, 55 फीसदी ग्रामीण युवा लगभग रोजाना एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह रिपोर्ट 3,005 ग्रामीण युवाओं के जवाबों पर आधारित है और इसे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जारी किया गया।

भाषा और लेखन में मदद

सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण युवाओं के लिए एआई सबसे ज्यादा भाषा और लेखन से जुड़ी जरूरतों में मददगार साबित हो रहा है। इसमें स्कूल का होमवर्क, रिज्यूमे बनाना और ऑनलाइन जॉब आवेदन शामिल हैं।

46% युवा एआई का उपयोग ट्रांसलेशन के लिए करते हैं।

33% युवा लेखन सहायता के लिए एआई पर निर्भर हैं।

28% युवा कभी-कभी एआई का उपयोग करते हैं।

17% युवाओं ने कहा कि वे एआई का बिल्कुल इस्तेमाल नहीं करते

रोजगार में उपयोग फिलहाल सीमित

- 14 फीसदी युवा ही कर रहे हैं कमाई के लिए एआई का उपयोग
- 90 फीसदी (10 में से 9) युवा सरकारी प्रमाणित एआई कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं।
- 61 फीसदी युवाओं का मानना है कि एआई सर्टिफिकेट से नौकरी मिलने की संभावना बढ़ेगी।

लागू होगी बेस्ट ऑफ सिक्स पद्धति, 10वीं में 7 और 12वीं में होंगे 6 विषय के पेपर

मंडल सत्र 2026-27 में लागू करेगा नई व्यवस्था, एनएसक्यूएफ का होगा नया पेपर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल आगामी सत्र 2026-27 में बेस्ट ऑफ सिक्स पद्धति लागू करने जा रहा है। इसके तहत दसवीं के विद्यार्थियों को सात और बारहवीं में छह विषयों की परीक्षा देनी होगी। अतिरिक्त विषय के तौर पर नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) को जोड़ा जा रहा है। शासन ने मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। बता दें कि गत वर्ष बेस्ट आफ फाइव पद्धति को बंद कर दिया गया था। अभी दसवीं के विद्यार्थी पांच और बारहवीं में छह विषयों की परीक्षा दे रहे थे। अब मंडल ने दोनों परीक्षाओं में एनएसक्यूएफ (व्यावसायिक कोर्स) का पेपर अनिवार्य कर दिया है। इससे आगामी सत्र 2026-27 में दसवीं में सात विषयों की परीक्षा देनी होगी। इसमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और एनएसक्यूएफ का पेपर शामिल किया गया है। इसमें सभी विषयों के पेपर की परीक्षा अनिवार्य होगी। उक्त छह विषयों में सबसे ज्यादा नंबरों के आधार पर दसवीं का रिजल्ट बनेगा। मौजूदा स्थिति में बारहवीं में पांच विषय की परीक्षा हो रही है, जिसमें छठवें विषय के रूप में एनएसक्यूएफ को शामिल किया गया है।

दसवीं की परीक्षा में बेस्ट ऑफ सिक्स का प्रस्ताव है। बारहवीं में छह विषय के पेपर होंगे। इसका प्रस्ताव शासन को भेजा था। शासन से अनुमति मिल गई है, जो आगले सत्र से लागू होगा।

बुद्धेश कुमार वैद्य, सचिव मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल

बरसाना: चेहरे पर घूंघट, हाथ में लट्ठ

लट्ठमार होली, 20 क्विंटल गुलाल, हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश

मथुरा, जेएनएन। बरसाना में बुधवार को विश्वप्रसिद्ध लट्ठमार होली का अनोखा नजारा देखने को मिला। चेहरे पर घूंघट और हाथ में लट्ठ लिए बरसाना की हुरियारिनें, सामने ढाल थामे नंदगांव से आए हुरियारों पर जमकर बरसीं। इस रंग-उत्सव को देखने के लिए देश-विदेश से करीब 20 लाख श्रद्धालु और पर्यटक मथुरा पहुंचे। रंगीली गली और कुंज गलियों में करीब 20 क्विंटल गुलाल उड़ाया गया। माहौल को और भव्य बनाने के लिए हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश की गई। चारों ओर अबीर-गुलाल का रंग, ढोल-नगाड़ों की गूंज और होली गीतों पर झूमते भक्तों ने पूरे बरसाना को रंगमय कर दिया। मान्यता के अनुसार, बरसाना राधारानी का जन्मस्थान है और नंदगांव श्रीकृष्ण की बाल-लीला भूमि।

पुलिस से भी खेली होली

नंदगांव से आए हुरियारों के पहुंचने से पहले सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ भी महिलाओं ने प्रतीकात्मक लट्ठमार होली खेली। इसके बाद हुरियारे श्रीजी मंदिर में ध्वजा लेकर पहुंचे और राधारानी के चरणों में प्रणाम किया। मंगलवार को राधा रानी मंदिर में लड्डूमार होली का आयोजन हुआ था, जिसके बाद बुधवार को लट्ठमार होली खेली गई।

सख्ती: विमान कितना पुराना बतानी होगी मेंटेनेंस हिस्ट्री

नई दिल्ली, जेएनएन। एविएशन पर नजर रखने वाली संस्था डीजीसीए ने नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर (चार्टेड प्लेन, एयर एंबुलेंस) के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। अब ऑपरेटर्स को अपनी वेबसाइट पर प्लेन की मेंटेनेंस हिस्ट्री को सार्वजनिक करना होगा। इसके साथ ही यह भी बताना होगा कि विमान कितना पुराना है। दरअसल, झारखंड में एक चार्टेड प्लेन के क्रैश होने के बाद डीजीसीए ने मंगलवार को ऐसे सभी ऑपरेटर्स के साथ एक मीटिंग की। इसमें ऑपरेटर्स को उनके सेफ्टी रिकॉर्ड के आधार पर रैंक करने का भी प्रस्ताव दिया गया है। हालांकि यह रैंकिंग डीजीसीए की वेबसाइट पर डाली जाएगी। डीजीसीए ने यह फैसला पिछले एक महीने में नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर से संचालित दो चार्टेड विमानों के क्रैश होने के बाद लिया है।

ऐशबाग में बने 90 डिग्री पुल का मामला सदन में गूंजा

90 डिग्री पुल गलत नहीं: मंत्री तो कार्रवाई क्यों की: विधायक

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा में बजट सत्र के आठवें दिन बुधवार को लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांगों को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान सत्ता व विपक्ष के बीच बहस हुई। भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र में बने 90 डिग्री पुल पर कांग्रेस विधायक ने सवाल खड़े किए, तो विभागीय मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि देश-दुनिया में कई 90 डिग्री पुल बने हुए हैं। ऐसे पुल बनना गैर काबिलियत का पैमाना नहीं है। इस पर विधायक ने सवाल पूछा तो फिर इस मामले में अधिकारियों को निलंबित क्यों किया गया। दरअसल, सदन में लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांगों को लेकर चर्चा की गई, जिसमें कई विधायकों ने अपनी बात रखी। कांग्रेस विधायक महेश परमार ने भोपाल में बनाए गए 90 डिग्री पुल को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने इस मामले में विभागीय अधिकारियों को घेरते हुए कहा कि यह मामला पूरे देश में सबसे ज्यादा चर्चा में रहा है। उन्होंने कहा कि मप्र पीडब्ल्यूडी की पहचान भ्रष्टाचार के तौर पर की जा रही है। विभाग के एक अधिकारी के भ्रष्टाचार जगजाहिर हुए हैं। आखिर किस मानक और किस इंजीनियरिंग के तहत पुल को बनाया गया। इस पर मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि 90 डिग्री का पुल बनाने पर किसी की काबिलियत पर सवाल खड़े नहीं किए जा सकते। दुनियाभर में ऐसे पुल निर्मित कराए गए हैं। इस पर परमार ने पूरक सवाल किया, तो विभाग ने फिर इस पुल के निर्माण से जुड़े अधिकारियों को सस्पेंड क्यों किया। संबंधित अधिकारियों को प्रोत्साहित क्यों नहीं किया गया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसे अधिकारियों के नाम सार्वजनिक कर सूची चस्पा कराई जानी चाहिए।

इंदौर मेट्रो में पार्किंग की व्यवस्था नहीं: परमार

बहस के दौरान परमार ने इंदौर मेट्रो से जुड़ा मामला उठाते हुए कहा कि वहां पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं की गई है। क्या एआई के माध्यम से वाहनों की पार्किंग कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेट्रो ट्रेन पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की देन है। इस पर मंत्री सिंह ने कहा कि मेट्रो उनके विभाग के तहत नहीं आता, तब परमार ने कहा कि आपकी पार्टी के विधायक इस मेट्रो को लेकर आपकी तारीफ कर रहे थे, तब आपने उन्हें टोका क्यों नहीं।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

700 ▲ 82,276

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
HCL Tech	1,391.40	2.91%
Bajaj Auto	10,160.00	2.73%
Tata Steel	216.45	2.63%
Shriram Finance	1,095.00	2.28%
Adani Enterpris	2,237.30	2.23%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Reliance	1,440.50	-2.12%
SBI	1,228.10	-1.90%
Adani Ports	1,584.00	-1.72%
Eternal	256.60	-1.50%
Bharti Airtel	1,961.80	-1.42%

फॉरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	90.950
यूरो	107.92
येन	0.5807
पौंड	122.97

700 अंक ऊपर चढ़ने के बाद सेंसेक्स 82,276 पर बंद

मुंबई, जेएनएन। शेयर बाजार 25 फरवरी को फ्लैट बंद हुआ। सेंसेक्स 50 अंक की मामूली बढ़त के साथ 82,276 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 58 अंक की तेजी रही, ये 25,483 पर बंद हुआ। हालांकि दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 700 अंक और निफ्टी में 250 अंक की बढ़त देखने को मिली थी। आज के कारोबार में फार्मा, ऑटो और आईटी शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। सरकार रेलवे की फाइनेंस कंपनी आईआरएफसी में अपनी 4 फीसदी तक हिस्सेदारी बेच रही है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल के जरिए की जा रही है। यह ऑफर नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए आज से खुल गया है। वहीं, रिटेल निवेशक गुरुवार, 26 फरवरी को अपनी बोलियां लगा सकेंगे। इसके लिए फ्लोर प्राइस 104 प्रति शेयर तय किया गया है। मंगलवार, 24 फरवरी को आईआरएफसी का शेयर 109.40 पर बंद हुआ था। यानी सरकार निवेशकों को मौजूदा कीमत से डिस्काउंट पर शेयर ऑफर किया है। हालांकि आज ये शेयर करीब 4 फीसदी नीचे 105 रुपए पर आ गया है। वहीं सेंसेक्स में कल यानी मंगलवार 24 फरवरी को गिरावट रही।

कीमतें गिरने से बढ़ी भारतीय सॉलिटेयर रिंग्स की मांग

30 फीसदी तक नीचे आए दाम, 28-40 आयु के उपभोक्ताओं में क्रेज

नई दिल्ली, जेएनएन। हीरों की कीमतों में भारी गिरावट ने देश में ज्वैलरी खरीदने के रुझानों को बदल दिया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार 28-40 वर्ष की आयु के उपभोक्ताओं में सॉलिटेयर रिंग्स की मांग बढ़ रही है। इस खंड में बिक्री साल-दर-साल लगभग 25 फीसदी बढ़ी है क्योंकि बेहतर किफायती होने के कारण अधिक खरीदार बाजार में आ रहे हैं। जेन डायमंड इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर नील सोनावाला ने बताया कि कीमत में यह बदलाव लोकप्रिय आइटमों की लागत को काफी कम कर रहा है। 1 कैरेट की इंगेजमेंट रिंग, जिसकी पिछले वित्तीय वर्ष में कीमत 7 से 8 लाख रुपये थी, अब लगभग 5 से 5.5 लाख रुपये में उपलब्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि कम कीमत वाले रत्नों की मांग भी बढ़ रही है। लगभग 2 लाख रुपये की कीमत वाले हीरे अधिक बिक रहे हैं क्योंकि रिकॉर्ड स्तर की सोने की कीमतें खरीदारों को ऐसे हीरे चुनने के लिए प्रेरित कर रही हैं जिनमें कीमती धातु कम इस्तेमाल होती है। इस वित्तीय वर्ष में सॉलिटेयर की मांग साल-दर-साल 25-35 फीसदी बढ़ी है। इस वृद्धि का मुख्य कारण ग्लोबल प्राइस सुधार और निवेश-आधारित खरीद की ओर उपभोक्ताओं के मजबूत रुझान से बेहतर किफायती होना रहा है, सोनावाला ने जोड़ा। चूंकि डायमंड जड़ित ज्वैलरी में सोने की मात्रा कम होती है, इसलिए युवा महत्वाकांक्षी पीढ़ी इंगेजमेंट और सालगिरह के लिए सॉलिटेयर का चुनाव कर रहे हैं। मिलेनियल्स अधिकांश खरीदार हैं। ये 2 लाख रुपये की सॉलिटेयर खरीद रहे हैं, जो 20 ग्राम सोने की अंगूठी या चेन की तुलना में सस्ती है। बढ़ती सोने की कीमतों ने सॉलिटेयर की बिक्री को बढ़ावा दिया है, उन्होंने कहा। जेन डायमंड इंडिया नए ग्राहकों में भी वृद्धि दर्ज कर रहा है। कंपनी ने पहली बार खरीदारी करने वाले ग्राहकों में लगभग 35-40 फीसदी वृद्धि दर्ज की है, खासकर 28-40 वर्ष की आयु समूह में। जबकि इंगेजमेंट अभी भी प्रमुख खरीदारी का कारण है, खरीदारी के उद्देश्य अब विविध हो रहे हैं।

उद्योग विशेषज्ञ ने हीरे बाजार का आकार 90,000 करोड़ आंका

प्राकृतिक हीरों की कीमतें कमजोर निर्यात मांग के कारण तेज़ी से गिर गई हैं। यह मंदी उस समय शुरू हुई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उच्च शुल्क लगाया गया, जबकि चीन, जो भारतीय कटे और पॉलिश किए गए हीरों का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, ने भी खरीद कम कर दी। मुंबई स्थित पॉली एंड संस के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव पोपले ने कहा कि खरीदारी में बदलाव मुख्य रूप से युवा उपभोक्ताओं द्वारा किया जा रहा है।

इंगेजमेंट प्रमुख कारण बने हुए हैं, लेकिन लगभग 30 फीसदी सॉलिटेयर खरीद अब स्व-खरीदारी या किसी महत्वपूर्ण अवसर पर की जा रही है, सोनावाला ने कहा। ज्वैलर्स ने कहा कि हीरों की कीमतों में सुधार ने प्रवेश बाधाओं को कम कर दिया है और उपभोक्ता आधार का विस्तार किया है।

ब्रिटेन जाने वाले भारतीयों के लिए अब ई-वीजा किया गया अनिवार्य

नई दिल्ली, जेएनएन। ब्रिटेन ने अपनी वीजा प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल करते हुए भारतीय यात्रियों के लिए ई-वीजा अनिवार्य कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत पारंपरिक पेपर वीजा स्टिकर की जगह डिजिटल ई-वीजा लागू होगा। वहीं, जिन देशों के नागरिकों को पहले वीजा की जरूरत नहीं थी, उन्हें अब यात्रा से पहले इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन (ईटीए) लेना होगा। ब्रिटेन के आव्रजन एवं नागरिकता मंत्री माइक टैप ने कहा कि यात्रियों को पहले से आवश्यक अनुमति सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि उनकी यात्रा सुगम रहे।

नई प्रणाली में बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए वीजा आवेदन केंद्र पर व्यक्तिगत रूप से जाना होगा। हालांकि, अब आवेदन प्रक्रिया के दौरान पासपोर्ट जमा छोड़ने की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। ब्रिटेन जाने वाले यात्री अब यूके सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के बाद वीजा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। साथ ही नजदीकी वीजा एप्लिकेशन सेंटर पर बायोमेट्रिक देकर अपना ई-वीजा हासिल कर सकते हैं।

यह हुए बदलाव

- अब पासपोर्ट पर वीजा स्टिकर नहीं लगेगा।
- वीजा स्टेटस ऑनलाइन ई-वीजा के रूप में उपलब्ध रहेगा।
- एयरलाइंस यात्रा से पहले डिजिटल अनुमति की जांच करेंगी।
- बिना वैध ई वीजा या ईटीए के बोर्डिंग से रोका जा सकता है।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट 'सर्वोत्तम सेवा' में अग्रणी

1.55 लाख ग्रामीणों पर उत्पन्न किया सकारात्मक प्रभाव

मुंबई। भारत की अग्रणी एनबीएफसी में से एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने अपनी प्रमुख पशु कल्याण एवं ग्रामीण आजीविका पहल, पशु विकास दिवस के आठवें संस्करण का सफल समापन किया। 'सर्वोत्तम सेवा: पशु, परिवार और प्रगति' की थीम पर आधारित इस पहल ने पशुओं के स्वास्थ्य, परिवार के कल्याण एवं स्थायी प्रगति को बढ़ावा देकर समग्र ग्रामीण विकास के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाया। 2014 में लॉन्च किया गया पशु विकास दिवस पशु मालिकों को निःशुल्क वेटेरिनरी सेवाएं और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उनकी स्वास्थ्य सेवा संबंधी ज़रूरतों को पूरा करता है। पिछले सालों के दौरान यह पहल देश के सबसे बड़े एक दिवसीय पशु कल्याण प्रोग्रामों में से एक के रूप में उभरी है। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 1.55 लाख से अधिक ज़िंदगियों पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है, जिसके तहत तकरीबन 1.4 लाख पशुओं का इलाज किया गया, 14,000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग दिया गया, इससे 30,000 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। इस पहल का संचालन 16 राज्यों में 510 एसएमएफजी ग्रामशक्ति शाखाओं में किया गया, जो ग्रामीण भारत में कंपनी की गहरी पहुंच को दर्शाता है। मध्य प्रदेश में पशु विकास दिवस का आयोजन 41 लोकेशनों में किया गया, जिसके तहत तकरीबन 16000 पशुओं को स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं मुहैया कराई गई और 2200 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। हर कैम्प में स्थानीय वेटेरिनरी डॉक्टरों ने पशुओं की निःशुल्क जांच की, पशुओं के लिए मुफ्त दवाएं बांटी गईं, टीकाकरण किया और दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सलाह दी गई। इस पहल के सफल समापन पर बात करते हुए रवि नारायणन, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ एक्ज़क्यूटिव ऑफिसर, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने कहा कि पशु विकास दिवस पशुओं की देखभाल, आजीविका के सशक्तीकरण और समुदायों के कल्याण को समर्थन देकर इस सिस्टम को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य ऐसे स्थायी परिणामों का निर्माण करना है जो किसान के परिवार को सशक्त बनाएं और बुनियादी स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा दें।

आईआरएफसी में 4 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी सरकार, फ्लोर प्राइस 104 तय

मुंबई, जेएनएन। सरकार रेलवे की फाइनेंस कंपनी आईआरएफसी में अपनी 4 फीसदी तक हिस्सेदारी बेच रही है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल के जरिए की जा रही है। यह ऑफर नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए आज से खुल गया है। वहीं, रिटेल निवेशक गुरुवार, 26 फरवरी को अपनी बोलियां लगा सकेंगे। इसके लिए फ्लोर प्राइस 104 प्रति शेयर तय किया गया है। मंगलवार, 24 फरवरी को आईआरएफसी का शेयर 109.40 पर बंद हुआ था। यानी सरकार निवेशकों को मौजूदा कीमत से डिस्काउंट पर शेयर ऑफर किया है। हालांकि आज ये शेयर करीब 4 फीसदी नीचे 105 रुपए पर आ गया है। आईआरएफसी में सरकार की कुल हिस्सेदारी 86.36 फीसदी है। ओएफएस के जरिए सरकार 2 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिसमें 2 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने का ग्रीन शू ऑप्शन भी है। अगर यह पूरा 4 फीसदी हिस्सा बिक जाता है, तो कंपनी में सरकारी हिस्सेदारी घटकर 82.36 फीसदी रह जाएगी। डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट के सचिव ने कहा कि 104 प्रति शेयर के हिसाब से 4 फीसदी हिस्सेदारी (करीब 52.26 करोड़ शेयर) बेचने पर सरकार को लगभग 5,430 करोड़ मिलेंगे। बेस ऑफर साइज 26.13 करोड़ शेयरों का रखा गया है। डीआईपीएएम सचिव के मुताबिक, यह ऑफर नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए बुधवार, 25 फरवरी को खुल गया है। रिटेल निवेशक 26 फरवरी को अपनी बोलियां लगा सकेंगे।

5,430 करोड़ जुटाने का लक्ष्य, रिटेल निवेशक आज से बोली लगा सकेंगे

छिंदवाड़ा में दोस्तों ने बीयर पिलाकर किया गैंगरेप, एक गिरफ्तार

जागरण, छिंदवाड़ा। दोस्तों ने एक युवती को बीयर पिलाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात की। मामला छिंदवाड़ा का है। युवती ने बताया कि आरोपी युवक पार्टी के बहाने अलका टाकीज के पास अंबर होटल ले गए। यहां उसे बीयर पिलाई। नशे की हालत का फायदा उठाकर दोनों आरोपियों ने बारी-बारी से रेप किया।

28 फरवरी से 5 मार्च तक होली के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा होली के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। ये ट्रेनें 28 फरवरी से रवाना होंगी और 5 मार्च तक वापस लौटेंगी। होली में अतिरिक्त यात्री ट्रैफिक को क्लियर करने के लिए, भोपाल रेल मंडल से 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। रेल यात्री किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्र या ऑनलाइन आईआरसीटीसी की वेबसाइट से इन होली स्पेशल ट्रेनों के आरक्षण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

यह ट्रेनें चलेंगी

1. गाड़ी संख्या 02192/02191 रीवा-रानी कमलपति-रीवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन (1-1 ट्रिप) चलेगी। गाड़ी 02192 रीवा से रानी कमलपति स्पेशल ट्रेन 28 फरवरी को रीवा से दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात में 9.15 बजे रानी कमलपति स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 02191 रानी कमलपति से रीवा स्पेशल ट्रेन 28 फरवरी को रानी कमलपति स्टेशन से रात 10.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 7: 30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।
2. गाड़ी संख्या 02186 रीवा से रानी कमलपति स्पेशल ट्रेन 2 एवं 3 मार्च को रीवा से दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात में 9.15 बजे रानी कमलपति स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 02185 रानी कमलपति से रीवा स्पेशल ट्रेन 2-3 मार्च को रानी कमलपति स्टेशन से रात 10.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 7.30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।
3. गाड़ी संख्या 01704 भोपाल से रीवा स्पेशल 5 मार्च को भोपाल से सुबह 10.30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात में 8.45 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 01703 रीवा से भोपाल स्पेशल ट्रेन 5 मार्च को रीवा स्टेशन से रात 10.20 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 9.05 बजे भोपाल स्टेशन पहुंचेगी।
4. गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलपति से दानापुर स्पेशल ट्रेन 27 फरवरी एवं 2 मार्च को रानी कमलपति से दोपहर 2.25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 8.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 01668 दानापुर से रानी कमलपति स्पेशल ट्रेन 28 फरवरी एवं 3 मार्च को दानापुर स्टेशन से सुबह 11.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 8.55 बजे रानी कमलपति स्टेशन पहुंचेगी।

पतंजलि का दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

हरिद्वार। पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और पतंजलि विवि के तत्वावधान में बुधवार को दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन Plants to Patients Series 4 - Ethnopharmacology Beyond Times पूर्ण हुआ। इस सम्मेलन में पेरुजिया विवि, इटली और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के प्रेजिडेंट, प्रोफेसर डोमेनिको विटोरियो डेलफिनो, कोट द अज़ूर विवि, फ्रांस से प्रोफेसर लुई-फेलिक्स नॉटियस, ग्राज विवि, आस्ट्रिया से प्रोफेसर रुडोल्फ बाउर, नीदरलैंड्स से एल्सेवियर प्रकाशन की सीनियर पब्लिशर, प्रोफेसर एन मैरी शोनी-पोरडॉन, माए लुआंग विवि, थाईलैंड से प्रोफेसर तिडारट डुआंग्योट, सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के संस्थापक पुलक के. मुखर्जी, AIIMS, कल्याणी से प्रोफेसर वाई. के. गुप्ता, AIIMS, ऋषिकेश की Director प्रोफेसर मीनू सिंह और उनके साथ प्रोफेसर पुनीत धामिजा, AIIMS, नई दिल्ली से प्रोफेसर एमडी. रे, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (ACTREC), मुंबई से प्रोफेसर विक्रम गोटा, एवं NIPER , Mohali से प्रोफेसर संजय जाचक, आदि देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लेकर आयुर्वेद, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा के समन्वय पर गहन मंथन किया। इस अवसर पर योगऋषि स्वामी रामदेव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शोध और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित चिकित्सा विज्ञान और वैदिक सनातन ज्ञान का संगम ही भविष्य की चिकित्सा पद्धति को दिशा सुनिश्चित कर सकता है। पतंजलि एक वैश्विक केंद्र के रूप में प्रमाण-आधारित भारतीय चिकित्सा को विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि विश्वभर में आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा पद्धति के साथ ही यूनानी, मिस्र, ग्रीक, तिब्बती, चीनी, जापानी, कोरियाई चिकित्सा पद्धति विद्यमान है, आवश्यकता है इन चिकित्सा पद्धतियों को शोध और साइंटिफिक वैलिडेशन के साथ विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने की, जिससे एक होलिस्टिक और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर मॉडल और ग्लोबल हेल्थ का एक सशक्त माध्यम बन सके जिससे जनमानस को रोगों के लिए एक सुगम, सुरक्षित, सुलभ समाधान मिले।

चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार पर नोएल की शर्तें

नई दिल्ली, जेएनएन। एक असामान्य नतीजे में, टाटा संस ने अपने चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने के फैसले को टाल दिया, जब टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन, नोएल टाटा ने सवाल उठाए। टाटा ने एक कड़े परीक्षक के रूप में काम करते हुए कई असूचित कंपनियों द्वारा हुए घाटों के बारे में बोर्ड मीटिंग में कई प्रश्न उठाए और उनके लिए कार्यकाल बढ़ाने की मंजूरी देने से पहले कई शर्तें रखीं। मामला लगभग तय माना जा रहा था, क्योंकि टाटा संस के चार निदेशक चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने के पक्ष में थे और इसे वोटिंग के लिए तैयार थे। लेकिन चंद्रशेखरन ने प्रस्ताव रखा कि जब तक सहमति नहीं बनती, तब तक इस फैसले को टाल दिया जाए, यह परंपरा दिवंगत रतन टाटा द्वारा निभाई जाती रही थी। सीधे शब्दों में, वह चाहते थे कि नोएल टाटा कार्यकाल विस्तार के लिए सहमति दें। टाटा संस की अगली बोर्ड बैठक, जो जून में होने वाली है, निर्णायक होने की उम्मीद है।

कंपनियों को घाटे का सवाल उठाया

कम प्रोफाइल वाले नोएल टाटा, जिन्होंने अनसूचित कंपनियों में हुए घाटों पर सवाल उठाए, समूह कंपनियों में कर्ज बढ़ने के खिलाफ हैं और इन व्यवसायों में घाटे को सीमित करने के पक्षधर हैं। घाटे में कमी लाना नोएल टाटा द्वारा कार्यकाल विस्तार की मंजूरी देने के लिए रखी गई शर्तों में से एक है। वह स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि समूह कर्ज से दबा न हो और रतन टाटा की विरासत को बनाए रखा जाए।

मार्च में 18 दिन बंद रहेंगे बैंक, महज 13 कार्य दिवस

5 रविवार, 2 शनिवार और 11 दिन कई शहरों में नहीं होगा कामकाज

नई दिल्ली, जेएनएन। फरवरी का महीना अब खत्म होने वाला है और जल्द ही मार्च शुरू हो जाएगा। अगर आप मार्च 2026 में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम करने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद काम की है। आज भी कई ऐसे काम होते हैं जिनके लिए हमें खुद बैंक शाखा में जाना पड़ता है। ऐसे में अगर बैंक बंद मिला तो आपका काम अटक सकता है। आरबीआई की वेबसाइट के मुताबिक, मार्च महीने में कुल 18 दिन बैंक अलग-अलग कारणों से बंद रहेंगे। ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों का ध्यान में रखना होगा।

मार्च 2026 में राज्य या लोकेशन में बैंक बंद रहेंगे: ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा। मार्च में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं मार्च 2026 में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 9 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 3 मार्च को होली, 26 मार्च को श्री रामनवमी और 31 मार्च को श्री महावीर जयंती पर भी बंद रहेगा।

मार्च में इन दिनों बंद रहेंगे बैंक

- 1 मार्च को रविवार का दिन है, इसलिए पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।
- 2 मार्च को होलिका दहन के कारण कानपुर और लखनऊ में बैंक नहीं खुलेंगे।
- 3 मार्च को होली और उससे जुड़े त्योहारों के चलते कई शहरों जैसे भोपाल, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, मुंबई, पटना, रांची और अन्य शहरों में बैंक बंद रहेंगे।
- 4 मार्च को भी होली के दूसरे दिन और अलग-अलग राज्यों में मनाए जाने वाले त्योहारों के कारण कई शहरों में बैंक की छुट्टी रहेगी। इनमें अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, जम्मू, नई दिल्ली, रायपुर, शिलांग और शिमला जैसे शहर शामिल हैं।
- 8 मार्च को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे।
- 13 मार्च को चापचर कुट के कारण आइजोल में बैंक नहीं खुलेंगे।
- 14 मार्च को दूसरा शनिवार है, इसलिए पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। इसके अगले दिन 15 मार्च को रविवार है, जिससे फिर सभी बैंक बंद रहेंगे।
- 17 मार्च को शब-ए-कद्र के मौके पर जम्मू और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे।
- 19 मार्च को गुड़ी पड़वा, उगादी और नवरात्र की शुरुआत जैसे त्योहारों के कारण कई शहरों में बैंक की छुट्टी रहेगी, जिनमें मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और श्रीनगर शामिल हैं।
- 20 मार्च को ईद-उल-फितर और जुमात-उल-विदा के कारण जम्मू, कोच्चि, श्रीनगर, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे।
- 21 मार्च को रमजान ईद और सरहुल के कारण अधिकतर शहरों में बैंक बंद रहेंगे, हालांकि कुछ शहरों में बैंक खुले रहेंगे।
- 22 मार्च को रविवार होने से पूरे देश में बैंक नहीं खुलेंगे।
- 26 मार्च को राम नवमी के कारण कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।
- 27 मार्च को भी कुछ राज्यों में राम नवमी के अवसर पर छुट्टी रहेगी।
- 28 मार्च को चौथा शनिवार है और 29 मार्च को रविवार, इसलिए इन दोनों दिनों पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

चलेंगी हाई स्पीड ट्रेन, बढ़ेगी संख्या

भोपाल। बीना से इटारसी तक चौथी रेल लाइन बिछने के बाद इस रूट पर यात्री ट्रेनों की संख्या बढ़ जाएगी। वर्तमान में वंदे भारत जैसी सुपर फास्ट ट्रेन अभी चल रही है। रेलवे की योजना है कि इस रूट में और भी अधिक हाई स्पीड ट्रेनों को चलाया जाए। चौथी रेल लाइन शुरू होने के बाद यहां से अमृत भारत ट्रेन, और वंदे भारत ट्रेनों की संख्या भी बढ़ने की उम्मीद है।

भोपाल से बीना और इटारसी के बीच 220 की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन, 4300 करोड़ से बिछेगी चौथी रेल लाइन

नगर संवाददाता, भोपाल। बीना-भोपाल-इटारसी के बीच बहुत जल्द ट्रेनें 220 किलो मीटर प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ेंगी। केंद्रीय रेल मंत्रालय ने इस प्रोजेक्ट के लिए 4300 करोड़ रुपए का बजट अलॉट किया है। गत दिनों हुई केंद्रीय मंत्री परिषद की बैठक में इस प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई और जल्द काम शुरू करने का निर्णय लिया गया। करीब एक साल पहले फाइनल लोकेशन सर्वे का काम पूरा हो गया। सर्वे के आधार पर भोपाल रेल मंडल द्वारा प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था, जिसे मंजूर कर लिया गया है।

रेलवे के अधिकारियों की मानें तो बीना से इटारसी के बीच चौथी रेल लाइन बिछने के बाद सुपरफास्ट और एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें 160 से 220 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ेंगी। इतना ही नहीं ट्रैफिक का लोड भी कम होगा और ट्रैफिक क्लियर मिलने के कारण अभी जो गाड़ियां आउटर पर खड़ी करनी पड़ती हैं उन्हें भी खड़ा नहीं करना पड़ेगा जिसके कारण समय की काफी बचत होगी। बीना से इटारसी के बीच की दूरी 231 किमी. है जिसे पूरा करने में अधिकतर ट्रेनों को 4 से साढ़े 4 घंटे का समय लगता है। लेकिन चौथी रेल लाइन बिछने से ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी और बीना से इटारसी का सफर दो से ढ़ाई घंटे में पूरा हो जाएगा।

कुल 231 किलो मीटर का है रेलवे ट्रैक | **एक साल पहले हो चुका है सर्वे का काम पूरा** | **जल्द शुरू होगा पटरी बिछाने का काम**

मालगाड़ियों के लिए रिजर्व हो सकती है लाइन

बीना से इटारसी के बीच डाली जाने वाली चौथी रेल लाइन से रेलवे को यातायात क्लियर करने में मदद मिलेगी। अभी तीन लाइनों द्वारा रेलवे यातायात का संचालन किया जा रहा है। चौथी रेल लाइन शुरू होने के बाद यहां से मालगाड़ियों का गुजरना आसान हो जाएगा। बताया जा रहा है कि गुड्स के आवागमन के लिए चार में से किसी एक रेल लाइन को मालगाड़ियों के लिए रिजर्व किया जा सकता है। हालांकि अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनका कहना है कि चौथी रेल बिछाने के पीछे हमारा उद्देश्य मालभाड़े का विस्तार करना है।

चार सेक्शन में बांटा जाएगा काम

रेलवे अधिकारियों के अनुसार जल्द ही इस काम के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। इसके बाद काम शुरू होगा। बीना से इटारसी के बीच की 231 किलोमीटर की दूरी को चार सेक्शन में बांटकर काम किया जाएगा। इसमें पहला सेक्शन बीना से सुमेर, दूसरा सेक्शन सुमेर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, तीसरा सेक्शन आरकेएमपी से बरखेड़ा और चौथा सेक्शन बरखेड़ा से इटारसी तक होगा। चारों सेक्शन में काम एक साथ शुरू होने की संभावना है। जानकारी अनुसार वर्ष 2028 तक यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा।

गौसेवा हेतु जनप्रतिनिधियों से कमर कसकर आगे आने का विधानसभा में उप मुख्यमंत्री ने किया आह्वान

आंचलिक डेस्क। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गौ संरक्षण एवं संवर्द्धन के विषय में विधानसभा में विचार व्यक्त करते हुए सभी जनप्रतिनिधियों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गौसेवा केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से आग्रह किया कि वे गौसेवा के इस महत्वपूर्ण विषय मे सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर ठोस कदम उठाएँ। उन्होंने कहा कि पूर्व में प्रति गौवंश प्रतिदिन मात्र पाँच रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती थी, जिसे बढ़ाकर बीस रुपये किया गया और अब चालीस रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस राशि में से पैंतीस रुपये चारा, भूसा एवं पोषण आहार के लिए तथा पाँच रुपये गौसेवकों के मानदेय के लिए निर्धारित हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग पाँच हजार निराश्रित गौवंशों के संरक्षण की व्यवस्था सहज रूप से की जा सकती है। रीवा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि लक्ष्मण बाग में लगभग एक हजार गौवंश संरक्षित हैं, बसामन मामा क्षेत्र में 9 से 10 हजार गौवंशों की व्यवस्था है तथा हिनौतिया गौधाम में लगभग 25 हजार गौवंशों को रखने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उपलब्ध भूमि के समुचित उपयोग से और अधिक सुव्यवस्थित विकास किया जा सकता है।

केवल सुझाव देना पर्याप्त नहीं,मैदान में उतरना होगा

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि केवल सुझाव देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सभी जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ठोस कार्ययोजना बनाकर मैदान में उतरना होगा। उन्होंने गौ संरक्षण को प्राकृतिक खेती से जोड़ते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता और गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिसका दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है। वर्तमान में मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा यकृत संबंधी रोगों की बढ़ती प्रवृत्ति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि गोबर और गोमूत्र भूमि के लिए प्राकृतिक पोषण का स्रोत हैं, जो मिट्टी की सेहत सुधारने में सहायक हैं। यदि आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और सशक्त बनाना है, तो गौ संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है।

बच्चों ने हम बदलेंगे, जग बदलेंगे का लिया प्रण

गोविंदगढ़ पहुंची दिव्य शिव संदेश रथ यात्रा; गूंजा नशा मुक्ति का संकल्प

आंचलिक डेस्क। गोविंदगढ़ क्षेत्र के भटलो, गंगापुर, कुठुलिया, सिलपरा, बांसा, मऊ महौरियन टोला, परसिया, अमलिकी, डिहिया, बिछिया एवं धोबिया टंकी सहित सभी गांवों और टोलों में परमात्मा शिव का दिव्य संदेश पहुंचाया गया। ब्रह्माकुमारीज के दिव्य अलौकिक रथ के माध्यम से आध्यात्मिक जागरण और नशा मुक्ति अभियान ने जन-जन के हृदय को स्पर्श किया। यह विशेष शिव संदेश यात्रा दो दिनों तक प्रतिदिन 12-12 घंटे अनवरत चलती रही। तपती धूप हो या संध्या की शीतल बेला — शिव संदेश का यह कांरवा बिना रुके आगे बढ़ता रहा और गांव-गांव में आध्यात्मिक चेतना की ज्योति प्रज्वलित करता रहा। इस कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा के निमित्त गोविंदगढ़ इंचार्ज बीके अन्नपूर्णा दीदी रहीं। रीवा से पधारी बीके शांति दीदी, बीके विजय देव, बीके रोहित, बीके महेश, बीके पीयूष, बीके राखी एवं बीके सुभाष ने शिव संदेश देकर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। विशेष रूप से जनपद सदस्य रीवा विकास चतुर्वेदी के निवास पर भव्य सत्संग एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बड़े धूमधाम से इस अभियान को सफल बनाया और समाज को नशा मुक्त बनाने का आह्वान किया। राजेश साकेत, महामंत्री भाजपा, ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। शिव रथ के माध्यम से प्रस्तुत की गई भव्य एवं आकर्षक झांकी सभी के आकर्षण का केंद्र रही शिव भोलेनाथ की दिव्य छवि ने जनमानस को भाव-विभोर कर दिया। संग्राम तीर्थ के सदस्य सत्येंद्र शुक्ला एवं उनके परिवार सहित अनेक स्थानों पर श्रद्धा, भक्ति और दिव्य व्रत के साथ शिव बाबा का स्वागत किया गया। जगह-जगह आरती, पुष्पवर्षा और भावपूर्ण अभिनंदन हुआ। लोगों ने अपने परिवार सहित आरती कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विशेष उत्साह के साथ नशा मुक्ति का संकल्प लिया। बच्चों ने दृढ़ स्वर में कहा कि हम भविष्य में कभी नशा नहीं करेंगे और न ही अपने परिवार में किसी को करने देंगे। जब हम जागरूक हैं तो हम बड़ों को भी जागरूक कर सकते हैं। दो दिनों तक निरंतर चलती इस यात्रा ने केवल आध्यात्मिक चेतना ही नहीं जगाई, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नई अलख भी जगा दी। यह शिव संदेश यात्रा गोविंदगढ़ क्षेत्र में आध्यात्मिक नवजागरण और नशा मुक्त समाज निर्माण की ऐतिहासिक पहल बनकर उभरी।

रीवा और मऊगंज जिले की अधिकांश तहसीलों में नियम-कायदे दरकिनार

तहसीलों में व्याप्त अव्यवस्था को लेकर अधिवक्ताओं ने जताई खुलकर नाराजगी

प्रशासनिक ढिलाई और अनियमितताओं के आरोप उठाये सवाल

गढ़। तहसीलों में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर अधिवक्ताओं ने खुलकर नाराजगी जताई है। रीवा अधिवक्ता संघ (मनगवां) के सचिव बृजेंद्र प्रताप सिंह ने प्रशासनिक ढिलाई और कथित अनियमितताओं पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि रीवा और मऊगंज जिले की अधिकांश तहसीलों में नियम-कायदों को दरकिनार कर काम किया जा रहा है। इससे आम नागरिकों का राजस्व व्यवस्था से विश्वास लगातार कमजोर हो रहा है। अधिवक्ता संघ के अनुसार तहसीलों में न्यायालयीन फाइलों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। कई प्रकरणों में फाइलों में सूची (इंडेक्स) संलग्न नहीं होती। पेजिंग (क्रमांक अंकन) नहीं की जाती। पेशी रजिस्टर तक व्यवस्थित नहीं हैं। स्थिति यह है कि किसी भी दिन यह स्पष्ट नहीं होता कि कौन-सा प्रकरण किस क्रमांक पर नियत है। इससे पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न

लग रहा है। संघ ने जिला प्रशासन और राजस्व विभाग से मांग की है कि राजस्व न्यायालयों का औचक निरीक्षण कराया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

शासकीय जमीनों पर लापरवाही, निर्णय लंबित : अधिवक्ता संघ का आरोप है कि निजी प्रकरणों की सुनवाई तो किसी तरह हो जाती है, लेकिन शासकीय भूमि संरक्षण, अतिक्रमण हटाने और कंप्यूटर रिकॉर्ड सुधार से जुड़े मामलों को लंबे समय से लंबित रखा गया है। बताया गया है कि शासकीय संपत्तियों के सुधार संबंधी प्रकरणों में 40-42 पेशियां हो चुकी हैं, फिर भी निर्णय नहीं हुआ। कई शासकीय भवन, कार्यालय और सड़कों का विवरण आज भी खसरे या डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है। बालक स्कूल की भूमि क्रमांक 146, 151, 77 सहित कई भू-खंड वर्षों से विवादित और लंबित पड़े हैं। संघ का कहना है कि यदि सरकारी जमीनों का रिकॉर्ड ही सुरक्षित और अद्यतन नहीं रहेगा, तो भविष्य में बड़े पैमाने पर विवाद और अतिक्रमण की आशंका बनी रहेगी। बृजेंद्र प्रताप सिंह ने एक उदाहरण देते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की। उनके अनुसार पटवारी हल्का गढ़ की भूमि क्रमांक 51, जो पुराने रिकॉर्ड में 1 एकड़ 25 डिसमिल दर्ज थी, उसे बढ़ाकर 1 एकड़ 40-42 डिसमिल कर दिया गया है। यदि यह तथ्य सही है, तो यह जमीन के रकबे में बदलाव और संभावित हेराफेरी का मामला हो सकता है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच न होने पर भविष्य में बड़े राजस्व विवाद खड़े हो सकते हैं।

वारिसाना प्रकरणों में देरी और 'सेवा शुल्क' का आरोप : राजस्व न्यायालयों की सुस्त कार्यप्रणाली का असर नामांतरण (वारिसान) के मामलों पर भी पड़ा है। संघ का दावा है कि 10 से 15 वर्षों से कई प्रकरण लंबित हैं। आरोप यह भी है कि इन कार्यों के निष्पादन के लिए 'सेवा शुल्क' के नाम पर 15 से 20 हजार रुपये तक की अवैध वसूली दलालों के माध्यम से की जा रही है। यदि ऐसा हो रहा है, तो यह शासन की मंशा और राजस्व सुधार अभियानों पर सीधा प्रश्नचिह्न है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई सड़कें और शासकीय भूमि आज भी नक्शों में दर्ज नहीं हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अधिवक्ता संघ ने जिला कलेक्टर और संभागीय आयुक्त से मांग की है कि राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की समीक्षा के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। यह जांच की जाए कि 5-6 वर्षों तक प्रकरण लंबित रखने के पीछे कारण क्या हैं और जिम्मेदारी किसकी है। संघ ने चेतावनी भरे स्वर में कहा है कि यदि राजस्व न्यायालय अव्यवस्था और भ्रष्टाचार के केंद्र बने रहे, तो आम जनता में आक्रोश बढ़ेगा। समय रहते पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, अन्यथा राजस्व व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर आंच आ सकती है।

सरकारी एम्बुलेंस का इस्तेमाल कर बकरियों की चोरी!

लेडुआ में सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

नईगढ़ी। थाना नईगढ़ी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत लेडुआ में बकरियों की चोरी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। 24 फरवरी की रात करीब 2 बजे अज्ञात चोरों ने मोतीलाल भुजवा के घर के बाहर बंधी बकरियों को निशाना बनाया। आरोप है कि वारदात में शासकीय एम्बुलेंस 108 का इस्तेमाल किया गया। परिजनों के मुताबिक, देर रात हलचल सुनाई देने पर शोर मचाया गया, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि चार बकरियां वाहन में लादी जा चुकी थीं। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। ग्रामीणों का कहना है कि लेडुआ गांव में पशु चोरी की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन इस बार सरकारी एम्बुलेंस का कथित उपयोग बेहद गंभीर मामला है। गांव में घटना को लेकर आक्रोश है और लोग शासकीय वाहनों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। थाना प्रभारी गोविंद तिवारी ने बताया कि पीड़ित द्वारा एम्बुलेंस का नंबर उपलब्ध नहीं कराया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि घटना के समय कौन सी एम्बुलेंस उस क्षेत्र से गुजरी थी। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही सरकारी एम्बुलेंस में सवारी ढोने का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। ऐसे में ताजा घटना के बाद इन एम्बुलेंस की कार्यप्रणाली और निगरानी को लेकर संदेह और गहराता जा रहा है। यदि जांच में शासकीय वाहन के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो यह न केवल आपराधिक कृत्य होगा बल्कि व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करेगा।

बैंकिंग योजनाओं के बारे में दी विस्तार से जानकारी

आरबीआई अधिकारी की विशेष उपस्थिति में हुआ वित्तीय साक्षरता का आयोजन

मऊगंज ब्यूरो। ग्राम पंचायत बरहटा के भारत रत्न माला सभागार में वित्तीय साक्षरता का आयोजन ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक विजय प्रकाश मिश्र द्वारा किया गया, जिसके मुख्य अतिथि आरबीआई भोपाल के एलडीओ विनय मोरे रहे वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत के पंच राम सजीवन तिवारी ने की। संचालन असिस्टेंट काउंसलर वित्तीय साक्षरता आरोह फाउंडेशन संतोष कुमार मिश्र ने किया। श्री मिश्रा ने सरकार द्वारा संचालित बैंकिंग योजनाओं के बारे में बिंदुवार सचिस्तार जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री तिवारी ने कहा कि हमारे ग्राम पंचायत में जो आज वित्तीय साक्षरता का आयोजन हुआ इनमें महत्वपूर्ण जानकारी हमको एवं हमारे हितग्राहियों को प्राप्त हुई और हम आशा करते हैं कि हमारे सभी हितग्राही बैंक से जुड़कर योजनाओं का लाभ प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्राम

पंचायत के रोजगार सहायक विजय प्रकाश मिश्रा सीएचओ डॉक्टर प्रिया शुक्ला सहायक खुशबू मिश्रा आशा सुपरवाइजर नाजरीन बेगम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरोज सिंह आशा पटेल सहायिका इंद्रप्रभा कोल आशा कार्यकर्ता मीरा पटेल विमल तिवारी एफसीआरोह फाउंडेशन अंबुज सिंह वैद्यनाथ शुक्ला दिनेश सिंह बघेल इंद्र बहादुर सिंह परिहार अवधेश चतुर्वेदी उमेश चतुर्वेदी सिद्धमुनि गुप्ता सतीश शुक्ला दिव्यांशु मिश्रा कुसुम तिवारी कृष्ण कुमार शुक्ला रामकिशोर विश्वकर्मा रामआश्रय कोल राम सजीवन कोल सुखमंती कोल सहित महिला एवं पुरुष हितग्राही उपस्थित रहे। अंत में उमेश कुमार चतुर्वेदी द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, एवं हितग्राहियों, का आभार प्रकट किया गया।

न्यूज कार्नर

त्योंथर के सतत विकास हेतु विधायक ने सीएम से की चर्चा

त्योंथर। भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने विधानसभा में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक में त्योंथर विधानसभा क्षेत्र और विंध्य अंचल के चहुंमुखी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण एवं बुनियादी मुद्दों पर विस्तार से विमर्श किया गया। विधायक श्री तिवारी ने चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री के विजन की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रभावी संवाद और जन-कल्याणकारी नीतियों के कारण मध्यप्रदेश आज प्रगति के नए सोपान तय कर रहा है। मुलाकात में विशेष रूप से विंध्य क्षेत्र की आगामी विकास परियोजनाओं और त्योंथर की स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायक द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने इस भेंट को क्षेत्र के भविष्य के लिए अत्यंत फलदायी बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ग्रामीणों को समस्याओं के निराकरण का दिया आश्वासन

ग्राम दुआरी में भाकपा का अनशन-धरना

गुढ़। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के तत्वावधान में अनिश्चितकालीन अनशन भाकपा के राज्य परिषद सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 कामरेड लालमणि त्रिपाठी तथा भाकपा जिला परिषद सदस्य हरिश्चंद्र पांडेय के नेतृत्व एवं पूर्व अगुआई में संचालित किया गया। कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने बताया कि गुढ़ तहसील अंतर्गत वर्षों से लंबित जनसमस्याओं के निराकरण हेतु प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने के उद्देश्य से यह आंदोलन प्रारंभ किया गया है। धरना स्थल पर पीएचई विभाग के अधिकारी एसडीओ अतुल तिवारी, इंजीनियर विकास तिवारी एवं सुधीर पटेल भी पहुंचे तथा समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। धरना-प्रदर्शन में प्रकाश चंद्र अग्निहोत्री, बुद्धसेन कोल, भैयालाल कोल, श्यामलाल कोल, विधाता कोल, शीतला कारपेंटर, इंद्रप्रताप लूनिया, नारायण प्रसाद कैचर, नेता यगनारायण साकेत, शिवधारा साकेत, प्रदीप कोल, बिहारीलाल साकेत, राजबहोर साकेत, विश्वभर त्रिपाठी, सुरेश कुमार तिवारी, दिनेश कुमार अग्निहोत्री, विनोद कुमार अग्निहोत्री, लोकनाथ रजक, रामपियारे विश्वकर्मा, सुशील कुमार पांडेय, रामनिहोर कुशवाहा, लक्ष्मीदास गुप्ता, बाबूलाल कोल, रामकरण कोल, विजय बृजवासी साकेत, उमेश पांडेय, रामभान लोनिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अनशनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उपरोक्त समस्त मांगों का निराकरण नहीं किया जाता, तब तक अनिश्चितकालीन अनशन एवं धरना जारी रहेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

प्रभु भजन बिना सुख-शांति नहीं : भारत भूषण

डोंडिया वैष्णव पुरम में चल रही श्रीमद् वाल्मीकीय रामायण कथा

जवा ब्यूरो। डोंडिया वैष्णव पुरम में चल रही श्रीमद् वाल्मीकीय रामायण कथा के षष्ठम दिवस में पूज्य व्यास भारत भूषण वाराणसी ने श्रीराम वन गमन का वर्णन करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सदा अपने पिता जी की आज्ञा का पालन करते थे। श्रीराम ने माता कैकेयी के दो वरदानों के कारण अपने पिता महराज दशरथ के आदेश का पालन करते हुए 14 वर्षों के लिए राजसिंहासन त्यागकर वनवास स्वीकार किया। सीता और लक्ष्मण के साथ राम ने अयोध्या से प्रस्थान कर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और दक्षिण भारत के जंगलों की लंबी और कठिन यात्रा की। भरत को राज्याभिषेक और स्वयं को 14 वर्ष का वनवास मिलने पर राम ने धैर्य के साथ पिता का वचन निभाया। उन्होंने महलों के ऐश्वर्य को छोड़कर वनवासी जीवन को चुना। अयोध्या छोड़ते समय, अयोध्या के लोग आंसू बहाते हुए उनके पीछे चल दिए। राम ने उन्हें तमसा नदी के तट पर बहुत समझाया और वापस लौटने का आग्रह किया। राम अयोध्या से निकलकर श्रृंगवेरपुर, गंगा तट प्रयागराज ,भारद्वाज आश्रम चित्रकूट, दंडकारण्य, पंचवटी, किष्किंधा और अंत में रामेश्वरम होते हुए लंका तक गए। आचार्य श्री ने कहा कि प्रभु भजन बिना सुख-शांति नहीं मिलती है, अतः हर व्यक्ति ईश्वर आराधना गौमाता पिता दीन दुखियों की सेवा कर जीवन धन्य बनाए। ज्ञात हो कि यह कार्यक्रम ब्रह्मचारी विशुद्धानंद महाराज के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। मुख्य यजमान काशी नाथ शास्त्री, आचार्य उपेंद्रानंद ओझा, कृष्ण कुमार द्विवेदी, डॉ कमलेश ओझा, डॉ बृजेश नाथ ओझा, सच्चिदानंद ओझा, दयाशंकर द्विवेदी ने ज्यादा से ज्यादा धर्मानुरागी भक्त जनों को श्रीमद् बाल्मीकीय रामायण महापुराण कथा श्रवण करने की अपील की है। कथा का विश्राम पूर्णाहुति भंडारा 1 मार्च को होगा।

उप स्वास्थ्य केंद्र के पास बेघर परिवारों ने डाला डेरा

शासकीय भूमि पर बसाहट की मांग को लेकर अड़े जनेह थाना के पटहट कला का मामला

त्योंथर। जनेह थाना अंतर्गत पटहट कला में इन दिनों आवास की समस्या को लेकर ग्रामीणों का दर्द छलक उठा है। यहाँ उप स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित शासकीय भूमि पर कुछ बेघर परिवारों ने अपना ठिकाना बना लिया है। इन परिवारों का कहना है कि उनके पास रहने के लिए अपनी कोई जमीन या घर नहीं है, जिसके कारण वे इस सरकारी जमीन पर रहने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर ग्रामीण बसे हैं वह खसरा नंबर 22 की शासकीय भूमि है। इसके ठीक बगल में खसरा नंबर 23/1 और 23/2 की निजी जमीनें (पट्टे की भूमि) स्थित हैं। ग्रामीणों और

स्थानीय प्रशासन के बीच अब इस जमीन के उपयोग को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। फिलहाल, प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई ठोस आधिकारिक बयान आना बाकी है, लेकिन ग्रामीणों की बढ़ती संख्या और उनकी मांग ने स्थानीय स्तर पर हलचल तेज कर दी है।

पुलिस ने तोड़ा बस का शीशा, चालक ने लगाया जाम

खटखरी बाजार में यातायात हुआ प्रभावित

हनुमना ब्यूरो । मिली सूत्रों की जानकारी के अनुसार बुधवार को हनुमना तहसील अंतर्गत ग्राम सलैया में राज्यपाल के आने पर मऊगंज जिले के साथ-साथ खटखरी बाजार में भी जनता जनार्दन की भीड़ कुछ ज्यादा हो गई। बस चालक को गाड़ी क्रॉस करने में थोड़ा समय लग गया तो क्या पुलिस प्रशासन डंडे और लाठी मारेगा? डंडा मारने के कारण बस के आगे का मेन

शीशा क्षतिग्रस्त हो जाने से कम से कम 50000 का नुकसान होने के कारण बस चालक ने नाराज होकर खटखरी बाजार में सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे खटखरी बाजार मे यातायात व्यवस्था कुछ पल के लिए प्रभावित हो गई। उसी समय राज्यपाल का खटखरी बाजार में आगमन हो गया, जिन्हें पुलिस प्रशासन द्वारा खटखरी के सेंट्रल लाइन से गाड़ी को निकालना पड़ा। यहां एक प्रश्न यह है कि जब पुलिस शासन और प्रशासन यातायात प्रभारी मऊगंज को यह जानकारी थी कि आज 25 तारीख को सलैया ग्राम पंचायत में राज्यपाल का आगमन होने वाला है तो यातायात की व्यवस्था उनके आने के पूर्व बनानी चाहिए, बाजार में उन्हें देखने और सुनने के लिए जनता की भीड़ अत्यधिक होने के कारण अपनी नाकामी न देखकर डंडे से बस का शीशा क्षतिग्रस्त कर देना और मारना क्या उचित है।

सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने जिम्बाब्वे से भिड़ेगा भारत

सुपर-8 में दोनों टीमों के बीच मैच आज शाम सात बजे से चेन्नई में

जेएनएन, चेन्नई

शीर्षक्रम की नाकामी और पिछली हार के बाद भारी दबाव से जूझ रही गत चैंपियन भारतीय टीम को 'जाइंट किलर' जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 विश्व कप सुपर आठ चरण के 'करो या मरो' के मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से हार के बाद भारत का नेट रनरेट (माइनस 3.80) खराब हो गया है, जिससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए यह मुकाबला हर हालत में बड़े अंतर से जीतना होगा। अन्य चीजें भारत के हाथ में नहीं है इसलिए भारत की पहली प्राथमिकता अगले दोनों मुकाबले जीतने पर होगी। हालांकि इस मुकाबले में भारत के पास खोने के लिए काफी कुछ है, लेकिन जिम्बाब्वे इस विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका जैसी बड़ी टीम को हराने की यादों के साथ विदा लेगी। भारत ने इस विश्व कप में सबसे बड़े दावेदार के तौर पर प्रवेश किया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले से पहले भी भारतीय बल्लेबाज ऐसे तरीकों से संघर्ष करते पाए गए, जिसकी टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। कागज पर भारतीय टीम ऐसी है, जो जिम्बाब्वे को 10 में से नौ बार हरा सकती है, लेकिन अगर जिम्बाब्वे की ओर से तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजाराबनी और सिकंदर रजा अपनी स्पिन से भारतीय बल्लेबाजों से गलती करवाने में सफल होते हैं और जिम्बाब्वे उन गलतियों को भुना लेते है, तो वह निश्चित तौर पर मुकाबले में जान फूंक सकते हैं।

भारत के शीर्षक्रम को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

विश्व कप से पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और इशान किशन शानदार फॉर्म में थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया था, लेकिन पेट के संक्रमण के बाद से अभिषेक की लय खो गई है। सपाट पिचों पर ऑफ स्पिनरों के सामने वह अपने पसंदीदा शॉट नहीं खेल पा रहे हैं, जिसका भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह 15 रन ही बना सके हैं, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। तिलक वर्मा को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। अभिषेक के खराब फॉर्म के कारण तिलक को इशान का बखूबी साथ देना चाहिए था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इशान 193 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिल पा रहा। सूर्यकुमार यादव ने 180 रन बनाए हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 127 रहा है, जो उनके टी-20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है, जिससे इशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या निचले क्रम पर आक्रामक पारियां नहीं खेलते तो कुछ मैचों में तो भारत का स्कोर सम्मानजनक भी नहीं रहता। बाएं हाथ के तीन बल्लेबाजों इशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों का उपयोग किया है। शीर्ष तीन में दाहिने हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल करने की संभावना है, हालांकि वह खुद बहुत अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है।

जिम्बाब्वे जाइंट किलर

जाइंट किलर जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है, जिसका अभी तक भारत ने सामना किया है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस से कड़ी चुनौती मिल सकती है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले के लिए चोट के बाद वापसी करते हुए अंगारावा ने बाएं हाथ के स्पिनर वेलिंग्टन मसाकद्जा की जगह ली थी। भारतीय बल्लेबाजी लाइन अप में बाएं हाथ के काफी बल्लेबाजों को देखते हुए मसाकद्जा एक बार फिर बेंच पर बैठ सकते हैं।

हेड टू हेड

टी-20	13
भारत जीता	10
जिम्बाब्वे जीता	03

■ दोनों देश टी-20 विश्व कप में अब तक सिर्फ एक ही बार आमने-सामने रहे हैं, जिसे भारत ने अपने नाम किया था।

भारत: सुर्यकुमार यादव (कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

संजू को मिल सकता है मौका

पारिवारिक कारणों से घर लौटने वाले रिंकू सिंह मुकाबले के चयन के लिए उपलब्ध होंगे। हालांकि वह संजू सैमसन के लिए जगह बनाने के लिए दो में से एक खिलाड़ी हो सकते हैं, दूसरे खिलाड़ी तिलक वर्मा हो सकते हैं। सैमसन को बाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरी हुई भारतीय लाइन अप में तीसरे दाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में एकादश में शामिल किया जा सकता है। दाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरी हुई जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी लाइन अप को देखते हुए अक्षर पटेल की भी वापसी हो सकती है और वह वॉशिंगटन सुंदर की जगह एकादश में शामिल हो सकते हैं।

पिच और परिस्थितियां

टी-20 में काफी अरसे तक चेपॉक स्पिन को मददगार मानी जाती थी, लेकिन इस विश्व कप में चेपॉक की पहचान बदली है। औसत और स्ट्राइक रेट के मामले में यह सबसे बढ़िया मैदान साबित हुआ है। जबकि स्पिन गेंदबाजों के लिए औसत और स्ट्राइक रेट के मामले में यह अंतिम तीन पायदानों में है। जबकि तेज गेंदबाजों को इस विश्व कप में यहां संघर्ष करते देखा गया है। 2025-26 में यहां एक भी घरेलू या टी-20 मुकाबला नहीं खेला गया। गुरुवार का मुकाबला काली मिट्टी वाली पिच पर खेला जाएगा। यह वही पिच है जिस पर न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान के खिलाफ 17.5 ओवर में 183 का लक्ष्य हासिल कर लिया था। मौसम के साफ रहने की उम्मीद है।

वेस्टइंडीज बनाम दक्षिण अफ्रीका मुकाबले पर रहेंगी सभी की नजरें

अहमदाबाद। टूर्नामेंट में अब तक अपराजेय रही वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सुपर-8 के मुकाबले में गुरुवार को आमने सामने होंगी तो इस मुकाबले पर सभी की नजरें रहेंगी। भारत जहां दक्षिण अफ्रीका के जीतने की उम्मीद करेगा, तो वहीं जिम्बाब्वे की उम्मीदें वेस्टइंडीज की जीत से बंधी होंगी। सेमीफाइनल की दौड़ को इस मुकाबले का परिणाम काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। वेस्टइंडीज अगर जीत जाता है, तो भारत के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती है। इससे वेस्टइंडीज सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब आ जाएगा और दक्षिण अफ्रीका को आखिरी सुपर आठ मैच में जिम्बाब्वे को हराना होगा। ऐसे में भारत को वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर

वेस्टइंडीज के पास बेहतरीन आक्रामक बल्लेबाज हैं, जो अपने दम पर मैच जिताने का माद्दा रखते हैं। अब उनका सामना हालांकि दक्षिण अफ्रीका के ऐसे गेंदबाजी आक्रमण से होगा, जिसने भारतीय बल्लेबाजों को नाकों चने चबवा दिए थे। मार्को यानसेन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडि ने मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

■ इस महा मुकाबले में व्यक्तिगत टक्कर पर भी नजरें होंगी, मसलन शिमरोन हेटमायर कैसे रबाडा की गेंदों को खेलते हैं या रोवमैन पॉवेल को महाराज की फिरकी कितना परेशान कर पाती है। मिलर का अनुभव बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन के सामने कितना काम आता है या यानसेन की गेंदों की उछाल ब्रेंडन किंग को रास आती है या नहीं। यह मैच दिन में खेला जाएगा तो समीकरण अलग होंगे। ओस नहीं होने से टॉस का महत्व उतना नहीं रहेगा। पिच सूखी रहने से शुरुआत में ही स्पिनरों की भूमिका हो सकती है।

■ दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज भी कमतर नहीं है और डेविड मिलर ने अक्सर संकटमोचक की भूमिका निभाई है। भारत के खिलाफ पावरप्ले में कई विकेट गंवाने के बाद उन्होंने पारी को संभाला।

मैदान से हटकर

नाराज प्रशंसकों ने पाक कप्तान आगा के परिवार को धमकी भरे संदेश भेजे

पाकिस्तान की टी-20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में इंग्लैंड से हार से निराश क्रिकेट प्रशंसकों ने कप्तान सलमान आगा के परिवार को धमकी भरे संदेश पोस्ट किए हैं। सलमान की पत्नी साबे ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि उन्हें या उनके बेटे को गाली देने और धमकी देने से पाकिस्तान टी-20 विश्व कप नहीं जीत पाएगा। पाकिस्तान मंगलवार को श्रीलंका के पाल्लेकल में खेले गए मैच में दो विकेट से हार गया था, जिसके बाद प्रशंसकों ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के इस तरह के व्यवहार की कड़ी निंदा की है। पूर्व कप्तान मोइन खान ने 1999 विश्व कप के फाइनल में पाकिस्तान की हार के दौरान इसी तरह के अनुभवों को याद किया। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल अस्वीकार्य है और साइबर अपराध विभाग को इन धमकी भरे पोस्ट की जांच करके दोषियों को दंडित करना चाहिए। पाकिस्तानी क्रिकेट प्रशंसक अक्सर तब बेहद भावुक हो जाते हैं, जब टीम आईसीसी के किसी बड़े टूर्नामेंट में हार जाती है। पाकिस्तान जब 1996 में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में भारत से हार गया था तो तब उसके प्रशंसकों ने तत्कालीन कप्तान वसीम अकरम सहित कुछ खिलाड़ियों के घरों पर हमला किया था। (जेएनएन)

खेल एक नजर

भारत ने पहला एडीसीए टी-20 अंतरराष्ट्रीय एशिया कप जीता

कटक, जेएनएन। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को छह विकेट से हराकर पहला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट जीत लिया। भारतीय टीम ने इससे पहले प्रतियोगिता के पहले मैच में श्रीलंका को चार विकेट से हराया था और फिर नेपाल पर 10 विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। श्रीलंका ने टूर्नामेंट के तीसरे मैच नेपाल के खिलाफ छह विकेट से हराया था। श्रीलंका ने फिर उलट मुकाबले में नेपाल को 157 रन से हराया, जबकि इस द्वीपीय देश ने भारत को एक रन से करीबी जीत के लिए कड़ी मेहनत करवाई। भारत ने अपने अगले मैच में नेपाल को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। फाइनल में साई आकाश को 14 गेंद में 27 रन बनाने के साथ दो विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। श्रीलंका के गिमाडू एल मलकम को 196 रन बनाने के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया जबकि गिहान लासिडू डि सिल्वा को 10 विकेट लेने के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुना गया।

न्यूजीलैंड के 168 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य के सामने श्रीलंका 107 पर सिमटा

रचिन रविंद्र चमके, न्यूजीलैंड विश्व कप सेमीफाइनल के करीब, श्रीलंका बाहर

जेएनएन, कोलंबो

रचिन रविंद्र (32 रन और चार विकेट) के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने बुधवार को टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में श्रीलंका को 61 रन से शिकस्त दी, जिससे सह मेजबान टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर (47 रन) और कोल मकौंची (नाबाद 31 रन) के बीच सातवें विकेट के लिए 47 गेंद में 84 रन की साझेदारी से टीम ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सात विकेट पर 168 रन बनाए। एक समय ऐसा लग रहा था कि न्यूजीलैंड की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाएगी, लेकिन सैंटनर और मकौंची ने न्यूजीलैंड को न सिर्फ संकट से उबारा, बल्कि दोनों स्पिन को मददगार पिच पर अपनी टीम को एक बड़े स्कोर तक ले गए। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को अंतिम चार ओवर में 70 रन बनाने दिए। सुपर-8 के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाली टीम को फिर बल्लेबाजों ने निराश किया। श्रीलंकाई टीम रविंद्र (27 रन देकर चार विकेट) के करियर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन के सामने लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 107 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के लिए जहां स्पिन की जिम्मेदारी रविंद्र ने संभाली तो वहीं तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पावरप्ले में दो ओवर में एक मेडन से तीन रन देकर दो विकेट झटककर शानदार प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड ने हेनरी की मदद से पावरप्ले में श्रीलंका को पस्त किया।

प्लेयर ऑफ द मैच रविंद्र

■ न्यूजीलैंड के लिए इस बड़े अंतर की जीत ने दो अहम अंक तो पक्के किए ही और उसे सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब भी पहुंचा दिया। अब पाकिस्तान को क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए अपने आखिरी मैच में बड़ी जीत की जरूरत है। न्यूजीलैंड का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जबकि पाकिस्तान की टीम श्रीलंका से भिड़ेगी।

श्रीलंका ने पावरप्ले में बनाए मात्र 20 रन

श्रीलंका के लिए 169 का लक्ष्य आसान नहीं रहने वाला था, लेकिन हेनरी ने पहली ही गेंद पर पतुम निसंका का शिकार कर श्रीलंका की उम्मीदों को बड़ा झटका दे दिया। अपने अगले ही ओवर में हेनरी ने धीमी गति की गेंद डालकर इस मुकाबले में वापसी कर रहे चरित असलंका का शिकार किया और श्रीलंका की टीम दबाव में आ गई। श्रीलंका को एक साझेदारी की दरकार थी, लेकिन पावरप्ले में श्रीलंका दो विकेट के नुकसान पर मात्र 20 रन ही जोड़ पाई, जो कि टी-20 विश्व कप के इस संस्करण में पावरप्ले का न्यूनतम स्कोर भी है। यह सिर्फ शुरुआत थी, स्पिनर रविंद्र ने अपने पहले ही ओवर में स्टंपिंग के जरिए कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके के रूप में दोहरा झटका देते हुए श्रीलंका को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बाद रविंद्र ने दासून शानका और दुशान हेमंता का भी शिकार किया। श्रीलंका मुकाबले में पूरी तरह से पिछड़ चुका था और स्पिन पूरी तरह से हावी हो गई। कुसल मेंडिस ने 31 और दुनित वेल्लालगे ने 29 रनों की पारी खेली लेकिन श्रीलंका लक्ष्य से काफी पीछे था।

रणजी फाइनलः जम्मू कश्मीर का स्कोर 500 के पार पहुंचा

जेएनएन, हुबली

कप्तान पारस डोगरा (70 रन) ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन कर्नाटक के स्थानापन्न खिलाड़ी केवी अनीश को जानबूझकर सिर से मारने (हेड-बट) की उनकी हरकत ने जम्मू-कश्मीर की अच्छी बल्लेबाजी पर पानी फेर दिया, जिसने रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन स्टंप तक छह विकेट पर 527 रन बना लिए। डोगरा के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधावन (70), साहिल लूथरा (नाबाद 57 रन) सभी ने अच्छा योगदान दिया, जिससे कर्नाटक के गेंदबाजों के लिए यह दिन मुश्किल रहा, जिसमें सिर्फ प्रसिद्ध कृष्णा (29 ओवर में 90 रन देकर तीन विकेट) ही प्रभाव डाल सके। कर्नाटक के लिए दिन की शुरुआत अच्छी रही, क्योंकि रात के शतकवीर शुभम पुंडीर (247 गेंद में 121 रन) जल्दी आउट हो गए। विद्याधर पाटिल (104 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर पुंडीर की एक फ्लिक सीधे अनीश के हाथों में समां गई, जिससे 124 रन की साझेदारी खत्म हुई। पहले दिन अर्धशतक जड़ने वाले अब्दुल समद (61) प्रसिद्ध की गेंद पर आउट हुए। जम्मू कश्मीर का स्कोर चार विकेट पर 307 रन था तब अनुभवी बल्लेबाज डोगरा और इस सत्र में टीम की खोज रहे वधावन ने मिलकर 32 ओवर में 110 रन की भागीदारी की। ब लेग-स्पिनर श्रेयस गोपाल (एक विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर शिखर शेट्टी (एक विकेट) ने गेंदबाजी शुरू की तो दोनों को कोई दिक्कत नहीं हुई। वधावन कुछ देर में शेट्टी की गेंद पर स्लिप में केएल राहुल के हाथों कैच आउट हुए। फिर डोगरा ने लूथरा के साथ 54 रन की भागीदारी की। तीसरी नई गेंद लेने के लिए चार ओवर बाकी हैं और कर्नाटक के गेंदबाज जम्मू-कश्मीर को 600 से नीचे ही समेटना चाहेंगे।

■ 21 सत्र के रणजी खिलाड़ी डोगरा के बर्ताव ने सभी को हैरान कर दिया। प्रसिद्ध की गेंद पर एक बाउंड्री लेने के बाद 'सिली प्वाइंट' क्षेत्ररक्षक अनीश को 'हेड-बट' मारने की घटना कैमरे में कैद हो गई। यह साफ नहीं था कि अनीश की किसी भी बात से डोगरा को बुरा लगा होगा।

प्रो लीग में भारत की पहली जीत ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में हराया

होबार्ट, जेएनएन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को विश्व में तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में लंबे समय से चले आ रहे हार के सिलसिले को खत्म कर दिया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। इस जीत से भारत का प्रो लीग के अगले चरण से पहले मनोबल बढ़ेगा। पहले तीन क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सामने हर तरह से कड़ी चुनौती पेश की। पहले तीन क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। ऑस्ट्रेलिया ने आखिर में 49वें मिनट में जेरेमी हेवर्ड के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया की यह खुशी हालांकि क्षणिक रही, क्योंकि शिलानंद लाकड़ा (51वें मिनट) ने दो मिनट बाद ही एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की पूरी कोशिश की, लेकिन असफल रहीं और मैच शूटआउट में चला गया, जहां भारत ने जीत दर्ज करके दो अंक हासिल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक अंक मिला। भारत की तरफ से शूटआउट में लाकड़ा, मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र गोल हेवर्ड ने किया।

द हंड्रेडः राष्ट्रीयता के आधार पर खिलाड़ियों को बाहर नहीं किया जाना चाहिएः इंग्लैंड बोर्ड

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और 'द हंड्रेड' की फ्रेंचाइजी ने संयुक्त बयान जारी करके कहा है कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसी आशंका है कि इस प्रतियोगिता के लिए अगले महीने होने वाली नीलामी में भारतीय स्वामित्व वाली कम से कम चार टीमें पाकिस्तानी क्रिकेटरों को जानबूझकर नजरअंदाज कर सकती हैं। आठ फ्रेंचाइजी में से चार मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स (आरपीएसजी ग्रुप), एमआई लंदन (रिलायंस), सदर्न ब्रेव (जीएमआर) और सनराइजर्स लीड्स (सन ग्रुप) के मालिक आईपीएल के टीमों के मालिक भी हैं और ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार ये टीमें नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लेने से परहेज कर सकती हैं। पिछले साल 'द हंड्रेड' कि किसी भी टीम का मालिक भारतीय नहीं था, इसके बावजूद इस प्रतियोगिता के लिए केवल दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चुना गया था। इस टूर्नामेंट के पहले पांच सत्र में पाकिस्तान के केवल नौ खिलाड़ी ही खेल पाए हैं। टीमों के नए मालिक इस सत्र से इन फ्रेंचाइजी का संचालन करेंगे। ईसीबी और आईपीएल से जुड़े मालिकों सहित 'द हंड्रेड' की सभी आठ फ्रेंचाइजी का स्वामित्व रखने वाले मालिकों ने संयुक्त बयान में कहा, द हंड्रेड की शुरुआत नए दर्शकों तक पहुंचने, क्रिकेट को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता या अन्य किसी भी आधार पर हो, हमारे खेल में अपनी जगह महसूस कर सके। खिलाड़ियों को उनकी राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए।

■ 'द हंड्रेड' की लंदन में होने वाली नीलामी के लिए पाकिस्तान के 67 पुरुष और महिला क्रिकेटरों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें पुरुष टी-20 विश्व कप में खेल रहे उसके लगभग सभी खिलाड़ी शामिल हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने 'द हंड्रेड' में खेलने की इच्छा व्यक्त की थी।

चना एवं मसूर फसलों के उपार्जन हेतु पंजीयन 16 मार्च तक

रीवा। रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) में ई-उपार्जन पोर्टल पर चना एवं मसूर फसलों का पंजीयन 20 फरवरी से आरंभ होकर 16 मार्च तक किया जायेगा। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसान भाईयों से अपेक्षा की है कि नियत तिथि तक अपनी फसल के उपार्जन के लिये पंजीयन करा लें।

पेंशनर्स को फेस रीडर ऐप से मिलेगी सुविधा

रीवा। जिन पेंशनरों का जीवन प्रमाण पत्र जमा किये एक वर्ष नहीं हुआ है, उन्हें अभी जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करवाने की आवश्यकता नहीं है। बताया कि आधार फेस रीडर ऐप डाउनलोड कर पेंशनर की लाइव विडियो फोटोग्राफ स्कैन कर जीवन प्रमाण पत्र जमा किया जा सकता है। इसके लिए पेंशन देने वाले प्राधिकरण बैंक के यहाँ पंजीकृत आधार नंबर होना आवश्यक है।

बिछिया नदी में मिला अज्ञात युवक का रक्त रंजित शव, मचा हड़कंप

कुठुलिया फार्म के पीछे की घटना, बिछिया पुलिस कर रही मामले की जांच

जागरण, रीवा। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र के कुठुलिया फार्म के पीछे नदी के किनारे बुधवार की सुबह एक युवक की रक्तरंजिश लाश मिलने से हड़कंप मच गया। आशंका है कि युवक की हत्या कर आरोपियों ने शव को ठिकाने लगाने का असफल प्रयास किया है। सुबह नदी में पत्थर से दबा हुआ शव मिलने की सूचना बिछिया पुलिस को मिली थी। फिलहाल मृतक की शिनाख्त खबर लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। कुठुलिया फार्म के कर्मचारियों ने युवक के शव को नदी में पत्थरों के बीच दबा देखा था। मृतक के सिर और शरीर में चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। बिछिया पुलिस के साथ एफएसएल टीम ने भी मौके का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद उसे पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया है। फिलहाल पुलिस मृतक युवक की शिनाख्तगी के प्रयास में लगी हुई है, आसपास के थाना और चौकियों में गुमशुदा युवकों के संबंध में जानकारी ली जा रही है। पुलिस के मुताबिक पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारण स्पष्ट हो सकेंगे। कुठुलिया फार्म के पीछे बिछिया नदी में रक्त रंजित शव मिलने से क्षेत्र में सनाका खिंच गया और घटना को लेकर इलाके के लोग दहशत में नजर आए।

पंप चालू करने गई महिला की पड़ी थी नजर : कुठुलिया फार्म में फसल की सिचाई के लिए फार्म के पीछे से निकली बिछिया नदी में पंप लगा हुआ है। बताया गया कि फार्म में कार्यरत महिला बुधवार की सुबह पंप चालू करने नदी की तरफ गई थी, इसी दौरान महिला की नजर युवक के रक्त रंजित शव पर पड़ी। शव देखते ही महिला चीखते हुए वहां से डर के भागी और सूचना कुठुलिया फार्म के प्रभारी को दी गई। इसके बाद वार्ड 45 के पार्षद गंगा प्रसाद यादव सहित बिछिया पुलिस को घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची। आशंका जताई जा रही है कि यवुक की हत्या कर आरोपियों ने शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया है। युवक की पत्थर से हमला कर जान ली गई।

पहचान के बाद होगा खुलासा

बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कुठुलिया फार्म के पीछे मिले अज्ञात शव के संबंध में पुलिस की मानें तो सबसे पहले मृतक की शिनाख्तगी का प्रयास किया जा रहा है, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने बॉडी को पीएम के लिए मर्चुरी में रखवाया है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है, घटना स्थल पर पुलिस को रक्त रंजित पत्थर सहित खून के निशान मिले हैं। युवक की हत्या पत्थर से कुचलकर किए जाने की आशंका है।

जमीनी विवाद में पुत्र ने माँ पर किया हमला, हाथ फ्रैक्चर

रीवा। गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अगडाल में जमीनी विवाद में एक पुत्र ने अपनी ही मां के साथ मारपीट कर माँ-बेटे के रिश्ते को कलंकित कर दिया। पीड़िता सरस्वती देवी तिवारी ने बताया कि वह घर में अकेली थी, उसी दौरान उनके पुत्र पुष्पेंद्र तिवारी ने घर का दरवाजा बंद कर चिमटा और डंडे से बेरहमीपूर्वक मारपीट की। घटना में वृद्ध महिला के दोनों हाथ गंभीर रूप से फ्रैक्चर हो गए। बताया जा रहा है कि विवाद की जड़ नेशनल हाइवे 30 से लगी कीमती जमीन है। यह जमीन पिता ने अपने जीवित रहते पत्नी सरस्वती देवी तिवारी के नाम कर दी थी। आरोप है कि आरोपी पुत्र पुष्पेंद्र तिवारी उक्त जमीन को अपने नाम कराने के लिए लगातार दबाव बना रहा था।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

आवश्यकता है
Faith Bricks Industries-Rewa
मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव
(MBA एवं कम से कम 5 वर्ष का अनुभव)
वेतन: 30,000/-
टेलीकॉलर
(कम्प्यूटर का ज्ञान अनिवार्य)
वेतन: 15,000/-
Whatsaap CV
6264002713

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
उपलब्ध सुविधा
• एंडोस्कोपी
• कोलोनोस्कोपी
• फाइब्रोस्केन
• ERCP
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
Call Now 8770352872,7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

Minerva The Medicity A MULTI SUPERSPECIALITY HOSPITAL
मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत नि:शुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
कार्डियक सर्जरी
पुन: नि:शुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

डॉ. बीरभान सिंह
एम.डी. (मेडिसिन)
DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट
उपलब्ध सुविधाएं
• कमर दर्द (साइटिका • मिर्गी (फिट), बुखारी मिर्ची, बच्चों की मिर्गी • सिर दर्द माइग्रेन/अर्ध कपारी
• मूवमेंट डिसार्डर्स (आँखें एवं चेहरे का फड़कना, गर्दन टेढ़ी होना) • बोटॉक्स का इंजेक्शन लगाना
• पार्किंसंस (हाथ पैर में कपन होना), अनिद्रा, नीद में बडबडाना या चौक जाना। • चक्कर आना (वर्टाइगो)
• यादाश्त में कमी, पेशाब का पता न चलना व कपड़ों में पेशाब निकल जाना, भूलने की बीमारी।
• आँखों में दर्द के साथ-साथ धुंधला दिखना और दो-दो दिखाई देना, रंग साफ न दिखना आचानक से आँखो की रोशनी कम होना • हाथ पैर में झनझनाहट या सुन्नपन, झुनझुनी (न्यूरोपैथी)
• अनिद्रा (स्लीप डिसाआर्डर) • मस्तिष्क एवं रीढ़ के इन्फेक्शन • चलने में परेशानी, लड़खड़ा के चलना, धीरे-धीरे चलना, चलते समय गिर जाना व गिरने का भय। • दिमागी बुखार • मांसपेशियों में कमजोरी, फड़कना या हाथ पैर का पतला होना • गर्दन दर्द (सर्वाइकल स्प,एडलाइटिस) • चेहरा का तिरछापन (बेल्स पालसी)
पता: श्रवण कुमारी स्कूल के पास,गुड़ रोड चिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(नि: संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
* IUI, IVF, ICSI
* फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
* एग फ्रीजिंग
* एंब्रियो फ्रीजिंग
* स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
नि:संतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

कैंसर OPD प्रतिदिन रीवा में
डॉ विनीत कुमार तिवारी
MBBS, MS (सर्जरी)
(कैंसर सर्जन)
परामर्श समय प्रतिदिन दोपहर 1.30 से 03 बजे तक एवं शाम 06 से 07 बजे तक
DrNB सुपरस्पेशलिटी (ऑन्को सर्जरी), FALS (रोबोटिक और मिनिमल एसेस सर्जरी)
पूर्व सर्जन, मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर (MICC) दिल्ली NCR एवं AIIMS भोपाल
विशेषता
• मुख कैंसर सर्जरी
• स्तन कैंसर सर्जरी
• थायोराइड एवं इंडोक्राइन कैंसर सर्जरी
• स्त्री रोग कैंसर सर्जरी
• प्रोस्टेट एवं यूरोलॉजिक कैंसर सर्जरी
• पेट, लीवर एवं पैंक्रियाज कैंसर सर्जरी
• मेलोनेमा एवं त्वचा कैंसर सर्जरी
• सिर, चेहरा एवं गर्दन कैंसर सर्जरी
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
मो.: 9399312433, 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉप्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

10 YEAR WARRANTY
BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE
72198 21111
SHRIRAM Finance | IDFC FIRST Bank ALWAYS YOU FIRST | BAJAJ AUTO CREDIT | L&T Finance | TATA CAPITAL Two Wheeler Loans
*नियम और शर्तें लागू. बचत 28 फरवरी 2026 तक लागू है. दर्शाई गई कुल सेविंग्स का तात्पर्य है कैशबैक से प्राप्त बचत की कुल राशि, जीरो प्रोसेसिंग फ़ीस और 5 फ्री सर्विसेस (3 स्टैंडर्ड फ्री सर्विसेस और 2 अतिरिक्त फ्री सर्विसेस). फ्री सर्विस की बचत, शेड्यूल्ड लेबर चार्जेस के लिए है. लागू ऑफ़र्स, मॉडल्स/राज्यों के अनुसार बदल सकते हैं. शून्य पीएफ पर सेविंग्स, फ़ायनान्सर पर निर्भर करते हुए लोकेशन्स के अनुसार बदल सकती हैं. फ़ायनान्स उपलब्ध है फ़ायनान्सर के अपने स्व-निर्णय पर. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नक़ल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. पल्सर 125 ऑफ़र नेयॉन और कार्बन फ़ाइबर मॉडल्स पर.
Authorised Dealers for BAJAJ Auto Ltd.: Balaghat: SAI BAJAJ 9425822517 • Chatarpur: TIKARIYA BAJAJ 7470901984 • Satna: FOUZDAR BAJAJ 8109073002, 9399480294, 9425173001, AA Autorider: 9098500556 9098500557 Rewa UPPAL BAJAJ 07662-408300, 9301991092, 9424822015 • Seoni FRONTIER A S BAJAJ 9302893612 • Sidhi JL Motors 9303942425 6269279293 • Shahdol: JAYSHREE BAJAJ 7879858023 • Singroli: Waidhan JAISWAL BAJAJ 7354131415 • Tikamgarh: TIKARIYA BAJAJ 7999169461.

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com